https://www.facebook.com/jantaunion

झाँसी
सोमवार, 13 जुलाई 2026
वर्ष 19 अंक 37
पृष्ठ 8 मूल्य ₹ 3.00

जनता यूनियन

अधिकतम : 37° से.
न्यूनतम : 31° से.

www.epaperjantaunion.com
jantaunion@gmail.com

अखिल भारतीय कुशवाहा महासभा की...- 3 | एक पेड़ माँ के नाम लगाकर बुन्देलखण्ड को बनाएं हरा भराः उप मुख्यमंत्री...-8

पहलगाम में बादल फटा, सड़क बही, उत्तराखंड में लैंडस्लाइड

पाकिस्तान से आ रहीं सूखी हवाओं ने बारिश रोकी, अब प्रशांत महासागर के सिस्टम से उम्मीद

नई दिल्ली (जीएनएस)। उत्तर भारत के मैदानी इलाकों में जहां मानसून की रफ्तार थमी है, वहीं पहाड़ी राज्यों में बारिश के चलते नदियों का जलस्तर बढ़ने लगा है। शनिवार रात जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में बादल फटने के बाद बाढ़ आई। कई खेत बर्बाद हो गए, सड़क बह गई। उत्तराखंड के विकासनगर में भारी बारिश के कारण लखवाड़ हाइड्रोइलेक्ट्रिक प्रोजेक्ट के पास लैंडस्लाइड हुआ। कई गाड़ियां और मशीनें मलबे में दब गईं। इधर, देश के लगभग 70% हिस्से से मानसून के बादल गायब हो गए हैं। इसका कारण पाकिस्तान की ओर से आ रही सूखी हवाएं बताई जा रही हैं। मौसम की वेबसाइट ऑल इंडिया वैदर की रिपोर्ट के अनुसार ये सूखी हवाएं अरब सागर, मध्य भारत और दक्षिण भारत तक फैल गई हैं। इनकी वजह से राजस्थान, दिल्ली-एनसीआर, पश्चिमी मध्य प्रदेश, गुजरात, महाराष्ट्र में अगले 5 दिन तक बारिश की संभावना भी कम है। बारिश रुकने से मध्य प्रदेश, दिल्ली, पश्चिमी उत्तर प्रदेश में तापमान बढ़ गया। राजस्थान के श्रीगंगानगर में तापमान 42 डिग्री दर्ज किया गया। मौसम विभाग का अनुमान है कि प्रशांत महासागर में 3 नए सिस्टम बन रहे हैं, अगर इनमें से एक भी बंगाल की खाड़ी तक पहुंच गया तो मानसून फिर से एक्टिव हो सकता है।

पश्चिम बंगाल के कुछ हिस्सों में 14 जुलाई तक भारी बारिश होगी

इंडिया मेटियोरोलॉजिकल डिपार्टमेंट (आईएमडी) ने रविवार को कहा कि मानसून के एक्टिव रहने से 14 जुलाई तक पश्चिम बंगाल के कुछ जिलों में भारी बारिश होगी। एक बुलेटिन में कहा गया है कि राज्य के सब-हिमालयी जिलों में, जहां पिछले कुछ दिनों से भारी बारिश हो रही है, 14 जुलाई तक भारी बारिश होने की संभावना है। आईएमडी ने पश्चिम बंगाल के सब-हिमालयी इलाकों में दार्जिलिंग और कलिम्पोंग के पहाड़ी जिलों में लैंडस्लाइड और कूच बिहार, अलीपुरद्वार और जलपाईगुड़ी के निचले इलाकों में पानी भरने की चेतावनी दी है।

उत्तराखंड में भारी बारिश से लैंडस्लाइड, 126 सड़कें बंद

रविवार को उत्तराखंड में भारी बारिश से लैंडस्लाइड हुआ, जिससे दो नेशनल हाईवे समेत 126 सड़कें बंद हो गईं। वहीं, देहरादून में दीवार गिरने से एक महिला घायल हो गई और सात परिवारों को अपना घर खाली करना पड़ा। यमुनोत्री हाईवे पर मरम्मत का काम चल रहा है, जो स्यानाचट्टी में लैंडस्लाइड की वजह से पिछले तीन दिनों से बंद है। स्टेट इमरजेंसी ऑपरेशन सेंटर (एसईओसी) के मुताबिक, पिछले 24 घंटों से लगातार बारिश की वजह से हुए लैंडस्लाइड की वजह से पूरे राज्य में सड़क संपर्क टूट गया है, जिससे अभी कुल 126 सड़कें बंद हैं।

सार संक्षेप

नेपाल में फिर जेन-जी प्रदर्शन; 3 दिन में 3 आत्मदाहःबेरोजगारी के खिलाफ गुस्सा; पीएम बालेन शाह का इस्तीफा मांगा

काठमांडू (जीएनएस)। नेपाल में युवाओं की बढ़ती नाराजगी फिर से सड़कों पर दिखाई देने लगी है। पिछले तीन दिनों में तीन युवाओं ने अपने ऊपर पेट्रोल छिड़ककर आत्मदाह का प्रयास किया। इनमें से दो की इलाज के दौरान मौत हो गई, जबकि एक युवक गंभीर रूप से झुलसा हुआ अस्पताल में भर्ती है। प्रधानमंत्री बालेंद्र शाह 'बालेन' के इस्तीफे की मांग तेज हो गई है। राजधानी काठमांडू में युवा प्रदर्शन कर रहे हैं, वहीं विपक्षी दल नेपाली कांग्रेस ने सरकार पर युवाओं में उम्मीद और भरोसा जगाने में विफल रहने का आरोप लगाया है। जेन-जी नेपाल संगठन ने प्रधानमंत्री बालेन शाह पर जनविरोधी और निरंकुश तरीके से शासन चलाने का आरोप लगाया है। संगठन का कहना है कि बजट व नीतियों में युवाओं के रोजगार और आय बढ़ाने के लिए कोई ठोस कदम नहीं उठाए गए।

कतर के पूर्व अमीर शेख हमद बिन खलीफा का निधन; 74 साल की उम्र में ली अंतिम सांस

कतर (जीएनएस)। कतर के पूर्व अमीर शेख हमद बिन खलीफा अल थानी का रविवार सुबह 74 साल की उम्र में निधन हो गया। इसकी जानकारी कतर के सर्वोच्च सरकारी निकाय अमीरी दीवान ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म X पर दी। अमीरी दीवान ने अपने बयान में कहा कि शेख हमद ने रविवार सुबह अंतिम सांस ली। हालांकि, उनके निधन का कारण नहीं बताया गया है। शेख हमद बिन खलीफा अल थानी 1995 से 2013 तक कतर के अमीर रहे। उनके कार्यकाल में कतर ने आर्थिक और कूटनीतिक स्तर पर तेजी से विकास किया। वर्ष 2013 में उन्होंने सत्ता अपने बेटे शेख तमीम बिन हमद अल थानी को सौंप दी थी, जो वर्तमान में कतर के अमीर हैं।

धीरेंद्र शास्त्री बोले-कथावाचक का बेटा कथावाचक बने तो आपत्ति क्यों?:देवकीनंदन ठाकुर के बेटे को ट्रोल करने पर दिया बयान, कहा-सनातनी एकजुट रहें

तिरुपति (जीएनएस)। कथावाचक देवकीनंदन ठाकुर के बेटे देवांश को ट्रोल किए जाने पर पंडित धीरेंद्र शास्त्री ने बयान दिया है। उन्होंने कहा कि यदि डॉक्टर का बेटा डॉक्टर, किसान का बेटा किसान, पुलिसकर्मी का बेटा पुलिसकर्मी, नेता का बेटा नेता और अभिनेता का बेटा अभिनेता बन सकता है, तो कथावाचक का बेटा कथावाचक बने, इसमें आपत्ति क्यों है? बागेश्वर धाम सरकार के पीठाधीश्वर की दक्षिण भारत के तिरुपति बालाजी में तीन दिवसीय कथा चल रही है। शनिवार देर शाम उन्होंने कथा में हिंदू समाज से आपसी मतभेद छोड़कर एकजुट रहने का आह्वान भी किया। उन्होंने कहा कि वर्तमान में सबसे बड़ी चुनौती है कि हिंदू ही हिंदुओं का विरोध कर रहे हैं। कथावाचक देवकीनंदन ठाकुर के तीन बेटियां और एक बेटा है। बेटे का नाम देवांश है। देवांश वर्तमान में 10वीं में पढ़ रहे हैं। देवांश ठाकुर ने बहुत कम उम्र में ही वैदिक ग्रंथों, भागवत कथा और संस्कृत श्लोकों का अध्ययन शुरू कर दिया था।

बंगाल में 20 साल बाद टाटा की वापसी संभवःसीएम शुभेंदु खुद मामले को देख रहे; ममता के आंदोलन से बंद हुआ था प्लांट

सिंगूर (जीएनएस)। पश्चिम बंगाल के सिंगूर में करीब दो दशक पहले टाटा की नैनो परियोजना को लेकर शुरू हुआ विवाद एक बार फिर सुर्खियों में है। राज्य में भाजपा सरकार बनने के बाद टाटा समूह की सिंगूर में वापसी को लेकर चर्चा तेज हो रही है। राज्य के उद्योग मंत्री तापस रॉय ने कहा कि टाटा के साथ शुरुआती स्तर पर बातचीत चल रही है। अगर टाटा ग्रुप लौटने को तैयार होता है तो सरकार वहां किसी दूसरी कंपनी को नहीं लाएगी। मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी खुद मामले की निगरानी कर रहे हैं। हालांकि, जिन किसानों ने 2006 में नैनो के लिए अपनी जमीन दी थी, उनके लिए यह अधूरा सपना है। टाटा के सिंगूर छोड़ने के बाद करीब हजारों परिवार आर्थिक और मानसिक संकट से गुजरते रहे। करीब 3,600 ऐसे परिवारों को आज भी सरकार हर महीने दो हजार रुपये और 16 किलो चावल देती है, लेकिन कई परिवार अब भी उस सदमे से उबर नहीं पाए हैं। 75 साल की अंगूर दास बताती हैं कि उनके पति ने छह बीघा जमीन परियोजना के लिए दी थी। टाटा के जाने के बाद वे गहरे सदमे में चले गए और वर्ष 2019 में उनका निधन हो गया। अंगूर दास कहती हैं कि यदि टाटा दोबारा लौटती है तो वे अपनी बची हुई जमीन भी देने को तैयार हैं। जब सिंगूर आंदोलन चल रहा था तब अनिंद दास महज 12 साल के थे। आज 32 साल के अनिंद को रोजगार के लिए कोलकाता जाना पड़ता है। उनका कहना है कि यदि फैक्ट्री लग गई होती तो उन्हें रोज शहर जाकर नौकरी नहीं करनी पड़ती।

पंजाब कांग्रेस में संकट, चन्नी ने की इस्तीफे की पेशकश, बघेल 5 दिन में एकजुट न कर सके, हाईकमान नाराज

चण्डीगढ़ (जीएनएस)। पंजाब कांग्रेस में टूट का खतरा थमा नहीं है। 2027 के विधानसभा चुनाव के लिए कैंपेन कमेटी के चेयरमैन बनाए चरणजीत चन्नी ने अपने पद से इस्तीफे की पेशकश कर दी है। चन्नी ने कहा कि वह पूर्व मुख्यमंत्री के तौर पर ही पार्टी का प्रचार कर लेंगे। इस बारे में चन्नी ने कल, शनिवार को चंडीगढ़ में रूपराणा गुरजीत के घर हुई मीटिंग के दौरान इस्तीफा देने की बात कही। वहीं कांग्रेस हाईकमान से जुड़े सोर्सेज के मुताबिक पंजाब प्रभारी भूपेश बघेल से हाईकमान नाराज है। उन्हें पंजाब में कांग्रेस की गुटबाजी खत्म करने के लिए भेजा गया था। इसके लिए पूरे 5 दिन का टाइम दिया गया था लेकिन गुटबाजी कम करने के बजाय वह इसे और हवा दे गए। चन्नी गुट में प्रताप बाजवा, सुखजिंदर रंधावा और प्रगट सिंह जैसे बड़े चेहरे होने के बावजूद बघेल ने उन्हें सीरियसली नहीं लिया। दरअसल, एक तो बघेल ने 4 दिन सिर्फ प्रधान राजा वड़िंग के गुट के साथ ही मुलाकात में निकाल दिए। 4 दिन तक उन्होंने 9 रूरू व 3 सांसदों के समर्थन वाले चन्नी गुट की परवाह नहीं की। फिर आखिरी दिन वे मिले भी तो चन्नी और वड़िंग गुट की एक साथ मीटिंग नहीं करा सके। न ही दोनों पक्षों को एक मंच पर ला सके। इसके उलट चन्नी गुट से मिलने के बाद बघेल राजा वड़िंग के साथ डिफेंडर में सवार होकर निकले तो चन्नी गुट के जख्मों पर और नमक छिड़क दिया गया। 2021 में इसी तरह हरीश रावत से पंजाब प्रभारी की जिम्मेदारी छिनी थी। उनकी रिपोर्ट पर कांग्रेस हाईकमान ने चुनाव से पहले कैप्टन अमरिंदर सिंह को सीएम कुर्सी से हटाया था। इसके बाद चन्नी मुख्यमंत्री बन गए लेकिन इसके तुरंत बाद नवजोत सिद्धू ने पंजाब प्रधान रहते अपनी ही सरकार के खिलाफ मोर्चा खोल दिया था। जिसके बाद हाईकमान ने हरीश रावत की जगह हरीश चौधरी को प्रभारी बनाकर भेजा।

इंग्लैंड दौरे के बाद भारत का कोचिंग स्टाफ बदलेगा

नई दिल्ली (जीएनएस)। इंग्लैंड और आयरलैंड के खिलाफ लगातार दो टी-20 सीरीज हारने के बाद भारतीय टीम के सपोर्ट स्टाफ में बदलाव हो सकता है। रिपोर्ट्स के मुताबिक असिस्टेंट कोच रयान टेन डोशेट और बॉलिंग कोच मोर्ने मोर्कल टीम से बाहर हो सकते हैं। दोनों का मौजूदा कॉन्ट्रैक्ट इंग्लैंड के खिलाफ वनडे सीरीज के बाद खत्म हो रहा है। लगातार खराब प्रदर्शन के बाद बीसीसीआई टीम और सपोर्ट स्टाफ का रिव्यू करेगा। टीम की खराब फील्डिंग भी बोर्ड की चिंता बढ़ा रही है। भारत ने आयरलैंड और इंग्लैंड दौरे पर 10 से ज्यादा कैच छोड़े। ऐसे में फील्डिंग कोच टी. दिलीप को भी हटाया जा सकता है। पिछले साल उन्हें अभिषेक नायर के साथ टीम से बाहर किया गया था, लेकिन बाद में दोबारा जिम्मेदारी सौंपी गई थी। रिपोर्ट्स के मुताबिक, रयान टेन डोशेट पूरे साल भारतीय टीम के साथ लगातार यात्रा करने से संतुष्ट नहीं हैं। उन्होंने अपनी यह बात बीसीसीआई के सामने भी रखी है।

वियतनाम में 15 भारतीयों की मौत के बाद बोट-कैप्टन गिरफ्तार

:कंपनी की रिवॉर्ड ट्रिप पर गए थे पर्यटक; परिवारों को टीवी से मिली खबर

वियतनाम (जीएनएस)। वियतनाम में शनिवार को भारतीय पर्यटकों से भरी स्पीडबोट पलटने से 15 भारतीयों की मौत के बाद स्पीडबोट कैप्टन को गिरफ्तार कर लिया गया है। उस पर केस दर्ज किया गया है। वहीं मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, यह भारतीय टूरिस्ट 'लावा मोबाइल' के चैनल पार्टनर और कर्मचारी थे। सभी कंपनी के टॉप परफॉर्मिंग डिस्ट्रीब्यूटर्स के लिए आयोजित रिवॉर्ड ट्रिप पर वियतनाम गए थे। कई पीड़ित परिवारों ने बताया कि उन्हें हादसे की पहली जानकारी टीवी चैनलों या दोस्तों के फोन से मिली। इसके बाद भारतीय दूतावास और स्थानीय प्रशासन ने उनसे संपर्क किया। कई परिवार अब भी अपने परिजन के पार्थिव शरीर के भारत पहुंचने का इंतजार कर रहे हैं। शुरुआती जांच में स्थानीय अधिकारियों का कहना है कि मौसम अचानक खराब होने और ऊंची लहरों की वजह से यह हादसा हुआ। हालांकि, पूरे मामले की जांच जारी है। भारतीय दूतावास के मुताबिक बोट में कुल 36 लोग सवार थे। इनमें 32 भारतीय पर्यटक और चार वियतनामी क्रू मेंबर थे। बोट माय रुट द्वीप से दूसरे द्वीप की ओर जा रही थी। तभी अचानक मौसम बदला और तेज लहरों के बीच बोट कुछ ही सेकेंड में पलट गई। बचे हुए यात्रियों ने बताया कि हादसा इतना तेजी से हुआ कि किसी को संभलने का मौका नहीं मिला।

रेप के आरोपी ने जमानत मिलते ही 6 हत्याएं कीं:पहले पत्नी-बच्चों, फिर पीड़ित और उसके परिवार को मार डाला

रंगा रेड्डी (जीएनएस)। तेलंगाना के रंगा रेड्डी जिले में नाबालिग से रेप के एक आरोपी ने शुक्रवार रात जमानत पर बाहर आते ही 6 हत्याएं कर दीं। पहले उसने अपनी 30 साल की पत्नी, 4 साल और 18 महीने के दो बेटों की हत्या की। इसके बाद वह करीब 6 किलोमीटर दूर दूसरे गांव पहुंचा। जहां उसने 17 साल की रेप पीड़ित, उसकी मां और नानी को भी मार दिया। लड़की ने 16 मई को पॉक्सो एक्ट के तहत आरोपी राजकुमार के खिलाफ रेप का केस दर्ज कराया था। लड़की के मामा नरेश ने बताया, उसने मेरी चाची और भांजी की हत्या कर दी। उसने पहले भी लड़की को परेशान किया था और उस पर पॉक्सो के तहत मामला दर्ज किया गया। उसने धमकी दी थी वह एक-दो हफ्ते में पूरे परिवार को मार डालेगा। मामला दर्ज होने के बाद भी उसे पूछताछ या रिमांड के लिए नहीं ले जाया गया।

सुप्रीम कोर्ट महाराष्ट्र सरकार से बोला-आपको पब्लिक में बेनकाब करेंगे :मुकदमों की सुनवाई में तेजी नहीं लाने पर फटकारा

नई दिल्ली (जीएनएस)। सुप्रीम कोर्ट ने जमानत का विरोध करने, लेकिन मुकदमों की सुनवाई में तेजी नहीं लाने पर महाराष्ट्र सरकार को कड़ी फटकार लगाई है। कोर्ट ने कहा कि राज्य सरकार हर मामले में जमानत का विरोध करती है, लेकिन ट्रायल जल्द पूरा कराने के लिए जरूरी कदम नहीं उठाती। कोर्ट ने चेतावनी दी कि अगर यही स्थिति रही तो वह सरकार को पब्लिक में बेनकाब करेगा। एजेंसी की रिपोर्ट के मुताबिक जस्टिस अहसानुद्दीन अमानुल्लाह और जस्टिस शील नागू की बेंच एक विदेशी नागरिक की जमानत याचिका पर सुनवाई कर रही थी। आरोपी अपहरण और हत्या के मामले में गिरफ्तार है। उसने कोर्ट को बताया कि वह पिछले चार साल से जेल में है और इस दौरान उसका मामला ट्रायल कोर्ट में 86 बार लिस्ट हुआ, लेकिन उसे 53 बार कोर्ट में पेश ही नहीं किया गया। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि आरोपी को ट्रायल कोर्ट में पेश नहीं करना महाराष्ट्र सरकार की गंभीर चूक है। अदालत ने कहा कि चार साल में 34 में से सिर्फ दो गवाहों की गवाही हो पाई है। यह स्थिति परेशान करने वाली है। महाराष्ट्र सरकार की ओर से पेश वकील ने अदालत को बताया कि अब राज्य सभी आरोपियों को हर सुनवाई की तारीख पर ट्रायल कोर्ट में पेश कर रहा है। इस पर सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि राज्यों को मुकदमों की सुनवाई में तेजी करने के लिए स्पष्ट नीति बनानी चाहिए। अदालत ने ट्रायल कोर्ट को निर्देश दिया कि हर सप्ताह कम से कम चार गवाहों की गवाही दर्ज की जाए और इस आदेश को रिकॉर्ड पर रखा जाए। बेंच ने यह भी कहा कि अगर भविष्य में इस तरह के मामले अदालत के सामने आए तो ऐसे ही कड़े आदेश पारित किए जाएंगे। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को फैसला सुनाया कि तय फुटपाथ पर चलने का अधिकार एक बुनियादी अधिकार है। जस्टिस पीएस नरसिम्हा और एएस चंदुरकर की बेंच ने एक अहम फैसले में कहा कि तय रास्तों पर मोटर गाड़ियों के मुकाबले इस अधिकार को प्राथमिकता दी जाएगी।

दिव्शा शर्मा के स्किन टिश्यू जिम बेल्ट पर मिलेःदिल्ली एम्स

नई दिल्ली (जीएनएस)। भोपाल की एक्ट्रेस ट्विशा शर्मा की मौत मामले में दिल्ली एम्स के मेडिकल बोर्ड ने अपनी अंतिम फॉरेंसिक रिपोर्ट सीबीआई को सौंप दी है। सूत्रों के मुताबिक, रिपोर्ट में कथित तौर पर फांसी में इस्तेमाल हुई जिम बेल्ट पर स्किन टिश्यू मिलने और बेल्ट के निशानों का गर्दन पर मिले लिगेचर मार्क से मेल खाने की बात सामने आई है। हालांकि, रिपोर्ट सार्वजनिक नहीं की गई है। सूत्रों के अनुसार, दिल्ली एम्स के पांच सदस्यीय मेडिकल बोर्ड ने 11 पेज की अंतिम रिपोर्ट 10 जुलाई को सीलबंद लिफाफे में सीबीआई को सौंप दी। रिपोर्ट की अनुपालन प्रति मध्य प्रदेश हाईकोर्ट के रजिस्ट्रार जनरल को भी भेजी गई है। मेडिकल बोर्ड ने 24 मई को दूसरा पोस्टमॉर्टम करने के साथ घटना स्थल का निरीक्षण भी किया था। बताया जा रहा है कि हिस्टोपैथोलॉजिकल और अन्य लैब जांच में जिम बेल्ट पर मिले स्किन टिश्यू की पुष्टि हुई है।

शेख हसीना बोलीं - दिसंबर में बांग्लादेश लौटूंगी

कोर्ट में सरेंडर करूंगी, हत्या हो जाए तो भी मंजूर, देश की धरती पर मरना चाहती हूं

नई दिल्ली (जीएनएस)। बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना ने कहा है कि वह दिसंबर में भारत से बांग्लादेश देश लौटेंगी और कोर्ट में सरेंडर करेंगी। उन्होंने कहा कि उनके साथ अवामी लीग के कई सीनियर नेता भी आत्मसमर्पण करेंगे। इंटरव्यू में उन्होंने कहा- अवामी लीग के लगभग सभी बड़े नेताओं और कार्यकर्ताओं पर मुकदमे दर्ज किए गए हैं और कई लोग छिपकर रहने को मजबूर हैं। हालांकि, हसीना ने वापसी की तारीख नहीं बताई। बाद उन्हें छात्र आंदोलन पर कार्रवाई से जुड़े मामले में मौत की सजा सुनाई गई। वह इन आरोपों से इनकार करती रही हैं। शेख हसीना ने कहा कि उन्होंने बांग्लादेश लौटने को लेकर सरकार से कोई बातचीत नहीं की है। उनका कहना है कि लोकतंत्र, चुनाव, अवामी लीग के राजनीतिक अधिकार और न्याय जैसे मुद्दों पर पर्दे के पीछे बातचीत नहीं हो सकती। हसीना ने दावा किया कि बांग्लादेश सरकार उन्हें वापस भेजने के लिए भारत को लगातार पत्र लिख रही है। उन्होंने कहा, मुझे वापस लाने की जरूरत नहीं पड़ेगी, मैं खुद ही लौटूंगी। हालांकि, हसीना के इस दावे पर बांग्लादेश सरकार की ओर से कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है। वहीं भारत ने भी फिलहाल कोई टिप्पणी नहीं की। इससे पहले अप्रैल में भारत ने कहा था कि वह बांग्लादेश के प्रत्यर्पण अनुरोध पर विचार कर रहा है और नई सरकार के साथ संबंध मजबूत करने की दिशा में काम कर रहा है। शेख हसीना ने कहा कि उन्हें जेल जाने का डर नहीं है, क्योंकि वह पहले भी कई बार गिरफ्तार हो चुकी हैं। उन्होंने कहा कि सत्ता में लंबे समय तक रहने वाली किसी भी सरकार से गलतियां हो सकती हैं, लेकिन उसका फैसला अदालत नहीं, जनता को करना चाहिए।

संयुक्त राष्ट्र की एक रिपोर्ट में 2024 के छात्र आंदोलन पर कार्रवाई में करीब 1,400 लोगों की मौत होने की बात कही गई है। इसी मामले में शेख हसीना को अनुपस्थिति में मौत की सजा सुनाई गई थी। हसीना ने कहा कि उन्हें भरोसा है कि अदालत की सुनवाई शुरू होने पर सच्चाई सामने आ जाएगी। राजधानी ढाका के पास सावर में चार दिन पहले सोमवार को शेख हसीना विरोधी रैली के दौरान बम धमाका हुआ था। इस हमले में 3 लोग घायल हुए, जबकि मंच पर छात्र आंदोलन के प्रमुख चेहरों में शामिल नाहिद इस्लाम समेत नेशनल सिटिजन पार्टी (एनसीपी) के कई वरिष्ठ नेता मौजूद थे। धमाका सोमवार रात करीब 9:45 बजे उस समय हुआ, जब पार्टी की एक नेता सभा को संबोधित कर रही थीं। घायलों को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया। यह रैली जुलाई 2024 के छात्र आंदोलन की दूसरी बरसी के मौके पर निकाली गई थी। इसी आंदोलन के बाद शेख हसीना की सरकार सत्ता से बाहर हो गई थी। फिलहाल धमाके की वजह साफ नहीं हो सकी है और मामले की जांच जारी है।

ओमान के पास जहाज पर हमला, 11 भारतीय सवार थे

10 सुरक्षित, एक अब भी लापता; भारत ने हमले की निंदा

नई दिल्ली (जीएनएस)। ओमान तट के पास एक व्यापारी जहाज लक्स-गैलेक्सी पर हमला हुआ। भारत के विदेश मंत्रालय ने रविवार को बताया कि इस जहाज पर 11 भारतीय नागरिक सवार थे। इनमें से 10 को सुरक्षित बचा लिया गया है, जबकि एक भारतीय अब भी लापता है। भारत ने हमले की कड़ी निंदा की है। विदेश मंत्रालय ने कहा कि मस्कट में भारतीय दूतावास ओमान सरकार के साथ मिलकर लापता भारतीय की तलाश और बचाव अभियान पर लगातार नजर रखे हुए है। भारत ने इस अभियान में सहयोग के लिए ओमानी अधिकारियों का धन्यवाद भी दिया। भारत ने कहा कि क्षेत्र में व्यापारी जहाजों और नागरिक बुनियादी ढांचे को निशाना बनाना तुरंत बंद होना चाहिए। साथ ही तनाव कम करने और बातचीत के जरिए समाधान निकालने की अपील की। विदेश मंत्रालय ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय समुद्री मार्गों पर बिना किसी बाधा के जहाजों की आवाजाही जल्द बहाल होनी चाहिए। ईरान के नए सुप्रीम लीडर बोले- पिता की मौत का बदला लेंगेः अली खामेनेई के निधन के बाद पहली बार नए सुप्रीम लीडर मुजतबा खामेनेई का बयान सामने आया।

मुड़िया पूर्णिमा मेला-2026 की तैयारियों के संबंध में समीक्षा बैठक संपन्न

जनता यूनियन मथुरा । आगामी मुड़िया पूर्णिमा मेला 2026 (दिनांक 23 जुलाई से 30 जुलाई 2026) के संबंध में माननीय मंत्री गन्ना विकास एवं चीनी मिलें श्री लक्ष्मी नारायण चौधरी जी की अध्यक्षता में तहसील गोवर्धन के सभागार में विभिन्न विभागों की तैयारियों की समीक्षा बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में राज्यसभा सांसद तेजवीर सिंह, माननीय विधायक गोवर्धन मेघश्याम सिंह, जिलाधिकारी चंद्र प्रकाश सिंह, मुख्य विकास अधिकारी डॉ0 पूजा गुप्ता, एस0पी0 ग्रामीण सुरेश चंद्र रावत, अपर जिलाधिकारी प्रशासन अमरेश कुमार, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ0 राधावल्लभ, सचिव मथुरा वृन्दावन विकास प्राधिकरण आशीष कुमार सिंह, मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी डॉ0 नरेंद्र नारायण शुक्ला, एस0पी0 यातायात राजेश कुमार तिवारी, उप जिलाधिकारी गोवर्धन सुशील कुमार सिंह, डिप्टी कलेक्टर संजय सिंह, अधिशासी अभियंता लोक निर्माण विभाग गुलवीर सिंह सहित अन्य विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

बैठक में जिलाधिकारी चंद्र प्रकाश सिंह ने सर्वसाधारण को सूचित किया कि भंडारे की अनुमति हेतु दिनांक 20 जुलाई 2026 से पूर्व आवेदन करे। उन्होंने कहा कि लोक निर्माण विभाग के निरीक्षण भवन सभागार में सभी विभागों के अधिकारी मौजूद रहेंगे तथा सिंगल विण्डो क्लियरेंस के माध्यम से भंडारे की अनुमतियाँ प्रदान की जाएगी। इस प्रक्रिया से भंडारे की अनुमति लेने वाले को जगह जगह नहीं भटकना पड़ेगा, एक स्थान पर सभी विभाग के अधिकारी मौजूद रहेंगे।

जिलाधिकारी चंद्र प्रकाश सिंह ने यह भी अवगत कराया है कि सार्वजनिक स्थानों पर पोस्टर चिपकाने, दीवारों पर लिखने तथा दीवारों को हानि पहुंचाने वालों पर सख्त कार्यवाही की जाएगी तथा पेनल्टी लगाई जाएगी। उन्होंने कहा कि दीवारों को साफ रखना हम सबकी जिम्मेदारी है।

बैठक में मंत्री गन्ना विकास एवं चीनी मिलें लक्ष्मी नारायण चौधरी ने निर्देश दिए कि श्रद्धालुओं की आस्था एवं विश्वास का सम्मान करे तथा सभी अधिकारी/कर्मचारी श्रद्धालुओं से विनम्र रहे। स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि गोवर्धन के आस पास के अस्पतालों के प्रबन्धकों के साथ बैठक करे तथा आपातकालीन स्थिति हेतु आईसीयू, वेंटिलेटर, बेड आदि को प्रशासन हेतु संरक्षित / रिजर्व करें। उन्होंने अस्पतालों की मैपिंग सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।उन्होंने कहा कि सभी स्वास्थ्य केंद्रों पर चिकित्सकों की उपस्थिति अनिवार्य होनी चाहिए। सभी प्रकार की प्राथमिकता स्वास्थ्य सुविधा तथा आवश्यक दवाएं होनी चाहिए। कुंडों की बैरिकेडिंग करने के निर्देश दिए। उन्होंने मेला क्षेत्र को अतिक्रमण मुक्त करने के निर्देश दिए। निराश्रित गोवंशों को गौशालाओं में संरक्षित करने के निर्देश दिए। वन विभाग को झाड़ियों की कटाई तथा पेड़ों की डालियों की छटाई करने के निर्देश दिए। उन्होंने निर्देश दिए कि राधाकुंड एवं मानसी गंगा में साफ पानी की व्यवस्था सुनिश्चित की जाएं।

उन्होंने सचिव मथुरा वृन्दावन विकास प्राधिकरण, उप जिलाधिकारी गोवर्धन, अधिशासी अधिकारी गोवर्धन व राधाकुंड को निर्देश दिए कि मेला क्षेत्र में उत्कृष्ट साज सज्जा सुनिश्चित की जाए। प्रमुख मार्गों, गलियों, चौराहों आदि की विशेष सजावट की जाए। पोल पर तिरंगा लाइटिंग लगाई जाए। मेला क्षेत्र में आकर्षक वॉल पेंटिंग की जाए। मेला क्षेत्र को झालर लाइटिंग व फसाड लाइटिंग से सजाया जाए। सूचना विभाग को निर्देश दिए कि सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं के होर्डिंग एवं स्टैंडी स्थापित कराएं जाए तथा मेला का अधिकाधिक प्रचार प्रसार सुनिश्चित किया जाए।

परिक्रमा मार्ग पर यमुना जी की रेती या मिट्टी को डलवाए, जिससे श्रद्धालुओं, पर्यटकों, दर्शनार्थियों एवं परिक्रमार्थियों को परिक्रमा करने में असुविधा का सामना न करना पड़े। उन्होंने सड़कों की मरम्मत तथा गड्ढामुक्त करने के निर्देश दिए। बसों की छतों पर सवारियां नहीं बैठनी चाहिए। उन्होंने कहा कि मेला क्षेत्र हेतु पर्याप्त मात्रा में बसों का संचालन किया जाता है, इसलिए विशेष ध्यान रखे कि छतों पर कोई न बैठें।

उन्होंने पर्यटन विभाग के अधिकारी को निर्देश दिए कि होटल, आश्रम, गेस्ट हाउस, रेस्टोरेंट आदि के संचालकों के साथ बैठक करे तथा निर्देशित करे कि श्रद्धा भाव के साथ मुड़िया पूर्णिमा मेला को सफलतापूर्वक संपन्न कराए, अपने आस-पास सफाई रखे, सजावट कराए तथा श्रद्धालुओं से कमरों व खाने हेतु अधिक वसूली न की जाए। पुलिस विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि जहां जहां पर सीसीटीवी कैमरे स्थापित है, वहां पर लिखवाए कि÷आप कैमरे की निगरानी में है÷। उन्होंने पुलिस वालों के व्यवहार में विनम्रता लाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि मेला क्षेत्र में सेवा भाव के साथ ड्यूटी करना सुनिश्चित करें। मेले में करोड़ो की संख्या में श्रद्धालु, पर्यटक, दर्शनार्थी एवं परिक्रमार्थी आते है। मुड़िया पूर्णिमा मेला आस्था, श्रृद्धा एवं विश्वास का अद्भुत संगम है।

बैठक में जिलाधिकारी चंद्र प्रकाश सिंह ने अवगत कराया कि मेला क्षेत्र को 09 सुपर जोन, 21 जोन तथा 62 सेक्टर में विभाजित किया गया है। श्रद्धालुओं की सुरक्षा हेतु 06 स्थाई पुलिस चौकी, 37 अस्थाई पुलिस चौकी, 31 वाच टावर तथा 150 बैरियर स्थापित किए जाएगा। 183 सीसीटीवी कैमरे से निगरानी सुनिश्चित की जाएगी तथा 350 पी0ए0सिस्टम से निरंतर अनाउंसमेंट किया जाएगा। प्रकाश व्यवस्था हेतु 1281 एल0ई0डी0 लाइट, 14 सेमी मास्ट लाइट, 01 हाई मास्ट लाइट तथा 212 सोलर लाइट लगाई गई है।

एस0पी0 ग्रामीण सुरेश चंद्र रावत ने अवगत कराया कि 61 पार्किंग स्थल, 1100 रोडवेज बस, 19 अग्निशमन वाहन, 54 गिर्राज मोबाईल, पीएसी फ्लड 02 प्लाटून 03 स्थल पर, एसडीआरएफ 01 टीम मानसी गंगा पर, पीएसी 02 कम्पनी 07 स्थल पर, 600 ड्यूटी पाइन्ट गोवर्धन व वृन्दावन, 03 सीसीटीवी कन्ट्रोल रूम तथा 09 सब कंट्रोल रूम स्थापित किए जाएंगे। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ0 राधावल्लभ ने अवगत कराया कि 16 अस्थाई चिकित्सा सहायता केन्द्र, 02 एन0जी0ओ0 के चिकित्सा शिविर, 05 मोटर साइकिल एम्बुलेंस टीम, 14 एम्बुलेंस, 06 हेल्थ मोबाईल, 24 संचार व्यवस्था, 22 चिकित्सा शिविर आदि लगाए जाएंगे।

मुड़िया पूनों मेला 2026 में 05 खोया-पाया केन्द्र, 140 हैण्डपम्प, 30 पानी के टेंकर, 17 आर0ओ0, 25 मो0टायलेट, 03 जनसुविधा केन्द्र बनाए जायेंगे।

न्यूज ब्रीफ

पौधा रोपण महायज्ञ में डाइट प्रशिक्षुओं ने दिया योगदान

मथुरा। जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान बाद के प्रांगण में वृक्षा रोपण करती प्रशिक्षु छात्राएं।

जनता यूनियन मथुरा । जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान मथुरा में पौधा रोपण किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ प्रभारी पौधा रोपण हरेश सिंह ने प्रशिक्षुओं को पौधे वितरित कर किया। डाइट के सभी प्रवक्ताओं ने पौधा रोपकर संस्थान के सभी प्रशिक्षुओं को पर्यावरण संरक्षण की प्रेरणा दी और पौधा लगाने का आवाहन किया। प्रवक्ता संतोष कुमार सिंह और डॉ. गौरी पाण्डेय ने डीएलएड प्रशिक्षुओं नेहा चौधरी, दिवाकर कुमार प्रजापति,अभय, शुभम पुष्कर, आकाश गौतम, दीपेंद्र यादव, अभिषेक चौरसिया, प्रिया चौधरी, संजू, मंजू, दीपशिखा, रीतिका,वैष्णवी शर्मा और प्रवक्ता नरेंद्र सिंह एवं विवेक कुमार ने डीएलएड प्रशिक्षुओं सौरभ सिंह कृष्ण कुमार आदि से पौधे रोपित करा कर पौधारोपण कराया गया। इस अवसर पर प्रवक्ता हरेश सिंह, नरेन्द्र सिंह, संतोष कुमार सिंह, दिगंबर सिंह विवेक,गौरव गुंजन,गौरी पांडेय,सहायक अध्यापक हिमांशु रावत और सुभाष ने आंवला, नींबू,अमरूद,जामुन, पाखर,सफेद फूल, अर्जुन, पीपल आदि पौधे रोपे गए।

होटल में पड़ी 12 किलोवाट की बिजली चोरी

मथुरा। संयुक्त चेकिंग एसडीओ छटीकरा प्रवर्तन दल मथुरा।

जनता यूनियन मथुरा । विद्युत प्रवर्तन दल एवं रेड्स टीम ने अभियान के दौरान होटल सहित आठ स्थानों पर बिजली चोरी पकडी है। इसमें लाखों रुपये का जुर्माना संभावित है। मुख्यालय द्वारा बिजली चोरी रोकने एवं राजस्व वसूली के निर्देश दिए जा रहे हैं। इसी क्रम में विजिलेंस प्रभारी अरुण कुमार, जेई किशन कुमार,उपनिरीक्षक धीरेन्द्र पाल सिंह सहित टीम के सदस्यों ने सूचना पर रिफाइनरी गेट नंबर नौ स्थित वाणिज्यिक कनेक्शन को चेक किया तो होटल मोहित पैसेस में चेंज ओवर के माध्यम से चोरी होती मिली। करीब 12 किलोवाट लोड मिला। इसके अलावा विजिलेंस टीम ने रेड्स टीम के एई सतेन्द्र कुमार, जेई पवन सहित अन्य कर्मचारियों के साथ हाई लाइन लॉस फीडर के राल में अभियान चलाया। यहां सात स्थानों पर बिजली चोरी पकड़ी। करीब 19 किलोवाट लोड मिला। टीम ने उच्च अधिकारियों को अवगत कराया।

रुक्मिणी विहार के मुख्य गेट ई-रिक्शा चालकों ने दिया धरना

जनता यूनियन मथुरा । रुक्मिणी विहार के मुख्य गेट पर रविवार को ई-रिक्शा और ऑटो चालकों ने अपनी विभिन्न मांगों को लेकर जोरदार प्रदर्शन किया। प्रदर्शन के दौरान चालकों ने प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी करते हुए भारी-भरकम चालानों को रद्द करने और शहर में लागू रूट व्यवस्था समाप्त करने की मांग उठाई। ई-रिक्शा एवं ऑटो चालक यूनियन के जिलाध्यक्ष राजकुमार कुशवाह ने बताया कि प्रशासन द्वारा ई-रिक्शा चालकों के 20-20 हजार रुपये तक के चालान किए जा रहे हैं, जिससे गरीब चालकों का रोजगार प्रभावित हो रहा है। उन्होंने मांग की कि पुराने चालान तत्काल रद्द किए जाएं और भविष्य में इस तरह की कार्रवाई बंद की जाए। यूनियन का कहना है कि शहर में लागू रूट नंबर व्यवस्था के कारण श्रद्धालुओं को पूरे शहर में घुमाने में परेशानी होती है। कई बार यात्री पूरा ई-रिक्शा बुक करते हैं, लेकिन रूट प्रतिबंध की वजह से चालक उनकी मांग पूरी नहीं कर पाते, जिससे उनकी आमदनी पर भी असर पड़ रहा है। चालकों ने आरटीओ विभाग पर भी सवाल उठाते हुए कहा कि ई-रिक्शाओं की बढ़ती संख्या के लिए चालक नहीं, बल्कि प्रशासन जिम्मेदार है। उन्होंने मांग की कि अवैध रूप से संचालित ई-रिक्शाओं पर सख्त कार्रवाई की जाए, लेकिन नियमों का पालन कर अपने परिवार का पालन-पोषण कर रहे चालकों को अनावश्यक रूप से परेशान न किया जाए।

भगवान श्रीकृष्ण ने अपनी बांसुरी बजाकर संपूर्ण विश्व को ब्रजमंडल की ओर आकर्षित किया : स्वामी गिरीशानंद सरस्वती महाराज

जनता यूनियन मथुरा । छटीकरा रोड़ स्थित श्रीकृष्ण जन्माष्टमी आश्रम के सभागार में सप्त दिवसीय श्रीमद्भागवत कथा ज्ञान यज्ञ महोत्सव बड़े ही हर्षोल्लास एवं धूमधाम के साथ चल रहा है।जिसके छठवें दिन व्यासपीठ से स्वामी गिरीशानंद सरस्वती महाराज ने अपनी सरस वाणी के द्वारा समस्त भक्तों-श्रृद्धालुओं को महारास लीला, मथुरा गमन, कंस वध एवं भगवान श्रीकृष्ण और रुक्मणि विवाह की कथा का रसास्वादन कराया।

व्यास पीठाधीश्वर स्वामी गिरीशानंद सरस्वती महाराज ने कहा कि भगवान श्रीकृष्ण के द्वारा असंख्य ब्रज गोपिकाओं के साथ की गई महारास लीला अत्यंत दिव्य और रसमयी थी।क्योंकि महारास में सम्मिलित ब्रजगोपियां कोई साधारण स्त्रियां नहीं थी।वो पूर्व जन्म के महान तपस्वी ऋषि-मुनि थे।जिन्होंने भगवान श्रीकृष्ण को अपने पति के रूप में पाने के लिए अनन्त युगों तक कठोर तपस्या की थी।इसीलिए ब्रजगोपियां भी भगवान श्रीकृष्ण के समान ही परम आनंदमयी व चिन्मयी थीं।

उन्होंने कहा कि भगवान श्रीकृष्ण ने महारास असंख्य ब्रजगोपियों के हृदय की अभिलाषा को पूर्ण करने लिए व अभिमानी कामदेव के अभिमान को नष्ट करने के लिए श्रीधाम वृन्दावन के यमुना तट पर शरद पूर्णिमा की रात्रि को किया था।जिसमें उन्होंने अनेकों रूपों में अपनी बांसुरी बजाकर संपूर्ण विश्व को ब्रजमंडल की ओर आकर्षित किया।लीला पुरुषोत्तम भगवान श्रीकृष्ण की महारास लीला के दर्शनों के लिए समस्त देवी-देवताओं के साथ भगवान शिव भी ब्रज गोपी का स्वरूप धारण कर श्रीधाम वृन्दावन पधारे थे।

कार्यक्रम में पधारीं माननीय ओम बिरला (लोकसभा अध्यक्ष) की धर्मपत्नी डॉ. अमिता बिरला, माननीय के. के. लाहोटी (चीफ जस्टिस, मध्य प्रदेश) एवं पंडित आर. एन. द्विवेदी ÷राजू भैया÷ (राष्ट्रीय वरिष्ठ उपाध्यक्ष - विश्व हिन्दू महासंघ मठ मन्दिर) आदि ने श्रीमद्भागवत महापुराण का पूजन-अर्चन कर व्यासपीठ से आशीर्वाद प्राप्त किया।

ओ इससे पूर्व भगवान श्रीकृष्ण और रुक्मणि विवाह की अत्यंत नयनाभिराम व चित्ताकर्षक झांकी सजाई गई।साथ ही विवाह से संबंधित बधाइयों का गायन किया।जिस पर समस्त भक्तों-श्रृद्धालुओं ने जमकर नृत्य किया।

इस अवसर पर माननीय श्रीकांत शर्मा (विधायक/पूर्व ऊर्जा मंत्री, उत्तर प्रदेश सरकार), अनुपम मिश्रा (सिटी मजिस्ट्रेट, मथुरा), माननीय हरिओम यादव (पूर्व विधायक, सिरसागंज) एवं माननीय युवराज सिंह (पूर्व विधायक बांदा, हमीरपुर), मुख्य यजमान श्रीमती साधना गुप्ता - विजय गुप्ता (दिल्ली) वरुण एवं प्रेरणा, अमित अग्रवाल, लोकेश पाराशर आदि के अलावा विभिन्न क्षेत्रों के तमाम गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

अखिल भारतीय पूर्व सैनिक सेवा परिषद की नई कार्यकारिणी घोषित

जनता यूनियन मथुरा । अखिल भारतीय पूर्व सैनिक सेवा परिषद मथुरा के वार्षिक सम्मेलन में कार्यकारिणी घोषित की गई। रविवार को होटल विनायक पैलेस में पूर्व सैनिकों की वार्षिक बैठक आयोजित हुई। संगठन के जिलाध्यक्ष चौधरी रामपाल सिंह ने बताया कि मुख्य अतिथि ब्रिगेडियर (सेवा निवृत्त) डॉ भुवनेश चौधरी ने नई कार्यकारिणी की घोषणा करते हुए सभी पदाधिकारियों को शुभकामनाएं दीं। मुख्य अतिथि ने कहा कि पूर्व सैनिकों का यह संगठन राष्ट्रीय स्वयंसेवक के घटक दल के रूप में राष्ट्रीय स्तर पर राष्ट्र निर्माण के लिए कार्य कर रहा है। अतः सभी को राष्ट्रहित सर्वोपरि की भावना से कार्य करना है। बैठक की अध्यक्षता एस के सिंह पूर्व गोताखोर सुपरिटेंडेंट ने की तथा संचालन डॉ. रमेश चन्द पूर्व जेसीओ ने किया। बलबीर सिंह, राजेश, श्रीनिवास शर्मा, राजबीर, विजयपाल, भगवान सिंह, नेपाल सिंह, हरिओम, राजबहादुर, विक्रम सिंह, लाल चन्द कुशवाहा, ओमवीर सिंह, शिवगणेश, दिनेश, योगेश, उदयवीर आदि उपस्थित रहे।

कई शहरों से गोकुल पहुंचे 350 स्वयंसेवकों ने की घाटों की सफाई

जनता यूनियन मथुरा । उत्तर प्रदेश ब्रज तीर्थ विकास परिषद, जिला प्रशासन एवं हार्टफुलनेस के संयुक्त तत्वावधान में चल रहे श्रम सबने यह ठाना है, ब्रज को स्वच्छ बनाना है महाअभियान के अंतर्गत रविवार को महावन स्थित चिंता हरण महादेव घाट और श्री नंद भवन (84 खंभा) परिसर में विशेष स्वच्छता अभियान चलाया गया। अभियान में 350 से अधिक स्वयंसेवकों ने श्रमदान किया। अभियान की खास बात यह रही कि स्वयंसेवक केवल मथुरा ही नहीं, बल्कि दिल्ली, नोएडा, गाजियाबाद, आगरा, अलीगढ़, इटावा, हाथरस और भरतपुर से भी सेवा के लिए पहुंचे। उन्होंने तीर्थ स्थलों की सफाई के साथ लोगों को स्वच्छता के प्रति जागरूक किया। अभियान का नेतृत्व उत्तर प्रदेश ब्रज तीर्थ विकास परिषद के डिप्टी सीईओ सतीश चंद्र ने किया। शुभारंभ हार्टफुलनेस ध्यान से हुआ। इसके बाद स्वयंसेवकों ने दोनों स्थलों पर सफाई कर स्वच्छ ब्रज का संदेश दिया। हार्टफुलनेस के मथुरा समन्वयक निशांत शर्मा ने कहा कि आंतरिक शुद्धि और बाहरी स्वच्छता एक-दूसरे की पूरक हैं। जब मन निर्मल होता है, तभी सेवा का भाव जागृत होता है। उन्होंने कहा कि ब्रज करोड़ों श्रद्धालुओं की आस्था का केंद्र है। इसकी स्वच्छता बनाए रखना हम सभी की जिम्मेदारी है। हार्टफुलनेस के उत्तर प्रदेश रीजनल कोऑर्डिनेटर अनुपम अग्रवाल ने सिंगल यूज़ प्लास्टिक से बचने और पर्यावरण संरक्षण को जीवनशैली का हिस्सा बनाने की अपील की। उन्होंने कहा कि जनभागीदारी से ही ब्रज की पावन धरोहर सुरक्षित रह सकती है। स्वयंसेवकों ने श्रमदान के साथ स्थानीय लोगों को स्वच्छता और पर्यावरण संरक्षण का संदेश भी दिया। सभी ने ब्रज को स्वच्छ और सुंदर बनाए रखने का संकल्प लिया। अभियान के बाद जेसीबी और ट्रेक्टर ट्रॉली की मदद यह एकत्रित कूड़ा हटाया गया। अभियान में सुरेंद्र शर्मा, योगेंद्र कुमार, प्रीति भान, के.पी. सिंह, नीरज निगम, रश्मी, रमेश वर्मा, आर.पी. शर्मा, डॉ. पंकज गुप्ता, डॉ. ज्ञानेंद्र और रक्षा सिंह सहित अनेक स्वयंसेवकों ने सहयोग किया।

भारतीय संस्कृति की अमूल्य निधि थे योग सम्राट देवराह बाबा महाराज : योगीराज देवदास महाराज

जनता यूनियन मथुरा । डांगोली क्षेत्र स्थित देवराह बाबा समाधि स्थल पर चल रहे ब्रह्मर्षि योगी सम्राट देवराह बाबा के त्रिदिवसीय 36 वें योगिनी एकादशी वार्षिक पुण्यतिथि महोत्सव के दूसरे दिन बाबा महाराज की प्रतिमा का पंचामृत से अभिषेक कर वैदिक मंत्रोच्चार के मध्य पूजन-अर्चन किया गया।साथ ही देवराह बाबा आश्रम की ओर से ठाकुर बांके बिहारी मंदिर में बाबा महाराज की पावन स्मृति में भव्य फूल बंगला बनाया गया और ठाकुर जी को 56 भोग निवेदित किए गए।

इस अवसर पर भक्तों-श्रृद्धालुओं को अपने आशीर्वचन देते हुए योगीराज देवदास महाराज (बड़े सरकार) ने कहा कि हमारे सदगुरुदेव युग पुरुष योग सम्राट देवराह बाबा महाराज भारतीय संस्कृति की अमूल्य निधि थे।उन जैसा चमत्कारी संत पृथ्वी पर कभी कही पैदा नहीं हुआ।उनकी उम्र का कुछ पता नहीं चलता। प्रमाणों के आधार पर उनकी उम्र कोई 100 वर्ष, कोई 700 वर्ष तो कोई 2000 वर्ष बताता है।

श्रीमज्जगद्गुरु नाभापीठाधीश्वर स्वामी सुतीक्ष्णदास देवाचार्य महाराज ने कहा कि योग सम्राट देवराह बाबा महाराज में भूत, भविष्य और वर्तमान का आंकलन करने की अद्भुत क्षमता थी।वो त्रिकाल दर्शी थे।उन्होंने अपना शरीर यौगिक क्रिया के द्वारा त्यागा था। इसकी घोषणा उन्होंने 5 वर्ष पहले कर दी थी।उनका निधन आज के ही दिन सन 1990 की आषाढ कृष्ण एकादशी को हो गया।और वे महासमाधि में लीन हो गए।

प्रख्यात साहित्यकार ÷यूपी रत्न÷ डॉ. गोपाल चतुर्वेदी ने कहा कि ब्रह्मलीन देवराह बाबा महाराज कभी अन्न ग्रहण नहीं करते थे। योग,वायु और यमुना जल ही उनका आहार था।बाबा महाराज का कहना था कि उनका जन्म गर्भ से नही बल्कि जल से हुआ है।वे खुद को यमुना पुत्र मानते थे।मैं सौभाग्यशाली हूं जो मुझको कई बार उनके दर्शन करने का सौभाग्य मिला। मुझ पर उनका अपार स्नेह था।उनके प्रमुख अनुयायी शैलजाकांत मिश्रा, उपाध्यक्ष, उत्तर प्रदेश ब्रज तीर्थ विकास परिषद के द्वारा बाबा महाराज की स्मृति रक्षा के लिए जो अनेक कार्य किए जा रहे है वे अति प्रशंसनीय हैं।

प्रख्यात भजन गायक नन्दू भैया ने कहा कि ब्रह्मलीन देवराह बाबा महाराज में योग,भक्ति,वेदांत और ज्ञान आदि का अद्भुत समावेश था। वो सन 1986 से आजीवन वृंदावन में यमुना किनारे पर 12 फुट ऊंचे मचान पर रहे। भारत के पूर्व प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू को कांग्रेस का चुनाव चिन्ह गाय बछड़ा एवं श्रीमती इंदिरा गांधी को चुनाव चिह्न हाथ का पंजा उन्हीं ने दिया था।वो भक्तो के सिर पर पैर रख कर उनको अपना आशीर्वाद देते थे।महोत्सव में विभिन्न प्रांतों से आए असंख्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

कार्यक्रम के अंतर्गत देश-विदेश के असंख्य भक्तों-श्रद्धालुओं ने श्रीहरिनाम संकीर्तन के मध्य पूज्य देवरहा बाबा महाराज की समाधि स्थल का दर्शन करके पुण्य अर्जित किया।साथ ही संत, ब्रजवासी, वैष्णव सेवा और विशाल भंडारा हुआ। जिसमें हजारों व्यक्तियों ने भोजन प्रसाद ग्रहण किया।

पेड़ लगाने के साथ उनकी देखभाल भी जरूरीः एसडीएम

मथुरा। चौमुहां में वृक्षारोपण महा अभियान एसडीएम और चेयरमैन प्रतिनिधि ने ब्रह्मवन में लगाए पौधे, विकास के लिए जल्द बनेगी डीपीआर।

जनता यूनियन मथुरा । कस्बा चौमुहां में पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देने के लिए वृक्षारोपण महा-अभियान के तहत एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। ब्रह्मा जी की पावन नगरी स्थित ब्रह्मवन में उपजिलाधिकारी अखिलेश कुमार और चेयरमैन प्रतिनिधि ठाकुर कारे बाबा ने संयुक्त रूप से पौधे लगाकर अभियान की शुरुआत की। इस अवसर पर उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए एसडीएम अखिलेश कुमार ने पर्यावरण और मानव जीवन के अंतर्संबंधों पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि वृक्ष हमारे जीवन का मुख्य आधार हैं, जिनसे न केवल ऑक्सीजन मिलती है बल्कि हमारी जलवायु भी शुद्ध रहती है। उपजिलाधिकारी ने आमजन से अपील करते हुए कहा कि केवल पौधा लगा देने से हमारी जिम्मेदारी खत्म नहीं हो जाती। असली जिम्मेदारी उन पौधों को सुरक्षित रखने और उनके बड़े होने तक उचित देखभाल करने की है। ब्रह्मवन को एक प्रमुख पर्यटन और सांस्कृतिक केंद्र के रूप में विकसित करने के लिए प्रशासन ने कमर कस ली है। एसडीएम ने घोषणा की कि वन क्षेत्र को और अधिक सुंदर व सुरक्षित बनाने के लिए जल्द ही बाउंड्री वॉल (चारदीवारी) का निर्माण कराया जाएगा। इसके साथ ही यहां अन्य सांस्कृतिक धरोहरों को भी सहेजा जाएगा। इन सभी विकास कार्यों को धरातल पर उतारने के लिए जल्द ही एक विस्तृत परियोजना रिपोर्ट तैयार करने के निर्देश दिए गए हैं। चेयरमैन प्रतिनिधि ठाकुर कारे बारे ने क्षेत्र के विकास को लेकर प्रतिबद्धता जताई। उन्होंने कहा कि ब्रह्मवन के सुंदरीकरण से चौमुहां आने वाले श्रद्धालुओं और पर्यटकों को भगवान श्री कृष्ण और ब्रह्मा जी की इस पावन स्थली पर एक सुंदर प्राकृतिक वातावरण का आनंद मिलेगा। इसके साथ ही उन्होंने संकल्प दोहराया कि नगर पंचायत चौमुहां को हर बुनियादी सुविधा से लैस कर एक आदर्श और विकसित नगर पंचायत बनाया जाएगा। इस मौके पर भूरी सैनी, रमेश, नरेश, राजू, भरत, राहुल, गोलू, लोकेश सहित स्थानीय जनप्रतिनिधि और भारी संख्या में गणमान्य नागरिक मौजूद रहे।

रवि वर्मा निष्कासित, नीरज बने राष्ट्रीय हनुमान दल के नगर अध्यक्ष

जनता यूनियन मथुरा । राष्ट्रीय हनुमान दल कोर कमेटी व राष्ट्रीय अध्यक्ष रोहित सिंह की अनुशंसा पर प्रदेश अध्यक्ष डॉ नरेंद्र रावत ने राष्ट्रीय हनुमान दल में हिन्दू समाज के प्रति श्रद्धा और समाज के प्रति भावना को देखते हुए राया निवासी नीरज शर्मा को राया का नगर अध्यक्ष बनाया है। जिसको लेकर ब्रज क्षेत्रीय उपाध्यक्ष विशाल पाराशर जिलाध्यक्ष देवेंद्र चौधरी युवा जिलाध्यक्ष चन्द्रशेखर सिंह कुलदीप सिंह हरिओम चौधरी पकुलदीप शास्त्री सुमित चौधरी सहित प्रदेश मिडिया प्रभारी प्रदीप अग्रवाल ने हर्ष व्यक्त करते हुए शुभकामनायें दी वही संगठन के प्रति प्रतिकूल गतिविधियों अनुशासनहीनता को देखते हुए प्रदेश अध्यक्ष डॉ नरेंद्र रावत ने रविकांत वर्मा को नगर अध्यक्ष पद व अन्य सभी दायित्वों से निष्कासित करते हुए कार्यमुक्त किया है।

न्यूज ब्रीफ

झाँसी मंडल में लेवल क्रॉसिंग संख्या 472 का इंटरलॉकिंग कार्यसंपन्न

झाँसी जूयसं। मंडल रेल प्रबंधक अनिरुद्ध कुमार के मार्गदर्शन में तथा वरिष्ठ मंडल संकेत एवं दूरसंचार इंजीनियर (ब्रांच लाइन) सुश्री रश्मि गौतम एवं वरिष्ठ मंडल संकेत एवं दूरसंचार इंजीनियर (मेन लाइन) राजकुमार के नेतृत्व मेंखुरहंड-अतर्रा रेलखंड स्थित लेवल क्रॉसिंग संख्या 472 का खुरहंड स्टेशन के साथ इंटरलॉकिंग कार्य सफलतापूर्वक पूर्ण कर कमीशन किया गया। इस कार्य हेतु दोपहर 13:55 बजे से 14:10 बजे तक डिस्कनेक्शन मेमो लेकर निर्धारित समयावधि में सभी तकनीकी कार्य सुरक्षित संपन्न किए गए। इंटरलॉकिंग कार्य के अंतर्गत लेवल क्रॉसिंग पर पीओएलबी आधारित इंटरलॉकिंग प्रणाली के साथ आधुनिक स्लाइडिंग बूम लगाए गए हैं। इस कार्य केपूर्ण होने से लेवल क्रॉसिंग की सुरक्षा एवं विश्वसनीयता में वृद्धि होगी तथा रेल एवं सड़क यातायात का संचालन और अधिक सुरक्षित एवं सुगम बनेगा। इस कार्य वरिष्ठ मंडल अभियंता पूर्वआयुष गुप्ता, वरिष्ठ मंडल परिचालन प्रबंधक -समन्वय, वरिष्ठ मंडल विद्युत इंजीनियर -सामान्य, अशोक प्रिय गौतम तथा वरिष्ठ मंडल विद्युत इंजीनियर -टीआरडी, सतवीर सिंह सहित संबंधित विभागों के अधिकारियों एवं कर्मचारियों का सराहनीय सहयोग एवं समन्वय रहा।

वृहद वृक्षारोपण अभियान ,धन्वंतरि वाटिका का निर्माण व पौधारोपण संपन्न

झाँसी जयूसं। उत्तर प्रदेश शासन के वृहद वृक्षारोपण अभियान के अंतर्गत वीरांगना महारानी लक्ष्मीबाई राजकीय महिला महाविद्यालय,में पौधारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर महाविद्यालय परिसर में धन्वंतरि वाटिका का निर्माण करते हुए विभिन्न औषधीय एवं पर्यावरणीय महत्व के पौधों का रोपण किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ. अनुभा श्रीवास्तव के मार्गदर्शन में हुआ। इस अवसर पर मुख्य अतिथि राकेश पाल, निदेशक, यूपीसीएलडीएफ तथा डॉ. सुशील बाबू, क्षेत्रीय उच्च शिक्षा अधिकारी, झाँसी विशेष रूप से उपस्थित रहे।
मुख्य अतिथि राकेश पाल ने वृक्षारोपण अभियान की सराहना करते हुए कहा कि पर्यावरण संरक्षण एवं औषधीय पौधों का संवर्धन आज की आवश्यकता है। डॉ. सुशील बाबू ने पौधारोपण करते हुए कहा कि प्रत्येक व्यक्ति को अपने जीवन में अधिक से अधिक पौधे लगाने के साथ-साथ उनके संरक्षण का दायित्व भी निभाना चाहिए। महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ. अनुभा श्रीवास्तव ने धन्वंतरि वाटिका की उपयोगिता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि औषधीय पौधे भारतीय संस्कृति एवं आयुर्वेद की अमूल्य धरोहर हैं। इस अवसर पर धन्वंतरि वाटिका में तुलसी, गिलोय, अश्वगंधा, एलोवेरा, बेल, आंवला, अर्जुन सहित अनेक औषधीय एवं उपयोगी पौधों का रोपण किया गया। कार्यक्रम में महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ. अनुभा श्रीवास्तव, मुख्य अतिथि राकेश पाल, डॉ. सुशील बाबू, कार्यक्रम प्रभारी डॉ. एस. एस. कुशवाहा, क्रांति कुमार त्रिवेदी -सदस्य सहित महाविद्यालय के समस्त शिक्षकगण, अधिकारी, कर्मचारी एवं अन्य स्टाफ सदस्यों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता करते हुए पौधारोपण किया तथा पौधों के संरक्षण का संकल्प लिया।

बीकेडी मेंवृक्षारोपण किया गया

झाँसी जयूसं। बुन्देलखण्ड कॉलेज, झाँसी में उत्तर प्रदेश सरकार की मंशा के अनुरूप अलग-अलग किस्मों के जैसे आम, जामुन, अमरूद, अनार, नीवू करौंदा, सहजन, आंवला एवं विभिन्न प्रकार के पुष्पों के वृक्षों का वृक्षारोपण किया गया। वृक्षारोपण कार्यक्रम प्रातः 06:00 बजे से प्रारंभ किया गया। इस दौरान नगर के अतिथि, पुरातन छात्र, शिक्षक, कर्मचारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का शुभारम्भ प्राचार्य, प्रो. एस.के. राय के संयोजन में प्रारंभ हुआ। जिसमें समाजसेवी प्रदीप सरावगी, अध्यक्ष पुरातन छात्र समिति, डॉ.सुदर्शन शिवहरे, उपाध्यक्ष, डॉ. मनमोहन मनु, नीलू साहू, आराधना सिंह, राहुल तिवारी, ध्रुव सिंह यादव, अशोक अग्रवाल काका जैसे विशिष्ट अतिथियों ने विविध प्रकार के वृक्षों का वृक्षारोपण किया। वृक्षारोपण कार्यक्रम का समापन महाविद्यालय के प्रबंधकमनोहर लाल वाजपेयी व कार्यकारिणी सदस्य लक्ष्मी प्रसाद यादव के द्वारा एक वृक्ष माँ के नाम लगाकर किया गया। इस दौरान महाविद्यालय के विद्वान प्राध्यापक प्रो.एल.सी. साहू, डॉ. नवेन्द्र कुमार सिंह, डॉ. अनुपम सोनी, डॉ. नूतन अग्रवाल, डॉ. मंजरी दमेले, डॉ. उमा रतन यादव, डॉ.बृजेश मिश्रा, डॉ. जितेंद्र कुमार तिवारी, डॉ.नीलम सिंह, डॉ. कमलेश सिंह, डॉ. अनुराग सिंह, डॉ.सुधीर कुमार, डॉ.वंदना कुशवाहा, डॉ रामदरश सिंह यादव, डॉ.रहीश अली उपस्थित रहे। साथ ही एन.एस.एस., एन.सी.सी., स्काउट गाइड, महाविद्यालय के छात्रों का विशेष योगदान रहा।
इस कार्यक्रम का निर्देशन उपनोडल अधिकारी, डॉ.श्याम मोहन पटेल, एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी डॉ.संजीव शेखर सिंह, डॉ.रामनारायण, डॉ. रामानंद जायसवाल, डॉ. नागेंद्र कुमार सिंह ने किया।

शासन की महत्वाकांक्षी योजन एक पेड़माँके नाम पौधारोपण कार्यक्रम का आयोजन

झांसी जयूसं। शासन की महत्वाकांक्षी एक पेड़ माँ के नाम जन-अभियान के अंतर्गत जिला बेसिक शिक्षा अधिकारीजितेंद्र कुमार गौंड ने के दिशा निर्देश पर कार्यालय जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी झांसी में प्रधान सहायक कन्हैया मिश्रा की अध्यक्षता में पौधारोपण का कार्य किया गया जिसमें विभिन्न प्रकार के पौधों को रोपा गया जिसमें अब्दुल रईस सिद्दीकी ,अजय राय ,रमेश चक्रवर्ती एवं नरेंद्र उपस्थित रहे।

अखिल भारतीय कुशवाहा महासभा की बैठक में राष्ट्रीय अधिवेशन की समीक्षा पर हुआ मंथन

झाँसी जयूसं। रविवार को जिला अध्यक्ष अखिल भारतीय कुशवाहा महासभा पुष्पेंद्र कुशवाहा की अध्यक्षता में राष्ट्रीय अधिवेशन की समीक्षा एवं पदाधिकारी की नियुक्ति की जिला स्तरीय बैठक का आयोजन हुआ, जो मेहर रिसॉर्ट करगुवाजी झांसी में किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि प्रदेश अध्यक्ष दिनेश सिंह कुशवाहा, व विशिष्टअतिथि ज्ञानेश्वर कुशवाहा राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी, प्रदेश महासचिव विजय कुमार कुशवाहा, मनीराम कुशवाहा प्रदेशअध्यक्ष - किसान मोर्चा ,सौरभ कुशवाहा प्रदेश मीडिया प्रभारी कानपुर रहे। इस अवसर पर प्रदेश अध्यक्ष अखिल भारतीय कुशवाहा महासभा ने कहा कि 26 जुलाई को कानपुर में आयोजित की जा रही आम सभा उत्तर प्रदेश के ही नहीं बल्कि देश के कुशवाहा , मौर्य ,शाक्य, सैनी समाज की दिशा निर्धारित करेगी। बताया कि 25 जुलाई को ही राष्ट्रीय कार्यसमिति की बैठक में कई अहम बिंदुओं पर विचार विमर्श होने वाला है। इस बैठक में महासभा के द्वारा लिये जाने वाले प्रस्ताव से समाज की अधिक ताकत बढ़ेगी ।इस अवसर पर अखिल भारतीय कुशवाहा महासभा के पदाधिकारी की घोषणा हुई। जिसमें कपिल कुशवाहा मंडल अध्यक्ष मऊरानीपुर, कन्हैयालाल कुशवाह मंडल उपाध्यक्ष ,राकेश कुशवाहा मऊरानीपुर जिला सचिव, मनीष कुशवाहा तहसील अध्यक्ष मऊरानीपुर, राहुल कुशवाह मोंठ ब्लॉक अध्यक्ष, कैलाश कुशवाहा मोंठ तहसील अध्यक्ष, प्रकाश कुशवाहा मोंठ तहसील महासचिव, नरेश ब्लॉक अध्यक्ष मऊरानीपुर,संतोष कुशवाहा तहसील अध्यक्ष झांसी, कमल कुमार झांसी अध्यक्ष पुलिया नंबर 9 ,हरिश्चंद्र कुशवाहा झांसी जिला सचिव, हरचरण कुशवाहा जिला उपाध्यक्ष बड़ागांव ,तुलसीदास जिला उपाध्यक्ष ,संजीव कुशवाहा गरौठा तहसील अध्यक्ष ,कैलाश कुशवाहा जिला उपाध्यक्ष , दिनेश कुशवाहा जिला सचिव,परशुराम कुशवाहा चिरगांव जिला मीडिया प्रभारी, अभिषेक कुशवाहा मोंठ तहसील महासचिव, लाखन सिंह कुशवाहा टहरौली तहसील अध्यक्ष, परशुराम कुशवाहा जिला मीडिया प्रभारी,अभिषेक कुशवाहा व रूपेश कुमार को जिला कार्यकारिणी सदस्य नियुक्त किए गया ।इस अवसर पर कुश प्रगति संस्थान के अध्यक्ष शालिगराम कुशवाहा, महामंत्री डॉ. लखन कुशवाहा , नवयुवक कुशवाहा समाज अध्यक्ष पुरुषोत्तम कोठारी , कुशवाहा मित्र उत्थान समिति अध्यक्ष शिवनाथ जी, राघवेंद्र कुशवाहा पूर्व अध्यक्ष कुशवाहा समाज झांसी ,राजेंद्र कुशवाहा पूर्व अध्यक्ष कुशवाहा समाज झांसी , प्रमोद कुशवाहा जिला अध्यक्ष पिछड़ा मोर्चा निवाड़ी,डॉ बालचंद कुशवाहा रानीपुर जिला उपाध्यक्ष,कपिल कुशवाहा मऊरानीपुर कन्हैयालाल कुशवाहा, लाखन सिंह बेरवई ,हरचरण बड़ागांव, शिवम प्रधान घुघुवा ,भूपत कुशवाहा नगर अध्यक्ष बरुआ सागर, विक्की कुशवाहा बरुआ सागर ,शैलेंद्र कुशवाहा जिला प्रवक्ता, आनंद कुशवाहा जिला उपाध्यक्ष, विशाल कुशवाहा चिरगांव जिला उपाध्यक्ष, हर्ष कुशवाहा जिला उपाध्यक्ष, जगत सिंह कुशवाहा जिला सोशल मीडिया प्रभारी, छोटू जमीदार चिरगांव ,हरेंद्र कुशवाहा बंगरा जिला मीडिया प्रभारी, लखन कुशवाहा सर जी ब्लॉक अध्यक्ष बंगरा ,चंदन सिंह कुशवाहा जिला उपाध्यक्ष बबीना ,मनीराम कुशवाहा संगठन मंत्री बबीना, कैलाश कुशवाहा कुमडार, प्रकाशकुशवाहा नगर अध्यक्ष कटेरा ,नरेश कुशवाहा बुखारा ब्लॉक अध्यक्ष मऊरानीपुर, एड, जगदीश शरण कुशवाहा, कमल कुशवाहा, हरिश्चंद्र कुशवाहा झांसी, बालकिशन कुशवाहा ,संजीव कुशवाहा गुरसराय ,ब्रजकिशोर कुशवाहा व अखिलेश कुशवाहा सकरार, दिनेश कुशवाहा जरबौ,दिनेश प्रताप कुशवाहा करगुंवा ,राहुल कुशवाहा, अभिषेक कुशवाहा, अमरा तथा इंद्रपाल कुशवाहा मातादीन कुशवाहा फौजी, शिवदीन फौजी जी,शिव शरण अध्यापक जी, सहित समाज के सैकड़ों लोग उपस्थित रहे। इस बैठक का संचालन जिला महामंत्री महेश कुशवाहा ने व बैठक का आभार तुलसीदास उर्फ बल्ली कुशवाहा ने प्रकट किया।

व्यापारी संवाद में व्यापारियों उत्पीड़न रोकने, व्यापार नीति को सरल कर चुनाव घोषणा पत्र में शामिल करने का दिया आश्वासन : प्रदेश प्रभारी राजेंद्र पाल गौतम

झाँसी जयूसं। काँग्रेस के उत्तर प्रदेश प्रदेश प्रभारी राजेन्द्र पाल गौतम बुन्देलखण्ड के दौरे पर व्यापारी संवाद कार्यक्रम का आयोजन व्यापार मंडल अध्यक्ष मुकेश अग्रवाल पूर्व पार्षद द्वारा स्थानीय होटल में आयोजित कराया गया । कार्यक्रम के मुख्यआतिथि राजेन्द्र पाल गौत्तम, विशिष्ठ अतिथि पूर्व केंद्रीय मंत्री प्रदीप जैन आदित्य, बृजलाल खाबरी पूर्व प्रदेश अध्यक्ष पूर्व प्रदेश महासचिव राहुल रिछारिया,जिला अध्यक्ष देशराज रिछारिया, मनोज गुप्ता शहर अध्यक्ष रहे।
प्रदेश प्रभारी राजेन्द्र पाल ने महानगर के व्यापारियों की समस्याओ को सुनकर विश्वास दिलाते हुए कहा कि केंद्र एवं राज्य के चुनाव घोषणा पत्र में प्रदेश के व्यापारियों के हित में व्यापार नीति को सहज़ व सरल बनाकर लागू कराने का कार्य कांग्रेस करेंगी इससे पूर्व अपने हिन्दू महासभा, आएसएस और विहिप पर असलियत बताते हुऐ स्वतंत्रता संग्राम में उनके शून्य योगदान पर सच्चाई बताये हुए माफ़ीवीर सावरकर के पौत्र के बयान पर सार्वजनिक चर्चा की पूर्व केंद्रीय मंत्री जैन आदित्य ने गत दिवस सीपरी बाजार सब्जी मंडी पर नगर निगम कर्मियों एवं अफसरों तानाशाही को व्यापारियों के बीच सब्जी मंडी दुकानदारों की बेदना में बुलडोजर से दुकाने उजाड़ने की धमकी भरी बात कही । पूर्व पार्षद मुकेश अग्रवाल ने सराफा में टैक्स बढ़ाकर ट्रेड का जबरन लाइसेंस लेने की नई व्यवस्था प्रथा का विरोध जताया। मनोज गुप्ता शहर अध्यक्ष ने तंबाकू व्यापार में टैक्स पर टैक्स जबरन जुर्माना वसूलने ने की बात कही, नीलेश मोदी ने इलेक्ट्रॉनिक व्यापार, बलबान सिंह यादव ने पेट्रोल डीलरशिप में हो रहे उत्पीड़न की बात कही, राहुल रिछारिया ने नगर निगम जबरन जलकर की बात उठाई, अशोक जैन जनरल मर्चेंट, अ अजय जैन होटल व्यवसायी,आशिफ अहमद अध्यक्ष सब्जी मंडी सीपरी बाजार, डॉ इकबाल खान, अजय पुरवार, ने अपने विचार व्यक्त किये ।
इससे पूर्व गिरजा शंकर राय जिला उपाध्यक्ष के नेतृत्व में दवा व्यापारियों को मुख्य अतिथि राजेन्द्र पाल गौत्तम, प्रदीप जैन आदित्य पूर्व केंद्रीय मंत्री, पूर्व प्रदेश अध्यक्ष बृजलाल खाबरी के समक्ष फार्मा उद्योग के दवा व्यापार से जुड़े कई प्रमुख व्यापारियों ने कांग्रेस पार्टी की सदस्यता ग्रहण की। सदस्यता लेने वालों मेंराजकुमार दुबे - रामराज फार्मा, विनय नायक -पार्वती मेडिकल, संजय तिवारी -मां गिद्ध वाहिनी मेडिकल एजेंसी, आशुतोष तिवारी - आशुतोष मेडिकल स्टोर, मनोज गुप्ता, रवि श्रीवास्तव, अख्तर भाई-श्रीजी फार्मा, राजेश कुशवाहा, प्रशांत गुप्ता, सोनू वर्मा, राजा कुशवाहा तथा सुमंत श्रीवास्तव शामिल हुए ।
इस अवसर पर मनीराम कुशवाहा, पिंकी जैन, अफ़ज़ाल हुसैन ट्रांसपोर्टर,अखिलेश गुरुदेव,
छोटे राजा कमर संजय तिवारी ,विजय शंकर , चंद्रशेखर तिवारी, राजकुमार दुबे, रवि श्रीवास्तव , मोहम्मद निजाम खान ,रामू गुप्ता ,अजय जैन ,अख्तर खान, संजय तिवारी, प्रशांत गुप्ता, आशुतोष तिवारी, रवि श्रीवास्तव ,राजा कुशवाहा आदि उपस्थित रहे।
कार्यक्रम का संचालन मुकेश अग्रवाल एवं आभार पिंकी जैन नेव्यक्त किया ।

उत्तर प्रदेश राज्य महिला आयोग की सदस्य श्रीमती अनुपमा सिंह लोधी आज करेंगी झांसी जनपद का भ्रमण

झाँसी जयूसं। उत्तर प्रदेश राज्य महिला आयोग की माननीय सदस्य श्रीमती अनुपमा सिंह लोधी दिनांक 13 जुलाई, 2026 को जनपद झांसी के भ्रमण पर रहेंगी। भ्रमण के दौरान वे महिला एवं बाल विकास, स्वास्थ्य तथा पर्यावरण संरक्षण से संबंधित विभिन्न कार्यक्रमों में मुख्य अतिथि के रूप में सहभागिता करेंगी।
निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार माननीय सदस्य प्रातः 09 बजे झांसी से गुरसराय के लिए प्रस्थान करेंगी। प्रातः 10 बजे आंगनबाड़ी केंद्र गुरसराय में आयोजित गोद भराई एवं अन्नप्राशन समारोह तथा महिला जागरूकता कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगी।
इसके उपरांत प्रातः 11 बजे सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र गुरसराय में ÷एक पेड़ मां के नाम÷ अभियान के अंतर्गत आयोजित वृक्षारोपण कार्यक्रम में सहभागिता करेंगी। दोपहर 12 बजे खेर इंटर कॉलेज, गुरसराय में आयोजित वृक्षारोपण कार्यक्रम में भाग लेंगी। दोपहर 01 बजे कस्तूरबा गांधी बालिका आवासीय विद्यालय, मोंठ में आयोजित बालिका जागरूकता कार्यक्रम एवं वृक्षारोपण कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगी। इसके पश्चात दोपहर 02 बजे सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, मोंठ में ÷एक पेड़ मां के नाम÷ अभियान के अंतर्गत वृक्षारोपण कार्यक्रम में सहभागिता करेंगी।सभी कार्यक्रमों के उपरांत माननीय सदस्य झांसी के लिए प्रस्थान करेंगी।

एज़ेल स्मार्ट सिटी हॉस्पिटल ने पूर्ण किया सेवा का एक प्रेरणादायक वर्ष

पांच वर्षों बाद परिवार से मिला गुलशन

झांसी जयूसं। एक वर्ष पूर्व एज़ेल स्मार्ट सिटी हॉस्पिटल ने बुन्देलखंड क्षेत्र में गुणवत्तापूर्ण, सुलभ, किफायती एवं संवेदनशील स्वास्थ्य सेवाएँ उपलब्ध कराने के संकल्प के साथ अपनी सेवाओं का शुभारम्भ किया था। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा उद्घाटित यह अस्पताल आज अपनी स्थापना का प्रथम वर्ष सफलतापूर्वक पूर्ण करते हुए केवल एक स्वास्थ्य संस्थान नहीं, बल्कि हजारों परिवारों के लिए आशा, विश्वास और मानवता का प्रतीक बन चुका है। केवल एक वर्ष के भीतर 200 शैय्याओं वाला यह मल्टी-स्पेशियलिटी टर्शियरी केयर अस्पताल आधुनिक चिकित्सा तकनीक, अनुभवी विशेषज्ञ चिकित्सकों एवं मरीज-केंद्रित सेवाओं के कारण बुन्देलखंड के सबसे विश्वसनीय स्वास्थ्य संस्थानों में अपनी पहचान स्थापित कर चुका है। अस्पताल ने आधुनिक डायग्नोस्टिक्स, इमरजेंसी एवं ट्रॉमा सेवाएँ, आईसीयू, विशेषज्ञ परामर्श, जटिल सर्जरी तथा जीवनरक्षक उपचारों के माध्यम से हजारों मरीजों को गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएँ प्रदान की हैं। हर नागरिक के लिए किफायती स्वास्थ्य सेवाएँ अस्पताल की प्राथमिकताओं में गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाओं को समाज के प्रत्येक वर्ग तक किफायती दरों पर पहुँचाना प्रमुख रहा है। इसी उद्देश्य से एज़ेल स्मार्ट सिटी हॉस्पिटल में सभी प्रमुख पैथोलॉजी एवं रेडियोलॉजी जांचें सीजीएचएस की निर्धारित दरों पर उपलब्ध कराई जा रही हैं, जिससे आम नागरिकों को आधुनिक जांच सुविधाएँ अत्यंत कम लागत पर मिल रही हैं। कुछ प्रमुख जांचों में ब्लड शुगर टेस्ट 24, हीमोग्लोबिन टेस्ट 18, सीटी स्कैन 880 से प्रारम्भ एवं सैकड़ों अन्य पैथोलॉजी एवं रेडियोलॉजी जांच सीजीएचएस दरों पर उपलब्ध होगी। इस पहल से झांसी सहित पूरे बुन्देलखंड क्षेत्र के हजारों मरीजों को आर्थिक बोझ के बिना विश्वस्तरीय जांच सुविधाओं का लाभ मिला है।अस्पताल का मानना है कि स्वास्थ्य सेवा केवल बीमारियों का उपचार नहीं, बल्कि लोगों के जीवन में आशा, सम्मान और विश्वास लौटाने का माध्यम है।

स्वास्थ्य शिविर जो मानवता का मिशन बन गया

सामाजिक उत्तरदायित्व के अंतर्गत एज़ेल स्मार्ट सिटी हॉस्पिटल समय-समय पर निःशुल्क स्वास्थ्य शिविरों का आयोजन करता है, जिनमें निःशुल्क चिकित्सकीय परामर्श, स्वास्थ्य जांच, आवश्यक परीक्षण तथा दवाइयाँ उपलब्ध कराई जाती हैं। इसी क्रम में प्रथम स्थापना दिवस के अवसर पर गत 8 जुलाई 2026 को मानव जन कल्याण संस्था, नगरा, झांसी के सहयोग से एक निःशुल्क व्यापक स्वास्थ्य परीक्षण शिविर आयोजित किया गया। शिविर के दौरान लगभग 20 लाभार्थियों का विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा विस्तृत स्वास्थ्य परीक्षण, चिकित्सकीय परामर्श एवं आवश्यक जांचें की गईं। संस्था के मानवीय कार्यों से प्रभावित होकर एज़ेल स्मार्ट सिटी हॉस्पिटल ने शिविर में शामिल सभी लाभार्थियों के सम्पूर्ण स्वास्थ्य उपचार का दायित्व अपने ऊपर लेने की घोषणा की। इसके अंतर्गत दवाइयाँ, आवश्यक जांचें, विशेषज्ञ परामर्श एवं दीर्घकालीन फॉलो-अप उपचार भी शामिल रहेगा। अस्पताल के एग्जीक्यूटिव आकाश यादव ने उस व्यक्ति को उसके परिवार से मिलाने का संकल्प लिया।अस्पताल की काउंसलिंग टीम के साथ उन्होंने विभिन्न शहरों में स्थित च्चतेलीपुराज्ज नामक क्षेत्रों में कार्यरत सामाजिक संस्थाओं, स्थानीय प्रशासन, स्वयंसेवकों, काउंसलर्स एवं सामाजिक कार्यकर्ताओं से लगातार संपर्क किया। कई दिनों तक प्रत्येक सुराग की जांच की गई।
हर संभावना को परखा गया। हर फोन कॉल एक नई उम्मीद लेकर आया। अंततः खोज आगरा के तेलीपुरा तक पहुँची। स्थानीय लोगों, काउंसलर्स एवं प्रशासन के सहयोग से उस व्यक्ति के परिवार का पता लगा लिया गया। उसकी पहचान गुलशन के रूप में हुई, जो लगभग पाँच वर्षों से लापता था।

एक माँ का विश्वास कभी नहीं टूटा

गुलशन के लापता होने से पूरा परिवार टूट चुका था।
बताया जाता है कि बेटे के गम में उसके पिता का भी निधन हो गया। समय के साथ अधिकांश रिश्तेदारों ने उम्मीद छोड़ दी थी। लेकिन उसकी माँ ने कभी विश्वास नहीं खोया।
पाँच वर्षों तक उन्होंने यही भरोसा बनाए रखा कि उनका बेटा एक दिन अवश्य लौटेगा और वह विश्वास सच साबित हुआ। एज़ेल स्मार्ट सिटी हॉस्पिटल में उस समय भावनाओं का सैलाब उमड़ पड़ा जब गुलशन की माँ, भाई और अन्य परिजन लगभग पाँच वर्षों बाद उससे मिले। इस भावुक मिलन ने चिकित्सकों, काउंसलर्स, अस्पताल कर्मियों और उपस्थित सभी लोगों की आँखें नम कर दीं। सभी आवश्यक कानूनी एवं प्रशासनिक औपचारिकताएँ पूरी होने के बाद गुलशन अपने परिवार के साथ घर लौट सकेगा।

श्री आकाश यादव के समर्पण को विशेष सम्मान

अस्पताल प्रबंधन ने इस मानवीय कार्य में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले श्री आकाश यादव के समर्पण, संवेदनशीलता, अथक प्रयास, बेहतर समन्वय एवं निरंतर प्रयासों की विशेष सराहना की। उनकी मेहनत ने एक धुंधली स्मृति को पाँच वर्षों बाद हुए भावनात्मक पारिवारिक मिलन में बदल दिया।
अस्पताल ने इस अभियान में सहयोग देने वाले आगरा के स्थानीय प्रशासन, सामाजिक कार्यकर्ताओं, काउंसलर्स, स्वयंसेवकों तथा मानव जन कल्याण संस्था के सभी सदस्यों का भी आभार व्यक्त किया।
अस्पताल की सोच-स्वास्थ्य सेवा से आगे मानव सेवा इस अवसर पर अस्पताल प्रबंधन ने कहा कि च्चअस्पताल केवल बीमारियों का उपचार करने के लिए नहीं होते, बल्कि लोगों के जीवन में सम्मान, आशा और मानवता को पुनर्स्थापित करने के लिए भी होते हैं। गुलशन का अपने परिवार से मिलना एज़ेल स्मार्ट सिटी हॉस्पिटल के इतिहास के सबसे गौरवपूर्ण क्षणों में से एक है। यह हमें याद दिलाता है कि स्वास्थ्य सेवा का वास्तविक मूल्य केवल सफल उपचारों में नहीं, बल्कि उन जीवनों में है जिन्हें हम बदलते हैं और उस उम्मीद में है जिसे हम फिर से जगाते हैं। हम श्री सुखदेव गौतम, श्री आकाश यादव, हमारे चिकित्सकों, काउंसलर्स तथा इस मानवीय कार्य में सहयोग देने वाले प्रत्येक व्यक्ति के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त करते हैं।ज्ज
अस्पताल ने यह भी घोषणा की कि भविष्य में भी वह मानव जन कल्याण संस्था के सभी लाभार्थियों को व्यापक स्वास्थ्य सेवाएँ उपलब्ध कराएगा तथा मानसिक रूप से दिव्यांग, निराश्रित एवं लापता व्यक्तियों को उनके परिवारों से मिलाने के ऐसे प्रयास निरंतर जारी रखेगा।
राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सम्मान अस्पताल की उत्कृष्ट स्वास्थ्य सेवाओं को राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी सराहा गया है।
2 जुलाई 2026 को एज़ेल स्मार्ट सिटी हॉस्पिटल के निदेशक डॉ. शुनहदीप रिछी को हाउस ऑफ कॉमन्स, लंदन (यूके संसद) में च्चडिस्टिंग्विश्ड सर्विसेज इन क्रिटिकल केयरज्ज सम्मान से नवाज़ा गया। इससे पूर्व वर्ष 2025 में नई दिल्ली के प्रगति मैदान में आयोजित 10वें स्मार्ट सिटीज इंडिया एक्सपो एवं 32वें कन्वर्जेंस इंडिया एक्सपो, जिसका आयोजन भारत सरकार के आवासन एवं शहरी कार्य मंत्रालय द्वारा किया गया था, में अस्पताल को च्च्बेस्ट पीपीपी प्रोजेक्ट अवॉर्डज्ज से सम्मानित किया गया।
एक वर्ष... हजारों मरीज... अनगिनत मुस्कानें... एक अटूट संकल्प सिर्फ एक वर्ष में एज़ेल स्मार्ट सिटी हॉस्पिटल झांसी और सम्पूर्ण बुन्देलखंड के सबसे विश्वसनीय स्वास्थ्य संस्थानों में अपनी मजबूत पहचान बना चुका है।
आधुनिक चिकित्सा सुविधाएँ, विशेषज्ञ चिकित्सक, आपातकालीन सेवाएँ, उन्नत सर्जरी, किफायती जांचें, सामाजिक उत्तरदायित्व तथा मानवता के प्रति अटूट समर्पण के साथ अस्पताल लगातार स्वास्थ्य सेवाओं की नई परिभाषा गढ़ रहा है। गुलशन की कहानी केवल एक पारिवारिक पुनर्मिलन नहीं है। यह निराशा पर उम्मीद की जीत है। असंभव पर विश्वास की जीत है और सबसे बढ़कर, यह मानवता की जीत है। एज़ेल स्मार्ट सिटी हॉस्पिटल अपने दूसरे वर्ष में प्रवेश करते हुए पुनः यह संकल्प दोहराता है कि वह करुणा, गुणवत्ता, किफायत और मानवीय मूल्यों के साथ समाज की सेवा करता रहेगा।

बीड़ा क्षेत्र :कांग्रेस की किसान पंचायत में प्रदेश प्रभारी ने सुनी किसानों की समस्याएं, किसानों से किया सीधा संवाद

झांसी जयूसं। पूर्व जिला पंचायत सदस्य डा. बलवान सिंह यादव भोजला के संयोजन में रविवार को उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रदेश प्रभारी राजेंद्र गौतम ने बीडा क्षेत्र के ग्राम राजापुर में आयोजित किसान पंचायत में किसानों से सीधा संवाद कर उनकी समस्याओं को गंभीरता से सुना। किसानों ने प्रदेश प्रभारी के समक्ष अपनी पीड़ा व्यक्त करते हुए बताया कि बीड़ा परियोजना के नाम पर किसानों के साथ अन्याय किया जा रहा है। किसानों की भूमि का उचित मूल्य नहीं दिया जा रहा है। अनेक किसानों की भूमि की रजिस्ट्री हुए तीन से चार महीने बीत चुके हैं, लेकिन आज तक उन्हें भुगतान प्राप्त नहीं हुआ है। किसानों ने यह भी बताया कि क्षेत्र के सर्किल रेट वर्षों से नहीं बढ़ाए गए हैं, जिसके कारण उन्हें भारी आर्थिक नुकसान उठाना पड़ रहा है। किसानों ने पुनर्वास की श्रेणी-3 (वर्ग-3) की भूमि का उचित मुआवजा न मिलने, मनमाने एवं कम दरों पर भूमि अधिग्रहण किए जाने तथा रजिस्ट्री के बाद भुगतान के लिए महीनों तक अधिकारियों के चक्कर लगाने की मजबूरी का मुद्दा भी उठाया। किसानों ने आरोप लगाया कि भुगतान शीघ्र कराने के नाम पर कुछ लोगों द्वारा लाखों रुपये की दलाली की मांग भी की जा रही है, जिससे किसानों में भारी आक्रोश है। प्रदेश प्रभारी राजेंद्र गौतम ने किसानों को आश्वस्त करते हुए कहा कि कांग्रेस पार्टी किसानों के अधिकारों की रक्षा के लिए पूरी मजबूती से उनके साथ खड़ी है।

अभिनेत्री काजल अग्रवाल `द इंडिया स्टोरी' के साथ तैयार

मुंबई, (एजेंसियां)। अभिनेत्री काजल अग्रवाल दर्शकों पर जादू चलाने के लिए तैयार हैं। उनकी अपकमिंग फिल्म 'द इंडिया स्टोरी' रिलीज होने के लिए तैयार है। इसको लेकर अभिनेत्री ने कहा कि वह लंबे समय से कोर्टरूम फिल्म करना चाहती थीं। फिल्म में आखिरकार ऐसा करने का मौका मिल ही गया। फिल्म में अभिनेत्री ने एडवोकेट अर्चना का रोल निभाया है। वह एक ऐसी वकील हैं जो एक आम नागरिक का साथ देती हैं। यह नागरिक उन ताकतवर कॉर्पोरेट कंपनियों के खिलाफ न्याय चाहता है जिन पर लोगों की जान खतरे में डालने का आरोप है। कोर्टरूम ड्रामा और इन्वेस्टिगेटिव कहानी के जरिए, यह फिल्म फूड सेफ्टी, कॉर्पोरेट जवाबदेही और पर्यावरण से जुड़े मुद्दों पर चर्चा शुरू करना चाहती है। उन्होंने फिल्म के प्रमोशन के दौरान बताया कि कैसे 'द इंडिया स्टोरी' ने कोर्टरूम ड्रामा का हिस्सा बनने की उनकी इच्छा पूरी की। उन्होंने कहा कि कोर्टरूम ड्रामा लंबे समय से मेरी पसंद रहा है। मैं अच्छे, दमदार और चुनौतीपूर्ण कोर्टरूम ड्रामा की तलाश में थी। इस फिल्म के जरिए मेरी यह इच्छा पूरी हुई। लेकिन, एक एक्टर के तौर पर मुझे लगता है कि मुझमें काफी बदलाव आया है। मेरी परफॉर्मेंस में ग्रोथ और मैच्योरिटी भी आई है। मुझे लगता है कि एक एक्टर के तौर पर मैं बड़ी हुई हूं और कुछ पल ऐसे थे, खुद को उस स्थिति में इमेजिन करने की जरूरत नहीं पड़ी।

लिवर के लिए शराब जहर

दिल की धड़कन बिगाड़ सकती है शराब

याददाश्त कमजोर, डिप्रेशन, चिंता और नींद की समस्या

नई दिल्ली, (एजेंसियां)। जिगर को हेल्दी रखना बेहद जरुरी। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार, 2019 में 26 लाख लोग शराब की वजह से मौत का शिकार हुए है। शराब 200 से अधिक बीमारियों और कैंसर जैसी स्थितियों का कारण बनती है। अगर आप भी शराब पीते हैं और इस लत से छुटकारा पाना चाहते हैं तो शराब का अल्टरनेटिव तलाशें।

हर्बल चाय शराब का बेहतरीन विकल्प है। हिबिस्कस टी लिवर हेल्थ के लिए खास मानी जाती है और यह कैंसर रोकने में भी सहायक हो सकती है।

शराब पीना सिर्फ आदत है तो बदली जा सकती है लेकिन लत है तो बदलने के लिए आपको काफी मुश्किल हो सकती है। शराब यानी एल्कोहल एक ऐसा ड्रिंक है जिसका सेवन करने से दिमाग से लेकर बॉडी तक पर साइड इफेक्ट होते हैं। शराब का सबसे पहला असर लिवर पर होता है। लंबे समय तक शराब पीने से लिवर सिरोसिस, फैटी लिवर और लिवर फेल्योर जैसी बीमारियां हो सकती हैं।

शराब दिल की धड़कन बिगाड़ सकती है और हाई ब्लड प्रेशर का खतरा बढ़ा सकती है। शराब दिमागी संतुलन को बिगाड़ सकती है, लंबे समय तक शराब पीने से याददाश्त कमजोर, डिप्रेशन, चिंता और नींद की समस्या हो सकती है। शराब इम्यून सिस्टम को कमजोर करती है, जिससे शरीर को संक्रमण और बीमारियों से लड़ने की क्षमता कम हो जाती है।

आप कुछ हेल्दी ड्रिंक का सेवन शराब के विकल्प के रूप में कर सकते हैं। ये ड्रिंक न सिर्फ लिवर को हेल्दी रखेंगे बल्कि आपके दिल और किडनी को भी फायदा पहुचाएंगे। आइए जानते हैं कि कौन-कौन से ऐसे ड्रिंक है जो शराब की तोड़ साबित हो सकते हैं जिनका सेवन करने से लिवर हेल्दी रहता है।

इन्फ्यूस्ड वॉटर पिएं सबसे हेल्दी ड्रिंक है साधारण पानी। इसे और मजेदार बनाने के लिए आप इसमें फल, हर्ब्स या सब्जियां डाल सकते हैं। गर्मियों में खीरा और पुदीना ताजगी देते हैं। स्ट्रॉबेरी और तुलसी का कॉम्बिनेशन स्वाद और खुशबू बढ़ाता है। वहीं संतरा और रोज़मेरी का कॉम्बिनेशन सिट्रसी और फ्रेश फ्लेवर देता है। खास बात यह है कि इसमें शक्कर डालने की जरूरत नहीं होती, जिससे लिवर को कोई नुकसान नहीं पहुंचता। इन्फ्यूज्ड वॉटर डिटॉक्स में मदद करता है और हाइड्रोजन बनाए रखता है।

हर्बल चाय : हर्बल चाय शराब का बेहतरीन विकल्प है। हिबिस्कस टी लिवर हेल्थ के लिए खास मानी जाती है और यह कैंसर रोकने में भी सहायक हो सकती है। इसमें मौजूद गॉसिपेटिन अल्ज़ाइमर जैसी बीमारियों से भी बचा सकता है।

पिपरमिंट टी पाचन समस्याओं को ठीक करती है और दिन की शुरुआत तरोताज़ा बनाती है। वहीं, कैमोमाइल टी तनाव कम करती है और नींद बेहतर बनाती है।

अलग-अलग फ्लेवर और फायदे वाली ये चाय लिवर और पूरे शरीर के लिए हेल्दी ड्रिंक हैं।

नई टिहरी में शुरू हुई 'सर्वांग स्वेदन' चिकित्सा

आयुर्वेदिक उपचार को मिलेगी नई मजबूती

टिहरी, (एजेंसियां)। उत्तराखंड में टिहरी जनपदवासियों को बेहतर और आधुनिक आयुर्वेदिक उपचार उपलब्ध कराने की दिशा में आयुष विभाग ने महत्वपूर्ण पहल करते हुए जिला चिकित्सालय बौराड़ी स्थित आयुष विंग में 'सर्वांग स्वेदन चिकित्सा' (होल बॉडी स्टीम थेरेपी) सेवा शुरू कर दी है। इस सुविधा से गठिया, कमर दर्द, सर्वाइकल, जोड़ों के दर्द, मांसपेशियों की जकड़न, तनाव और अन्य वातजनित रोगों से पीड़ित मरीजों को स्थानीय स्तर पर ही प्रभावी उपचार मिल सकेगा।

वरिष्ठ चिकित्साधिकारी (आयुर्वेद) डॉ. सिद्धि मिश्रा ने शनिवार को बताया कि सर्वांग स्वेदन आयुर्वेद की एक प्रभावी उपचार पद्धति है, जिसमें औषधीय भाप के माध्यम से पूरे शरीर का स्वेदन किया जाता है। यह प्रक्रिया शरीर में संचित विषैले तत्वों को बाहर निकालने, रक्त संचार को बेहतर बनाने तथा मांसपेशियों और जोड़ों के दर्द में राहत पहुंचाने में सहायक होती है। उन्होंने बताया कि प्रत्येक मरीज की स्वास्थ्य स्थिति का परीक्षण करने के बाद प्रशिक्षित चिकित्सकीय टीम की निगरानी में ही यह उपचार दिया जाएगा।

जिला आयुर्वेदिक एवं यूनानी अधिकारी डॉ. सुभाष चन्द ने बताया कि जनपदवासियों को बेहतर आयुष सेवाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से राजकीय आयुष चिकित्सालय, नई टिहरी में सर्वांग स्वेदन चिकित्सा मशीन स्थापित की गई है। इससे मरीजों को आधुनिक आयुर्वेदिक उपचार के लिए दूसरे शहरों का रुख नहीं करना पड़ेगा और स्थानीय स्तर पर ही गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा उपलब्ध होगी।

आयुष विभाग ने जनपदवासियों से अपील की है कि वे आयुष चिकित्सालय में उपलब्ध इस नई चिकित्सा सुविधा का लाभ उठाएं तथा किसी भी स्वास्थ्य समस्या की स्थिति में विशेषज्ञ चिकित्सकों से परामर्श लेकर उपचार कराएं।

कैंसर से लड़ाई जीतने के बाद शुभांगी अत्रे के पिता ने जीता कैरम मुकाबला

मुंबई, (एजेंसियां)। टीवी सीरियल 'भाबीजी घर पर हैं' में भाभी के किरदार से पहचान बनाने वाली टीवी एक्ट्रेस शुभांगी अत्रे उस समय भावुक हो गईं, जब उन्होंने कैरम टूर्नामेंट में अपने पिता की जीत का जश्न मनाया। शुभांगी अत्रे ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर इवेंट की कई तस्वीरें शेयर कीं। इनमें उनके पिता को ट्रॉफी लेते हुए और फिर परिवार के सदस्यों, दूसरे प्रतिभागियों और खास मेहमानों के साथ पोज देते हुए देखा जा सकता है। एक तस्वीर में शुभांगी गर्व के साथ अपने पिता और परिवार के दूसरे सदस्यों के साथ खड़ी दिख रही हैं, जबकि दूसरी तस्वीर में टूर्नामेंट के बाद वे अपनी ट्रॉफी के साथ मुस्कुराते हुए नजर आ रहे हैं। एक पोस्ट में शुभांगी ने लिखा कि बधाई हो पापा। कैंसर से लड़ाई जीतने के बाद भी कीमोथेरेपी के कारण मेरे पापा की उंगलियां अब भी ठीक से काम नहीं करतीं। फिर भी उन्होंने कैरम का खेल जीत लिया। यह याद दिलाता है कि असली ताकत हमेशा पूरी तरह स्वस्थ हाथों में नहीं होती, बल्कि अटूट हौसले में होती है। बस खुश दिल के साथ आगे बढ़ते रहिए। शुभांगी के पोस्ट को टीवी इंडस्ट्री के दोस्तों और फैंस से बहुत प्यार मिला। प्रोड्यूसर जेडी मजेठिया ने कमेंट

किया, जबकि एक्ट्रेस कनिका माहेश्वरी ने लिखा, वाह अब मुझे पता चला कि ताकत कहां से आती है, आपके पापा को बधाई।

2024 में शुभांगी के पिता को एसोफैगस (खाने की नली का) कैंसर होने का पता चला था। उस समय, एक्ट्रेस ने अपने फॉलोअर्स से दुआ करने की अपील की थी और लिखा था, मेरे प्यारे इंस्टा परिवार, कुछ दिन पहले मेरे पिता को कैंसर होने का पता चला था, आज से उनका इलाज शुरू हो रहा है।

मेक इन इंडिया मेडिकल डिवाइस निर्माण को मिलेगी नई गति

■ डॉक्टर्स आइडिया ऑफ इंडिया के कर्नाटक कोहोर्ट का शुभारंभ

ग्रेटर नोएडा, (एजेंसियां)। गवर्नमेंट इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज (जिम्स), ग्रेटर नोएडा के सेंटर फॉर मेडिकल इनोवेशन (सीएमआई) द्वारा संचालित प्रमुख राष्ट्रीय पहल 'डॉक्टर्स आइडिया ऑफ इंडिया' के कर्नाटक कोहोर्ट का शुभारंभ शनिवार को जालप्पा फाउंडेशन फॉर इनोवेशन एंड इन्क्यूबेशन, देवराज उर्स एकेडमी ऑफ हायर एजुकेशन एंड रिसर्च के सहयोग से किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य डॉक्टरों, मेडिकल विद्यार्थियों, इंजीनियरों, शोधकर्ताओं और स्वास्थ्य पेशेवरों को एक साझा मंच प्रदान कर भारत में मेडटेक नवाचार और स्वदेशी मेडिकल डिवाइस निर्माण को नई दिशा देना है। इस अवसर पर सीएमआई-जिम्स और जेएफआईआई ने चिकित्सा नवाचार, क्लिनिकल वैलिडेशन, अनुसंधान सहयोग, स्टार्टअप इन्क्यूबेशन, क्षमता निर्माण तथा उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिए अपने सहयोग को और मजबूत करने की प्रतिबद्धता व्यक्त की।

दोनों संस्थानों के बीच सहयोग का उद्देश्य चिकित्सा संस्थानों में नवाचार की संस्कृति विकसित करना तथा डॉक्टरों के विचारों को प्रयोगशाला से बाजार तक पहुंचाने में सहायता करना है। इस अवसर पर डॉ. राहुल सिंह, मुख्य कार्यकारी अधिकारी, सेंटर फॉर मेडिकल इनोवेशन, जिम्स, ग्रेटर नोएडा ने कहा कि भारत को मेडिकल डिवाइस और हेल्थकेयर टेक्नोलॉजी के क्षेत्र में वैश्विक नेतृत्व दिलाने के लिए डॉक्टरों, इंजीनियरों, वैज्ञानिकों, शोधकर्ताओं और उद्योग जगत के बीच मजबूत सहयोग आवश्यक है। सीएमआई-जीआईएमएस और जेएफआईआई के बीच यह साझेदारी इसी दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

यह सहयोग एक ऐसे मेडटेक इकोसिस्टम का निर्माण करेगा, जहां डॉक्टर क्लिनिकल समस्याओं की पहचान करेंगे, इंजीनियर उन्हें तकनीकी समाधान में बदलेंगे और शोध संस्थान उन्हें वैज्ञानिक रूप से प्रमाणित कर बाजार तक पहुंचाने में सहयोग देंगे।

196 वर्ष पुराने इंद्र विमान पर विराजेंगे भगवान जगन्नाथ

अलवर, (एजेंसियां)। राजस्थान में अलवर के सुभाष चौक स्थित श्री जगन्नाथ मंदिर से 22 जुलाई को भगवान श्री जगन्नाथ की भव्य और ऐतिहासिक रथयात्रा निकाली जाएगी। भगवान 196 वर्ष पुराने इंद्र विमान पर विराजमान होकर रूपवास के लिए प्रस्थान करेंगे। रथयात्रा को लेकर मंदिर प्रशासन और श्रद्धालुओं में जबरदस्त उत्साह है और तैयारियां अंतिम चरण में पहुंच चुकी हैं।

इस बार इंद्र विमान को जगन्नाथ पुरी की तर्ज पर विशेष रूप से सजाया जा रहा है। भगवान श्री जगन्नाथ दुबई से आये विशेष कपड़े से तैयार पोशाक धारण करेंगे। मंदिर के महंत पंडित पुष्पेंद्र शर्मा ने बताया कि रथयात्रा में शामिल होने वाले श्रद्धालु भगवान के बाराती बनकर यात्रा का हिस्सा बनेंगे।

रथयात्रा में हरियाणा का प्रसिद्ध बम रसिया नृत्य विशेष आकर्षण रहेगा। इसके अलावा पांच शंख वादक 16 सदस्यीय घड़ियाल पार्टी, करतब दिखाते पट्टे बाज, ऊंट-घोड़े, बैंड, पुलिस बैंड, ताशा पार्टी, शहनाई वादन, प्याऊ और

दूसरी मंजिल पर भगवान श्रीजगन्नाथ की प्रतिमा विराजमान रहेगी, जो श्रद्धालुओं के लिए आकर्षण का प्रमुख केंद्र होगी। महोत्सव की शुरुआत 12 जुलाई को गणेश पूजन के साथ होगी। इस दिन इंदौर से मंगाई गयी पवित्र मौली भगवान को बांधी जाएगी। सोलह जुलाई को गलता जी, पुष्कर और प्रयागराज से लाये गए पवित्र जल और दुबई से मंगाये गये केसर, दूध, घी और माखन से भगवान का विशेष अभिषेक किया जाएगा। इसी दिन भगवान को नये वस्त्र धारण कराये जाएंगे और कंगन डोरे बांधे जाएंगे। महंत पंडित पुष्पेंद्र शर्मा ने बताया कि दुबई निवासी एक श्रद्धालु हर वर्ष भगवान श्री जगन्नाथ के लिए विशेष कपड़ा भेजते हैं, जिससे जयपुर में पोशाक तैयार की जाती है। इस बार भी दुबई से विशेष कपड़ा और सुगंधित इत्र भेजे गये हैं, जिनसे भगवान का विशेष श्रृंगार किया जाएगा।

श्री शर्मा ने बताया कि 18 जुलाई की शाम भगवान सीताराम की सवारी रूपबास के लिए रवाना होगी। बाइस जुलाई को भगवान श्री जगन्नाथ इंद्र विमान पर सवार होकर रूपवास के लिए प्रस्थान करेंगे। पच्चीस जुलाई को माता जानकी की शोभायात्रा निकलेगी। महिलाएं कलश लेकर शामिल होंगी। रूपवास पहुंचने पर भगवान श्री जगन्नाथ और माता जानकी का वरमाला महोत्सव होगा। सत्ताइस जुलाई को भगवान सीताराम, भगवान श्री जगन्नाथ और माता जानकी की शोभायात्रा सुभाष चौक स्थित श्री जगन्नाथ मंदिर लौटेगी।

उन्होंने बताया कि 18 जुलाई से तीन दिवसीय अखंड कीर्तन शुरू होगा, जिसके बाद भगवान के पट बंद कर दिये जाएंगे। इसी दिन शाम को भगवान सीताराम की सवारी रूपवास के लिए रवाना होगी। पच्चीस जुलाई को माता जानकी की भव्य शोभायात्रा निकलेगी, जिसमें बड़ी संख्या में महिलाएं कलश लेकर शामिल होंगी।

समुद्री तापप्रपात से सार्डिन मछली उत्पाद में खतरा

■ मछली पकड़ने का उद्योग और तटीय समुदायों की आजीविका प्रभावित
■ मछली पालकों को अल नीनो संबंधी सलाह जारी करना शुरू

कोच्चि, (एजेंसियां)। केंद्रीय समुद्री मत्स्य अनुसंधान संस्थान (सीएमएफआरआई) ने चेतावनी दी है कि अल नीनो के कारण अगले साल सार्डिन मछली पकड़ने पर असर पड़ सकता है। हालांकि इस साल भारतीय तेल सार्डिन का भंडार प्रचुर मात्रा में है, लेकिन सीएमएफआरआई ने कहा है कि अल नीनो के कारण 2027 में सार्डिन की उपलब्धता में भारी कमी आ सकती है। समुद्री तापप्रपात और बढ़ते समुद्री तापमान से भारतीय तट पर मछली उत्पादन खतरे में पड़ सकता है।

सीएमएफआरआई के निदेशक डॉ. ग्रिंसन जॉर्ज ने संस्थान में राष्ट्रीय मत्स्यपालक दिवस समारोह का उद्घाटन करते हुए यह चेतावनी दी।

डॉ. जॉर्ज के अनुसार, अल नीनो से जुड़ी गर्मी इस साल अक्टूबर-दिसम्बर के दौरान और तेज होने की आशंका है, जिसका असर अप्रैल-मई 2027 तक उत्तरी हिंद महासागर में महसूस किया जा सकता है।

उन्होंने कहा कि इस साल ऑयल सार्डिन का भंडार प्रचुर मात्रा में है, लेकिन अनुमानित तापमान वृद्धि होने पर 2027 में इस संसाधन पर असर पड़ने की संभावना है। छोटी पेलाजिक मछलियां, विशेष रूप से ऑयल सार्डिन, समुद्री ताप तरंगों और महासागर के तापमान में वृद्धि के प्रति सबसे अधिक संवेदनशील हैं। डॉ. जॉर्ज ने चेतावनी दी कि अनुमानित तापमान वृद्धि से समुद्री मछली उत्पादन में भारी गिरावट आ सकती है, जिससे मछली पकड़ने का उद्योग और तटीय समुदायों की आजीविका दोनों प्रभावित होंगी।

जलवायु पूर्वानुमानों की ओर ध्यान दिलाते हुए उन्होंने कहा कि उपलब्ध वैज्ञानिक जानकारी से पता चलता है कि अगले साल अप्रैल और मई के दौरान समुद्री ताप तरंगों, समुद्र की सतह के तापमान में वृद्धि और खारेपन में वृद्धि की उच्च संभावना है।

उन्होंने चेतावनी दी कि इसका प्रभाव सार्डिन तक ही सीमित नहीं रहेगा।

लगातार महासागर के तापमान में वृद्धि से नाजुक प्रवाल भित्ति पारिस्थितिकी तंत्र को नुकसान पहुंच सकता है, जिससे प्रवाल विरंजन हो सकता है और रेड स्नैपर जैसी प्रवाल भित्ति से जुड़ी प्रजातियों की संख्या में कमी आ सकती है।

मछली पकड़ने वाले समुदाय को बदलते हालातों के लिए तैयार करने में मदद करने के लिए सीएमएफआरआई ने घोषणा की कि वह इस साल के अंत में मछुआरों और मछली पालकों को अल नीनो संबंधी सलाह जारी करना शुरू कर देगा, जिससे वे मछली पकड़ने और मत्स्य पालन प्रथाओं के बारे में सोच-समझकर निर्णय ले सकें। मछली पालकों को भी अचानक होने वाले पर्यावरणीय परिवर्तनों के लिए तैयार रहने की सलाह दी गई। डॉ. जॉर्ज ने कहा कि लंबे समय तक उच्च तापमान और खारेपन के बाद भारी बारिश से खारेपन के स्तर में तेजी से उतार-चढ़ाव आ सकता है, जिससे तटीय मत्स्य पालन बाधित हो सकता है और उत्पादन हानि का खतरा बढ़ सकता है।

विश्व जनसंख्या दिवस पर एचएलएल की नई पहल

सस्ती चिकित्सा सुविधाएं और नई स्वास्थ्य तकनीकों को बढ़ावा देगी

■ परिवार नियोजन कार्यक्रम की है महत्वपूर्ण भूमिका

तिरुवनंतपुरम, (एजेंसियां)। विश्व जनसंख्या दिवस के अवसर पर केंद्र सरकार की सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी एचएलएल लाइफकेयर लिमिटेड ने कहा कि अब वह सिर्फ जनसंख्या नियंत्रण तक सीमित नहीं रहेगी, बल्कि लोगों के बेहतर स्वास्थ्य पर भी विशेष ध्यान देगी। हालांकि कंपनी देश के परिवार नियोजन कार्यक्रम में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका पहले की तरह निभाती रहेगी। केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के तहत आने वाली मिनी रत्न कंपनी एचएलएल ने कहा कि अब उसका मुख्य फोकस रोकथाम आधारित स्वास्थ्य सेवाएं, सस्ती चिकित्सा सुविधाएं और नई स्वास्थ्य तकनीकों को बढ़ावा देना है, ताकि खासकर महिलाओं और युवाओं का स्वास्थ्य बेहतर बनाया जा सके। कंपनी ने कहा कि विश्व जनसंख्या दिवस 2026 हमें याद दिलाता है कि स्वस्थ समाज बनाने के लिए लोगों, खासकर युवाओं के स्वास्थ्य में निवेश करना बहुत जरूरी है। कंपनी आगे भी सस्ती, अच्छी गुणवत्ता वाली और सभी की पहुंच में आने वाली स्वास्थ्य सेवाएं और उत्पाद विकसित करती रहेगी।

एचएलएल ने बताया कि वह लंबे समय से परिवार नियोजन कार्यक्रम के लिए काम कर रही है और अब उसने अपने स्वास्थ्य सेवाओं के दायरे को भी काफी बढ़ा दिया है। कंपनी अब कंडोम, गर्भनिरोधक गोलियां, इमरजेंसी गर्भनिरोधक गोलियां, प्रेग्नेंसी टेस्ट किट, कॉपर-टी (आईयूसीडी) और मातृ स्वास्थ्य से जुड़े कई उत्पाद तैयार कर रही है। इसके अलावा, कंपनी ने पर्यावरण को ध्यान में रखते हुए 'हैप्पीडेज अर्थ' नाम का ऐसा सैनिटरी पैड विकसित किया है, जो आसानी से नष्ट हो जाता है और प्लास्टिक कचरे व

माइक्रोप्लास्टिक को कम करने में मदद करता है। यह नया उत्पाद बीआईएस-2025 मानकों के अनुरूप है। एचएलएल ने सिर्फ उत्पाद बनाने तक ही खुद को सीमित नहीं रखा है, बल्कि एमरिट फार्मेसी और हिंडलैब्स के जरिए देशभर में सस्ती स्वास्थ्य सेवाएं भी उपलब्ध करा रही है।

एमरिट फार्मेसी में जीवनरक्षक दवाएं, मेडिकल उपकरण और अन्य जरूरी सामान 50 प्रतिशत तक की छूट पर मिलते हैं। वहीं हिंडलैब्स में जांच सेवाएं बाजार की तुलना में 30 से 60 प्रतिशत तक कम कीमत पर उपलब्ध कराई जाती हैं। कंपनी ने अब एमरिट प्लस फार्मेसी, स्पेशलिटी हिंडलैब्स और एचएलएल होम हेल्थकेयर सर्विसेज जैसी नई सेवाएं भी शुरू की हैं।

इन सेवाओं के तहत जीन जांच, आधुनिक डायग्नोस्टिक टेस्ट, नर्सिंग, फिजियोथेरेपी, पुनर्वास, पुरानी बीमारियों का इलाज, बुजुर्गों की देखभाल और घर बैठे डॉक्टर से सलाह (टेली-कंसल्टेशन) जैसी सुविधाएं लोगों के घर तक पहुंचाई जा रही हैं।

कंपनी का कहना है कि अब वह सिर्फ परिवार नियोजन से जुड़ी संस्था नहीं, बल्कि देश की व्यापक सार्वजनिक स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत करने वाली संस्था के रूप में काम करना चाहती है, ताकि सभी लोगों को बेहतर और सुलभ स्वास्थ्य सेवाएं मिल सकें।

शिक्षा, खेल व नवाचार के मेधावियों को किया गया सम्मानित

ग्रेटर नोएडा, (एजेंसियां)। जेपी पब्लिक स्कूल में शनिवार को 'अचीवर्स डे 2026' का भव्य आयोजन किया गया। कक्षा एक से 12वीं तक के शैक्षणिक, खेल, नवाचार और सह-शैक्षणिक क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया। दो सत्रों में आयोजित समारोह में मेधावियों और प्रतिभाशाली विद्यार्थियों की उपलब्धियों पर पूरा सभागार तालियों से गूंज उठा। समारोह में जिला विद्यालय निरीक्षक चंद्रशेखर, प्रख्यात शिक्षाविद् एवं पूर्व कुलपति डॉ. प्रीति बजाज, अंतरराष्ट्रीय ख्यातिप्राप्त कथक नृत्यांगना एवं शिक्षाविद् माया कुलश्रेष्ठ, उद्यमी एवं वैश्विक शिक्षा विशेषज्ञ अंकुर बंसल तथा शिक्षाविद् एवं पीटीए प्रतिनिधि गीता मंचानी की गरिमामयी उपस्थिति रही। दीप प्रज्वलन के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। विद्यालय के कोयर दल की संगीतमय प्रस्तुति ने समारोह को भावपूर्ण बनाया। प्रधानाचार्या मीता भंडूला ने विद्यार्थियों को बधाई देते हुए कहा कि सफलता का वास्तविक अर्थ केवल पुरस्कार प्राप्त करना नहीं, बल्कि अनुशासन, विनम्रता और निरंतर सीखने की भावना के साथ आगे बढ़ना है। उन्होंने विद्यार्थियों की सफलता में अभिभावकों और शिक्षकों के योगदान की सराहना की। प्रथम सत्र में कक्षा-एक से सातवीं तक के विद्यार्थियों को शैक्षणिक उत्कृष्टता, खेल, नेतृत्व, नवाचार, कला और सांस्कृतिक गतिविधियों में उल्लेखनीय प्रदर्शन के लिए सम्मानित किया गया।

पंडवानी की अमर स्वर-सम्राज्ञी तीजन बाई

■ डुमन लाल ध्रुव

छत्तीसगढ़ सांस्कृतिक धरोहरों से सम्पन्न प्रदेश है। यहां की लोककलाओं में पंथी, राऊत नाचा, सुवा, करमा, ददरिया, भरथरी और पंडवानी जैसी विधाओं ने जनजीवन को गहराई से प्रभावित किया है। इनमें पंडवानी केवल एक लोकगायन शैली नहीं बल्कि महाभारत की कथाओं को संगीत, अभिनय और भावाभिव्यक्ति के माध्यम से जीवंत कर देने वाली अद्भुत लोकनाट्य परंपरा है।

इस लोककला को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय पहचान दिलाने का श्रेय जिस महान कलाकार को जाता है वह हैं तीजन बाई। उन्होंने अपने अद्भुत स्वर, सशक्त अभिनय, प्रभावशाली संवाद और विलक्षण मंच प्रस्तुति से पंडवानी को विश्वभर में प्रतिष्ठित किया। तीजन बाई का जीवन संघर्ष, साधना, आत्मविश्वास और निरंतर परिश्रम का प्रेरक उदाहरण है। अत्यंत साधारण परिवार में जन्म लेने के बावजूद उन्होंने अपनी प्रतिभा के बल पर विश्व के अनेक देशों में भारतीय लोकसंस्कृति का गौरव बढ़ाया।

''पंडवानी'' शब्द दो शब्दों - ' पांडव 'और ' वाणी ' से मिलकर बना है अर्थात पांडवों की कथा का गायन। पंडवानी की दो प्रमुख शैली है - वेदमती शैली और कापालिक शैली । छत्तीसगढ़ में लंबे समय तक कापालिक शैली में केवल पुरुष कलाकार ही प्रस्तुति देते थे क्योंकि इसे कठिन, ऊर्जावान और अभिनय प्रधान शैली माना जाता था। किंतु तीजन बाई ने इस परंपरा को बदल दिया। वे पहली महिला बनी जिन्होंने इस शैली को अपनाकर उसे नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया।

बचपन से ही उन्हें अपने नाना बृजलाल पारधी से महाभारत की कथाएं सुनने का अवसर मिला। नाना स्वयं पंडवानी के अच्छे जानकार थे। जब वे महाभारत के प्रसंग सुनाते तब बालिका तीजन उन्हें अत्यंत ध्यान से सुनती और उसी प्रकार दोहराने का प्रयास करती। धीरे-धीरे उन्हें अनेक प्रसंग कंठस्थ हो गए। तीजन बाई की प्रतिभा को देखकर प्रसिद्ध लोकगायक उमेंद सिंह देशमुख ने उन्हें पंडवानी की विधिवत शिक्षा दी। उन्होंने केवल गायन ही नहीं मंच संचालन, संवाद, अभिनय, स्वर, लय और भावाभिव्यक्ति की बारीकियां भी सिखाई। लगभग तेरह वर्ष की आयु में तीजन बाई ने पहली बार सार्वजनिक मंच पर पंडवानी प्रस्तुत की। यह प्रस्तुति उनके जीवन का निर्णायक मोड़ सिद्ध हुई।

तीजन बाई मानती थीं कि कलाकार का सबसे बड़ा धन उसका निरंतर अभ्यास है। वे प्रतिदिन घंटों तक रियाज करती थी। महाभारत के विभिन्न प्रसंगों का अभ्यास, स्वर-साधना,

बचपन से ही उन्हें अपने नाना बृजलाल पारधी से महाभारत की कथाएं सुनने का अवसर मिला। नाना स्वयं पंडवानी के अच्छे जानकार थे। जब वे महाभारत के प्रसंग सुनाते तब बालिका तीजन उन्हें अत्यंत ध्यान से सुनती और उसी प्रकार दोहराने का प्रयास करती। धीरे-धीरे उन्हें अनेक प्रसंग कंठस्थ हो गए। तीजन बाई की प्रतिभा को देखकर प्रसिद्ध लोकगायक उमेंद सिंह देशमुख ने उन्हें पंडवानी की विधिवत शिक्षा दी।

संवादों का अभ्यास और मंच संचालन ये सब उनके दैनिक जीवन का हिस्सा थे।

तीजन बाई के जीवन में सबसे बड़ा मोड़ तब आया जब प्रसिद्ध रंगकर्मी हबीब तनवीर ने उनकी प्रस्तुति देखी। वे उनकी असाधारण प्रतिभा से अत्यंत प्रभावित हुए। उन्होंने तीजन बाई को बड़े मंचों तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। राष्ट्रीय सफलता के बाद तीजन बाई ने अनेक देशों की यात्राएं की। उन्होंने एशिया, यूरोप, अमेरिका और अन्य देशों में भारतीय लोकसंस्कृति का प्रतिनिधित्व किया। भले ही अधिकांश विदेशी दर्शक हिन्दी या छत्तीसगढ़ी भाषा नहीं समझते थे लेकिन उनके अभिनय, भाव-भंगिमा और स्वर की शक्ति भाषा की सीमाओं से कहीं आगे पहुंच जाती थी। दर्शक कथा का भाव सहज ही समझ लेते थे। उनकी प्रस्तुतियों ने यह सिद्ध कर दिया कि सच्ची कला किसी अनुवाद की मोहताज नहीं होती। तीजन बाई केवल महान कलाकार ही नहीं थी महिला सशक्तिकरण की प्रेरक मिसाल भी थी। उन्होंने उस समय सामाजिक रूढ़ियों को चुनौती दी जब महिलाओं के लिए सार्वजनिक मंचों पर अभिनय करना सहज नहीं माना जाता था। उन्होंने अपने जीवन से यह संदेश दिया कि यदि प्रतिभा, परिश्रम और आत्मविश्वास हो तो कोई भी बाधा सफलता के मार्ग में स्थायी नहीं बन सकती। आज अनेक युवा महिला कलाकार पंडवानी और अन्य लोककलाओं में जो सम्मानपूर्वक कार्य कर रही हैं उसमें तीजन बाई के संघर्ष और साहस का महत्वपूर्ण योगदान है।

जीवन भर उन्होंने लोककला को केवल पेशा नहीं माना अपनी साधना समझा। वे कहती थी कि पंडवानी केवल महाभारत की कथा नहीं जीवन के आदर्शों, धर्म, न्याय, साहस और मानवता का संदेश देने वाली परंपरा है।

तीजन बाई की सबसे बड़ी विशेषता उनकी ओजपूर्ण और प्रभावशाली आवाज थी। उनकी वाणी में वीर रस का उत्साह, करुण रस की संवेदना, भक्ति का समर्पण और श्रृंगार की कोमलता सभी भाव सहज रुप से प्रकट होते थे। वे महाभारत के पात्रों के अनुसार अपने स्वर और भाव बदल लेती थी। जब वे भीम का चरित्र प्रस्तुत करती तो उनकी आवाज में शक्ति और गर्जना सुनाई देती थी। अर्जुन के प्रसंगों में वीरता और आत्मविश्वास झलकता था। द्रौपदी के चीरहरण का वर्णन करते समय उनकी करुण पुकार श्रोताओं की आंखें नम कर देती थी जबकि श्रीकृष्ण के संवादों में गंभीरता, करुणा और आध्यात्मिक तेज का अद्भुत समन्वय दिखाई देता था। तीजन बाई का अभिनय उनकी गायकी जितना ही प्रभावशाली था। वे मंच पर किसी अभिनेता की तरह प्रत्येक पात्र को जीवंत कर देती थी।

उनकी प्रस्तुतियों ने अनेक विदेशी विद्वानों, कलाकारों और शोधकर्ताओं को भारतीय लोककला का अध्ययन करने के लिए प्रेरित किया।

तीजन बाई ने अनेक युवा कलाकारों को पंडवानी सीखने और लोककलाओं के संरक्षण के लिए प्रेरित किया। वे हमेशा कहती थी कि कला तभी जीवित रहती है जब नई पीढ़ी उसे अपनाती है। उन्होंने अनेक शिष्यों को प्रशिक्षण दिया और मंच पर अवसर भी उपलब्ध कराए।

तीजन बाई का जीवन हमें यह सिखाता है कि प्रतिभा, परिश्रम, अनुशासन और आत्मविश्वास के बल पर साधारण परिस्थितियों से उठकर भी विश्वभर में सम्मान प्राप्त किया जा सकता है।

'सीजेपी और पीजेपी का लोकतांत्रिक महाभोज'

■ डॉ रामानुज पाठक

राजनीति का सौंदर्य कभी विचारों की विविधता में था। अब विविधता दलों के नामों में बची है। पहले जनता पार्टी थी, फिर उसके इतने संस्करण निकले कि वर्णमाला भी सोचने लगी— 'मेरे अक्षर राजनीति में अधिक उपयोग हो रहे हैं या विद्यालय में?' इसी क्रम में दो नए दलों की कल्पना कीजिए—सीजेपी अर्थात 'कॉकरोच जनता पार्टी' और पीजेपी अर्थात 'पिकनिक जनता पार्टी'। आश्चर्य मत कीजिए, यह केवल कल्पना है; किंतु कल्पनाएं अक्सर वास्तविकता के बहुत निकट खड़ी मिलती हैं।

कोकरोच जनता पार्टी का चुनाव-चिह्न शायद झाड़ू नहीं, बल्कि वह जीव होगा जो हर सफाई अभियान के बाद भी मुस्कराता हुआ किसी दरार से बाहर आ जाता है। उसका घोषणापत्र भी बड़ा वैज्ञानिक होगा— 'हम परिस्थितियों के नहीं, परिस्थितियाँ हमारी हैं।' सत्ता बदले, व्यवस्था बदले, विचारधारा बदले, नारे बदलें, गठबंधन बदलें; किंतु कुछ चेहरे ऐसे होते हैं जो कोकरोच की जैविक क्षमता से प्रेरित प्रतीत होते हैं। वे हर राजनीतिक कीटनाशक के बाद और अधिक स्वस्थ दिखाई देते हैं।

इनकी सबसे बड़ी विशेषता है—जीवित रहने की असाधारण क्षमता। सिद्धांत इनके लिए वही है जो दीवार पर टंगी कैलेंडर की पुरानी तस्वीर—देखने भर की वस्तु। कल जिस विचारधारा को राष्ट्र-विरोधी बताते थे, आज उसी के साथ संयुक्त प्रेसवार्ता कर रहे हैं। राजनीति में इसे लचीलापन कहा जाता है; जीवविज्ञान इसे अनुकूलन कहता है; जनता इसे अवसरवाद के नाम से पहचानती है।

दूसरी ओर है पिकनिक जनता पार्टी। यह दल चुनाव को लोकतंत्र का पर्व नहीं, पर्यटन का पैकेज मानता है। इनके नेता जनता के बीच कम, रिसॉर्टों के बीच अधिक दिखाई देते हैं। सरकार बनने के बाद विधायक ऐसे गायब होते हैं जैसे परीक्षा के बाद छात्र पुस्तकें। फिर अचानक किसी पहाड़ी राज्य के किसी आलीशान होटल से सामूहिक तस्वीर आती है—चेहरों पर लोकतंत्र की चिंता कम और स्विमिंग पूल की ताजगी अधिक होती है।

इनकी बैठकों का एजेंडा भी बड़ा रोचक होता है—पहला विषय, नाश्ता; दूसरा विषय, भोजन; तीसरा विषय, रात्रिभोज; और यदि समय बच जाए तो सरकार बचाने पर भी विचार कर लिया जाएगा। लोकतंत्र इनके लिए जनता का विश्वास नहीं, पर्यटन उद्योग को बढ़ावा देने का अभिनव अभियान है।

विडंबना देखिए, कॉकरोच जनता पार्टी सत्ता के हर कोने में घुसने की कला जानती है, जबकि पिकनिक जनता पार्टी सत्ता के संकट को भी अवकाश यात्रा में बदल देने की प्रतिभा रखती है। एक दल कहता है— 'जहाँ अवसर, वहीं हमारा घर।' दूसरा कहता है— 'जहाँ रिसॉर्ट, वहीं हमारा लोकतंत्र।'

आज राजनीति में विचारधारा का स्थान वाई-फाई ने ले लिया है। जहाँ सिग्नल मजबूत, वहीं कनेक्शन। कल तक जो एक-दूसरे पर भ्रष्टाचार के जहरीले कीटनाशक छिड़क रहे थे, आज वही एक ही मंच पर लोकतंत्र की सुगंधित अगरबत्ती जलाते दिखाई देते हैं। चुनाव से पहले भाषणों में आग बरसती है, परिणाम के बाद वही आग बारबेक्यू बन जाती है और गठबंधन की पिकनिक शुरू हो जाती है।

कोकरोच जनता पार्टी का चुनाव-चिह्न शायद झाड़ू नहीं, बल्कि वह जीव होगा जो हर सफाई अभियान के बाद भी मुस्कराता हुआ किसी दरार से बाहर आ जाता है। उसका घोषणापत्र भी बड़ा वैज्ञानिक होगा— 'हम परिस्थितियों के नहीं, परिस्थितियाँ हमारी हैं।'

जनता भी कम अद्भुत नहीं। हर पाँच वर्ष बाद वह नई उम्मीदों का पौधा लगाती है। कुछ समय बाद वही पौधा पोस्टरों, नारों और वादों की बेल में उलझ जाता है। फिर चुनाव आता है, पुराने वादों पर नया रंग चढ़ता है और लोकतंत्र पुनः रंगाई-पुताई के लिए तैयार हो जाता है।

कॉकरोच जनता पार्टी का दावा है कि वे हर परिस्थिति में टिकेंगे। पिकनिक जनता पार्टी का दावा है कि वे हर परिस्थिति में घूमेंगे। एक सत्ता के गलियारों की दरारें खोजती है, दूसरी सत्ता के संकट में पर्यटन स्थल खोजती है। जनता दोनों को देखकर सोचती है— 'क्या मेरा वोट विकास के लिए था या किसी नए यात्रा पैकेज के लिए?'

लोकतंत्र का सबसे बड़ा संकट यह नहीं कि दल अधिक हो गए हैं; संकट यह है कि कुछ दल विचारों से नहीं, परिस्थितियों से जन्म लेते हैं। उनका संविधान सुविधा की जेब में रहता है और उनका सिद्धांत मौसम विभाग की भविष्यवाणी की तरह प्रतिदिन बदलता है।

वस्तुतः लोकतंत्र की असली परीक्षा चुनाव में नहीं, स्मृति में होती है। यदि जनता भूलती रहेगी तो कॉकरोचों की जीवटता और पिकनिकबाजों की पर्यटन-नीति दोनों फलती-फूलती रहेंगी। जिस दिन मतदाता स्मरण शक्ति को मताधिकार का साथी बना लेगा, उसी दिन न कॉकरोचों की अदृश्य सुरंगें बचेंगी और न पिकनिक की बसें लोकतंत्र की दिशा तय करेंगी।

लोकतंत्र में दलों की संख्या नहीं, चरित्र की गुणवत्ता महत्वपूर्ण होती है। अन्यथा राजनीति धीरे-धीरे संसद से कम और कीट-विज्ञान तथा पर्यटन-विज्ञान का संयुक्त प्रयोगशाला-अध्ययन अधिक लगने लगती है।

लघुकथाएं

■ असग़र वजाहत

पहचान

राजा ने हुक्म दिया कि उसके राज में सब लोग अपनी आँखें बंद रखेंगे ताकि उन्हें शांति मिलती रहे। लोगों ने ऐसा ही किया क्योंकि राजा की आज्ञा मानना जनता के लिए अनिवार्य है। जनता आँखें बंद किए-किए सारा काम करती थी और आश्चर्य की बात यह कि काम पहले की तुलना में बहुत अधिक और अच्छा हो रहा था। फिर हुक्म निकला कि लोग अपने-अपने कानों में पिघला हुआ सीसा डलवा लें क्योंकि सुनना जीवित रहने के लिए बिलकुल ज़रूरी नहीं है। लोगों ने ऐसा ही किया और उत्पादन आश्चर्यजनक तरीक़े से बढ़ गया।

फिर हुक्म ये निकला कि लोग अपने-अपने होंठ सिलवा लें, क्योंकि बोलना उत्पादन में सदा से बाधक रहा है। लोगों ने काफ़ी सस्ती दरों पर होंठ सिलवा लिए और फिर उन्हें पता लगा कि अब वे खा भी नहीं सकते हैं। लेकिन खाना भी काम करने के लिए बहुत आवश्यक नहीं माना गया। फिर उन्हें कई तरह की चीज़ें कटवाने और जुड़वाने के हुक्म मिलते रहे और वे वैसा ही करवाते रहे। राजा रातदिन प्रगति करता रहा। फिर एक दिन ख़ैराती, रामू और छिदू ने सोचा कि लाओ आँखें खोलकर तो देखें। अब तक अपना राज स्वर्ग हो गया होगा। उन तीनों ने आँखें खोलीं तो उन सबको अपने सामने राजा दिखाई दिया। वे एक दूसरे को न देख सके।

चार हाथ

एक मिल मालिक के दिमाग़ में अजीब-अजीब ख़याल आया करते थे जैसे सारा संसार मिल हो जाएगा, सारे लोग मज़दूर और वह उनका मालिक या मिल में और चीज़ों की तरह आदमी भी बनने लगेंगे, तब मज़दूरी भी नहीं देनी पड़ेगी, वग़ैरा-वग़ैरा। एक दिन उसके दिमाग़ में ख़याल आया कि अगर मज़दूरों के चार हाथ हो तो काम कितनी तेज़ी से हो और मुनाफ़ा कितना ज़्यादा। लेकिन यह काम करेगा कौन? उसने सोचा, वैज्ञानिक करेंगे, ये हैं किस मर्ज़ की दवा? उसने यह काम करने के लिए बड़े वैज्ञानिकों को मोटी

तनख़्वाहों पर नौकर रखा और वे नौकर हो गए। कई साल तक शोध और प्रयोग करने के बाद वैज्ञानिकों ने कहा कि ऐसा असंभव है कि आदमी के चार हाथ हो जाएँ। मिल मालिक वैज्ञानिकों से नाराज़ हो गया। उसने उन्हें नौकरी से निकाल दिया और अपने आप इस काम को पूरा करने के लिए जुट गया।

उसने कटे हुए हाथ मँगवाए और अपने मज़दूरों के फिट करवाने चाहे, पर ऐसा नहीं हो सका। फिर उसने मज़दूरों के लकड़ी के हाथ लगवाने चाहे, पर उनसे काम नहीं हो सका। फिर उसने लोहे के हाथ फिट करवा दिए, पर मज़दूर मर गए। आख़िर एक दिन बात उसकी समझ में आ गई। उसने मज़दूरी आधी कर दी और दुगुने मज़दूर नौकर रख लिए।

किताब समीक्षा : 'अवतार कौल द (इन) कम्प्लीट स्टोरी', लेखक : विनोद कौल, प्रकाशक : पब्लिकेशन डिवीजन मिनिस्ट्री ऑफ इनफार्मेशन एंड ब्रॉडकास्टिंग गवर्नमेंट ऑफ इंडिया, पेज : 280, मूल्य : 365

अवतार कौल : एक क़ाबिल डायरेक्टर जिसे बिसरा दिया गया

■ ज़ाहिद ख़ान

हिन्दी सिनेमा में जब भी समानांतर सिनेमा की बात होती है, तो कुछ फ़िल्म डायरेक्टरों का अहमियत से ज़िक्र होता है और बाक़ी को बिसरा दिया जाता है। जबकि कुछ डायरेक्टर और ऐसे हैं, जो सिर्फ़ एक फ़िल्म से फ़िल्मी दुनिया में अपनी अविस्मरणीय छाप छोड़ गए। आज भी उन्हें उनकी इन ऑल टाइम क्लासिक फ़िल्मों से जाना जाता है। इनमें पहला नाम, अवतार कौल और दूसरा रवीन्द्र धर्मराज है। 'चक्र' फ़िल्म के निर्देशक रवीन्द्र धर्मराज को महज़ 33 साल की उम्र मिली। और उनकी बद—क़िस्मती देखिए, जिस साल 1981 में उनकी फ़िल्म रिलीज हुई, उसी साल उनकी मौत हो गई। यानी फ़िल्म की कामयाबी देखने से पहले ही वे इस दुनिया से रुख़सत हो गए। ठीक यही कहानी इससे पहले अवतार कौल के साथ घटित हुई थी। और साल था 1974। जिस साल उनकी फ़िल्म '27 डाउन' को दो राष्ट्रीय पुरस्कारों—सर्वश्रेष्ठ फीचर फ़िल्म का राष्ट्रीय पुरस्कार और सर्वश्रेष्ठ फोटोग्राफ़ी के पुरस्कार से सम्मानित किए जाने का एलान हुआ, ठीक उसी दिन अपनी महिला दोस्त को समंदर में डूबने से बचाने के चक्कर में उनकी बेवक़्त मौत हो गई। अवतार कौल की उस वक़्त उम्र जानें, तो महज़ 35 साल थी। यह होनहार डायरेक्टर, जो काफ़ी जद्दोजहद कर इस मुक़ाम तक पहुँचा था, अपनी कामयाबी नहीं देख पाया। अवतार कौल की ज़िंदगी देखें, तो उनकी इब्तिदाई ज़िंदगी बेहद तकलीफ़देह रही। बचपन में अवतार ने एक चाय की दुकान और होटल पर भी काम किया। संघर्षों के बाद विदेश मंत्रालय में उन्हें एक छोटी—सी नौकरी मिल गई और उनका तबादला अमेरिका में हो गया। न्यूयॉर्क में नौकरी के दौरान उन्होंने वहाँ फ़िल्म निर्माण सीखा। भारत लौटने पर कौल ने मर्चेंट आइवरी प्रोडक्शंस की 'बॉम्बे टॉकी' में असिस्टेंट डायरेक्टर के तौर पर काम किया। और दो साल बाद अपनी पहली फ़िल्म '27 डाउन' शुरू की।

बहरहाल, '27 डाउन' जब रिलीज हुई, तो इसको न सिर्फ़ दर्शकों का बेशुमार प्यार मिला, बल्कि लीक से हटकर बनी इस आर्ट फ़िल्म की फ़िल्म क्रिटिक और एक्सपर्ट ने भी दिल से सराहना की। ख़ास तौर से फ़िल्म के निर्देशन, फोटोग्राफ़ी और राखी की अदाकारी को ख़ूब तारीफ़ मिली। फ़िल्म को अंतरराष्ट्रीय फ़िल्म समारोहों में भी सराहना और अवार्ड हासिल हुए। इतनी सारी उपलब्धियाँ हासिल करने के बावजूद '27 डाउन' और अवतार कौल दोनों को एक लंबे दौर तक गुमनामी का सामना करना पड़ा। समानांतर सिनेमा आंदोलन में उनको वह मुक़ाम हासिल नहीं हुआ, जिसके वह वास्तविक हक़दार थे। यही सब वजह हैं कि अवतार कौल के भांजे विनोद कौल ने उनके ऊपर एक शोधपरक किताब 'अवतार कौल द (इन) कम्प्लीट स्टोरी' लिखी, जो अवतार कौल के संघर्षमय जीवन और उनके फ़िल्मी सफ़र ख़ास तौर पर '27 डाउन' पर तफ़सील से नज़र डालती है। विनोद कौल, 'राज्यसभा टीवी' के कार्यकारी निदेशक पद पर रहे हैं। 'अवतार कौल द (इन) कम्प्लीट स्टोरी' तक़रीबन 280 पेज की है और दो हिस्सों में बँटी हुई है। किताब के पहले और अहम हिस्से में अवतार कौल की ज़िंदगानी के सफ़र को दस्तावेज़, मौखिक इतिहास, अभिलेखों और नायाब तस्वीरों के मार्फ़त पेश किया गया है। चौदह गहन शोधपरक अध्याय अवतार कौल के बचपन, नौजवानी, शिक्षा, संघर्षों और उनकी अमेरिकी पत्नी ऐन कौल की कहानी को तटस्थता और संवेदनशीलता के साथ प्रस्तुत करते हैं। वहीं किताब का दूसरा हिस्सा अवतार कौल को एक शख़्सियत और एक डायरेक्टर के तौर पर समझने की कोशिश है, जिसे उनके साथ काम करने वाले साथियों, क्रू मेम्बरों, जर्नलिस्ट, विद्वानों और फ़िल्म क्रिटिक के तजुर्बों और ख़यालात से बुना गया है। मसलन सिनेमेटोग्राफर ए.के.बीर, साउंड रिकॉर्डिस्ट अरुणोदय शर्मा, एफटीआईआई फैकल्टी पंकज सक्सेना, स्टूडेंट अर्पित गोयल, राइटर—जर्नलिस्ट अविजित घोष और फ़िल्म क्रिटिक ए.के.अरुण, जय अर्जुन सिंह के ख़यालात के मार्फ़त अलग—अलग नज़रिए पेश किए गए हैं। ताकि अवतार कौल की पूरी शख़्सियत और उनके डायरेक्शन का ढंग और तरीक़ा पाठकों को पता चले।

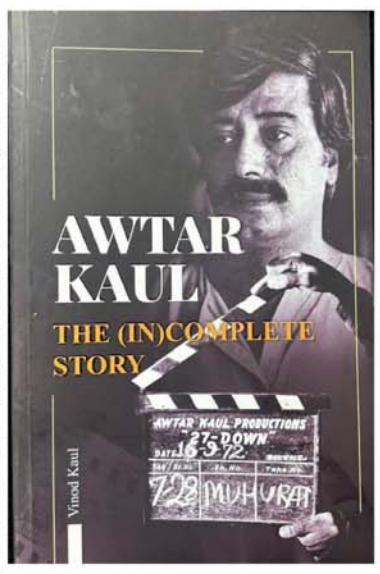

किताब उस दौर के भारत के सिनेमाई परिवेश, गवर्नमेंट पॉलिसी और उन हालात पर भी रोशनी डालती है, जिनके दरमियान अवतार कौल ने अपनी फ़िल्म बनाने का हौसला किया। यही वजह है कि यह महज़ एक जीवनीपरक किताब नहीं, बल्कि उस समय के सिनेमा, समाज और रचनात्मक संघर्षों का भी एक दिलचस्प दस्तावेज़ है। '27 Down on the Track' अध्याय, फ़िल्म की टीम के सिलेक्शन की पूरी प्रक्रिया को सामने लाता है। यह अवतार कौल की सिनेमा की गहरी समझ, दूरदृष्टि और क़ाबिलियत को पहचानने की अद्भुत क्षमता को उजागर करता है। कुछ चुनिंदा मेम्बर मसलन आर्ट डायरेक्टर बंसी चंद्रगुप्त को छोड़ दें, तो तक़रीबन पूरी टीम नई थी; कई लोगों के लिए तो यह पहली फ़िल्म ही थी। बाद के सालों में यही लोग इंडियन फ़िल्म इंडस्ट्री के प्रतिष्ठित और सम्मानित नामों में गिने जाने लगे। इनमें बाँसुरी वादक हरिप्रसाद चौरसिया, साधु मेहर, रेखा सबनिस, ओम शिवपुरी, नरेन्द्र सिंह और एम.के.रैना जैसे नाम शामिल हैं।

फ़िल्म निर्माण के समय सबसे चर्चित फ़िल्म की हीरोइन राखी थीं, जो यह जानते हुए भी कि यह अवतार कौल की पहली फ़िल्म है और '27 डाउन' में उन्हें बिना ग्लैमर के पेश किया जाएगा, फ़िल्म को करने के लिए राज़ी हो गईं। पूरी फ़िल्म में राखी बिना मेकअप के एक ही सूती साड़ी में नज़र आती हैं। डायरेक्टर अवतार कौल ने उन्हें बड़े ही ख़ूबसूरती से कैमरे में कैप्चर किया है। '20th July 1974' अध्याय अवतार कौल की ज़िंदगी के दो बेहद मुख़ालिफ़ और फ़ैसलाकुन लम्हों—उनकी रचनात्मक उपलब्धियों और उनकी बेवक्त मौत को एक साथ छूता है। एक ओर जहाँ यह उनके राष्ट्रीय पुरस्कार और सिनेमा में मिली मान्यता जैसे गौरवपूर्ण पलों को रेखांकित करता है, वहीं दूसरी ओर उनकी अचानक और अफ़सोसनाक मौत के ब्यौरे को भी सामने लाता है। अवतार कौल अपनी ज़िंदगी में '27 डाउन' के उस कम्प्लीट इफेक्ट को नहीं देख पाए, जो समय के साथ सामने आया। न ही उन्हें वह व्यापक पहचान मिल सकी, जो एक लंबे रचनात्मक ज़िंदगी से हासिल हो सकती थी।

'27 Down on the Track' और '27 Down Through My Eyes' जैसे अध्यायों में विनोद कौल ने फ़िल्म के निर्माण की पूरी प्रक्रिया का विस्तार से वर्णन किया है। इसमें नई कहानी और अकहानी के सशक्त हस्ताक्षर रमेश बक्षी के चर्चित उपन्यास 'अठारह सूरज के पौधे' के पटकथा में रूपांतरण से लेकर चलती ट्रेन में राखी जैसी स्थापित अभिनेत्री के साथ आम यात्रियों के बीच शूटिंग करने के अनुभवों को विस्तार से प्रस्तुत किया गया है। इन प्रसंगों को नायाब ब्लैक एंड व्हाइट और रंगीन तस्वीरों, एडिट स्क्रिप्ट्स और स्क्रिप्ट की कॉपियों के मार्फ़त प्रमाणिक तौर पर सामने रखा गया है। फ़िल्म '27 डाउन' के उस मशहूर टॉप-एंगल शॉट—जिसमें बॉम्बे वीटी पर लोकल ट्रेनों के रुकने के साथ खाली प्लेटफॉर्म कुछ ही पलों में भीड़ से भर जाता है—की योजना, तकनीकी तैयारी और निष्पादन पर विस्तार से चर्चा की गई है। साथ ही इस सीन को लेकर मुख़्तलिफ़ फ़िल्म समीक्षकों और विश्लेषकों के दृष्टिकोण तथा उसके सिनेमाई महत्व को भी किताब में शामिल किया गया है। बाद में यही सीन डायरेक्टर डैनी बॉयल की मोस्ट पॉपुलर और सुपरहिट फ़िल्म 'स्लमडॉग मिलियनेयर' के आख़िरी सीन में भी ज्यों के त्यों फ़िल्माया गया। इस सीन के अलावा सिनेमेटोग्राफर ए.के.बीर ने पूरी फ़िल्म में कमाल का कैमरा वर्क किया है। मसलन उन्होंने 1966 की फ़िल्म 'दि बैटल ऑफ़ अल्जीयर्स' से प्रेरणा लेकर सत्तर फ़ीसद फ़ोटोग्राफी हाथ के कैमरे से की। ताकि ट्रेन में भीड़ भरे माहौल को सही तरह से कैप्चर कर सकें। डायरेक्टर अवतार कौल ने छाया और प्रकाश का सही संतुलन बनाने के लिए फ़िल्म ब्लैक एंड व्हाइट में बनाई। फ़िल्म को प्रमाणिक बनाने के लिए उन्होंने ज़्यादातर शूटिंग वास्तविक लोकेशन यानी ट्रेन, रेलवे प्लेटफार्म, स्टीम यार्ड, रेलवे परिसर के बाहरी इलाकों और रेलवे क्वार्टर में की। यही नहीं उन्होंने बनारस के घाट और गलियों में भी फ़िल्म के अहम सीन फ़िल्माये। फ़िल्म का टाइटल '27 डाउन', बॉम्बे—वाराणसी एक्सप्रेस पर रखा गया। एक तरह से देखें, तो यह फ़िल्म पूरी तरह से प्रयोगधर्मी थी। जिसमें अवतार कौल ने नए—नए प्रयोग किए।

किताब में फ़िल्म '27 Down' के सब्जेक्ट, उसके सिनेमाई ट्रीटमेंट और किरदारों के माध्यम से सामाजिक दबावों के बीच फ़ैसला न ले पाने की दार्शनिक स्थिति का भी विश्लेषण किया गया है। ख़ास तौर पर पुरानी और नई पीढ़ी का वैचारिक द्वंद्व, जो आज भी किसी न किसी रूप में जारी रहता है। फ़िल्म के अहम किरदार संजय (एम.के. रैना) और शालिनी (राखी) का जीवन के महत्वपूर्ण क्षणों में अनिर्णय की स्थिति में रहना ही '27 Down' का केन्द्रीय विषय है। लेखक विनोद कौल का मानना है कि अवतार कौल की फ़िल्म '27 डाउन' मुख्यत: दो पटरियों पर चलती है—पहली उसकी कथा और दूसरी उसका छायांकन। इन दोनों पक्षों के प्रमुख सूत्रधार क्रमश: कथाकार रमेश बक्षी और छायाकार ए.के.बीर रहे हैं। इन्हीं दोनों रचनात्मक सहयोगियों के साथ अवतार कौल के पेशेवर और व्यक्तिगत संबंधों को आधार बनाते हुए किताब में दो पृथक अध्याय—'Awtar and Bir's Duo : Creation of the Over-the-Shoulder Shot' और 'A Shared Vision of Awtar and Bakshi' शामिल किए गए हैं। फ़िल्म के निर्माण से लेकर उसके फ़िल्मांकन तक की पूरी यात्रा में ये दोनों लंबे समय तक अवतार कौल के साथ जुड़े रहे तथा इस रचनात्मक सफ़र और उससे जुड़े विविध अनुभवों के सहभागी बने। दरअसल, इन अध्यायों के मार्फ़त लेखक विनोद कौल, अवतार कौल को सिर्फ़ एक डायरेक्टर के तौर पर ही नहीं, बल्कि एक संवेदनशील, विचारशील और मानवीय व्यक्तित्व के रूप में भी सामने लाने में कामयाब रहे हैं। और यही उनकी किताब का मक़सद है। एक क़ाबिल डायरेक्टर को उसका वास्तविक हक़ मिले, जो वक़्त की गर्द में कहीं दब सा गया है। और उसे जाने—अनजाने बिसराने की कोशिश भी होती रहती है।

94 लाख पौधरोपण के साथ हुआ वृक्षारोपण महायज्ञ का शुभारंभ

- गोविंदसागर बाँध की तलहटी में हुआ मुख्य आयोजन
- जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों, बच्चों और आमजन ने लगाये 'एक पेड़ माँ के नाम'

ललितपुर। वृक्षारोपण महाभियान का शुभारंभ करते राज्यमंत्री, विधायक व डीएम-एसपी।

ललितपुर। प्रदेश सरकार के महत्वाकांक्षी 35 करोड़ वृक्षारोपण महायज्ञ-2026 के अंतर्गत रविवार को जनपद में वृहद वृक्षारोपण अभियान का भव्य शुभारंभ जनपद में गोविंद सागर बांध की तलहटी से हुआ। पूरे जिले में लगभग 94 लाख पौधों के रोपण का लक्ष्य निर्धारित किया गया, जिसके तहत जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों, समाजसेवियों, स्वयंसेवी संस्थाओं, पत्रकारों, स्कूली बच्चों और आम नागरिकों ने उत्साहपूर्वक पौधारोपण कर अभियान को जनआंदोलन का स्वरूप दिया। इस दौरान सभी ने एक पेड़ मां के नाम लगाने और उसके संरक्षण का संकल्प लिया।

कार्यक्रम का आयोजन वन विभाग के तत्वावधान में किया गया। आयोजन के मुख्य अतिथि राज्यमंत्री मनोहर लाल पंथ रहे। गणमान्य अतिथियों में विधायक रामरतन कुशवाहा, जिला पंचायत अध्यक्ष कैलाश नारायण निरंजन, नपाध्यक्ष सोनाली जैन, शिक्षक विधायक प्रतिनिधि केदारनाथ तिवारी मौजूद रहे। संचालन प्रभागीय निदेशक नवीन प्रकाश शाक्य ने किया। राज्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री के नेतृत्व में प्रदेश में एक ही दिन 35 करोड़ पौधों का रोपण देश के लिए गौरव का विषय है। उन्होंने कहा कि प्रत्येक परिवार को अपने खेत, मेड़, आंगन और सार्वजनिक स्थानों पर फलदार एवं छायादार पौधे लगाने चाहिए। विधायक ने कहा कि प्रत्येक व्यक्ति कम से कम एक पौधा अपनी मां के नाम अवश्य लगाए और उसकी देखभाल की जिम्मेदारी भी निभाए। जिला पंचायत अध्यक्ष ने कहा कि यह जनपद प्राकृतिक संपदा से समृद्ध है और इसे और अधिक हराभरा बनाने के लिए जनसहभागिता अत्यंत आवश्यक है। नपाध्यक्ष सोनाली जैन ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण केवल सरकारी जिम्मेदारी नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक का कर्तव्य है। जिलाधिकारी सत्य प्रकाश ने सभी अतिथियों और प्रतिभागियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि पेड़ मानव जीवन के आधार हैं। मुख्य कार्यक्रम के बाद जिलाधिकारी एवं झांसी मंडल की अपर आयुक्त प्रियंका निरंजन कल्याणपुरा गौशाला के समीप विकसित मियावाकी वन का निरीक्षण करने पहुंचे। यहां परिषदीय विद्यालयों के बच्चों ने हाथों में तिरंगा लेकर अतिथियों का स्वागत किया। अधिकारियों ने बच्चों के साथ पौधारोपण किया तथा उन्हें पर्यावरण संरक्षण का महत्व समझाया। निरीक्षण के दौरान मियावाकी पद्धति से लगाए गए वृक्षों की उत्कृष्ट वृद्धि देखकर अधिकारियों ने संतोष व्यक्त किया। अधिकारियों ने कल्याणपुरा स्थित ग्राम पंचायत की दूसरी साइट पर भी पौधारोपण किया और स्कूली बच्चों से पौधे लगवाकर उन्हें पौधों की देखभाल का संकल्प दिलाया। कार्यक्रम में पुलिस अधीक्षक मो.मुस्ताक, सीडीओ शेषनाथ चौहान, डीसी बीबी जीरामजी रमेश कुमार यादव, डीआईओए विभिन्न विभागों के अधिकारी, जनप्रतिनिधि, स्वयंसेवी संस्थाओं सदस्य, पत्रकार, स्कूली बच्चे तथा बड़ी संख्या में आम नागरिक उपस्थित रहे।

बजाज फाइनेंस का कर्मचारी बता महिला से की अभद्रता, मुकदमा दर्ज

ललितपुर। सदर कोतवाली क्षेत्र के नई तहसील के पीछे स्थित पिसनारी बाग निवासी उपेन्द्र सिंह राय पुत्र बालचन्द्र राय ने दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि 30 जून 2026 की रात करीब 10.15 बजे उनके पिता के मोबाइल फोन पर एक अज्ञात नंबर से कॉल आई। कॉल करने वाले व्यक्ति ने स्वयं को बजाज फाइनेंस का कर्मचारी बताते हुए कहा कि उनकी किस्त बाउंस हो गई है और तत्काल भुगतान करना होगा। उपेन्द्र के अनुसार उनकी मां ने फोन पर कहा कि अगले दिन दोपहर तक किस्त जमा कर दी जाएगी, लेकिन इतना सुनते ही कॉल करने वाला व्यक्ति आपा खो बैठा और महिला के साथ अशोभनीय एवं अमर्यादित भाषा का प्रयोग करते हुए अभद्रता करने लगा। परेशान होकर उनकी मां ने फोन काट दिया। बताया कि जब उनकी मां ने पूरी घटना की जानकारी उन्हें दी तो उन्होंने उसी नंबर पर वापस कॉल कर महिला से अभद्र व्यवहार का कारण पूछा। इस पर आरोपी ने उनके साथ भी गालीगलौज शुरू कर दी। जब उपेन्द्र ने पुलिस में शिकायत करने की बात कही तो आरोपी ने फोन काट दिया, लेकिन कुछ ही मिनट बाद रात करीब 10.23 बजे उसने दोबारा फोन कर उपेन्द्र को जान से मारने की धमकी दी। घटना के बाद पीड़ित ने उसी रात जनसुनवाई पोर्टल पर ऑनलाइन शिकायत दर्ज कराई। शिकायत की जांच के दौरान संबंधित व्यक्ति की पहचान वीरपाल उर्फ वीरूराजा पुत्र अमर सिंह के रूप में हुई। जांच रिपोर्ट और तहरीर के आधार पर कोतवाली पुलिस ने आरोपी के खिलाफ बीएनएस की धारा 352 और 351-3 के तहत मुकदमा दर्ज कर लिया है।

जमानत सत्यापन में फर्जीबाड़ा : नकली मोहर लगाकर करते थे फर्जी सत्यापन

- जाखलौन पुलिस ने उजागर किया दो साल से चल रहा खेल
- आरोपी को गिरफ्तार कर बरामद कीं 12 फर्जी मोहरें, आधार कार्ड की प्रतियाँ और दस्तावेज

ललितपुर। पकड़ा गया शातिर सत्यापनकर्ता।

ललितपुर। जाखलौन थाना पुलिस ने जमानत सत्यापन में फर्जी दस्तावेज तैयार कर धोखाधड़ी करने वाले एक वांछित आरोपी को गिरफ्तार कर एक बड़े फर्जीवाड़े का खुलासा किया है।

पुलिस के अनुसार आरोपी पिछले करीब दो वर्षों से फर्जी जमानत सत्यापन कर लाखों रुपये की अवैध कमाई कर रहा था। एसपी मो.मुस्ताक के निर्देशन में, एएसपी कालू सिंह, सीओ सदर अजय कुमार के पर्यवेक्षण में अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत थाना जाखलौन पुलिस ने अपराध संख्या 152/2026 में वांछित अभियुक्त ग्राम जमुनिया निवासी देवेन्द्र पुत्र धन्नालाल अहिरवार को गिरफ्तार किया। आरोपी के विरुद्ध बीएनएस की धारा 318-4, 336-3, 338, 340-2 एवं 61-2 के तहत मुकदमा दर्ज है। गिरफ्तारी के बाद उसे न्यायिक अभिरक्षा के लिए न्यायालय में पेश किया गया। पुलिस के अनुसार कोतवाली क्षेत्र के रावतयाना निवासी समीर पुत्र सलीम ने शिकायत दर्ज कराई थी कि उसके भाई की जमानत सत्यापन कराने के नाम पर देवेन्द्र ने उससे 10 हजार रुपये लिए थे। जब समीर को सत्यापन संबंधी दस्तावेजों पर संदेह हुआ तो उसने पुलिस से शिकायत की। जाँच में मामला फर्जीवाड़े का निकला, जिसके बाद मुकदमा दर्ज कर विवेचना शुरू की गई। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक ने तीन विशेष टीमें गठित की थीं। इन टीमों ने तकनीकी एवं मैनुअल सर्विलांस, वैज्ञानिक साक्ष्य और अन्य प्रमाणों के आधार पर आरोपी तक पहुंचकर उसे गिरफ्तार किया। पुलिस का कहना है कि मामले में अन्य पहलुओं की भी जाँच जारी है। पूछताछ में आरोपी ने बताया कि उसकी कई अधिवक्ताओं से पहचान है और वह उनके माध्यम से जमानत सत्यापन का काम करता था। शुरुआत में वह वैध तरीके से थाना और तहसील से सत्यापन कराता था, लेकिन अधिक कमाई के लालच में करीब दो वर्ष पहले उसने थाना जाखलौन तहसील सदर तथा कई ग्राम प्रधानों की मोहरें बाहर से बनवा लीं। आरोपी ने स्वीकार किया कि जिन अभियुक्तों को जमानतदार नहीं मिलते थे, उनसे वह 20 से 25 हजार रुपये लेकर फर्जी सत्यापन कराने का ठेका लेता था। उसने यह भी बताया कि एक मामले में उसने न्यायालय से जमानत सत्यापन की फाइल चुपके से निकालकर उसकी नकल तैयार कराई और उस पर पुलिस अधिकारियों, लेखपाल, कानूनगो तथा थाना प्रभारी के फर्जी हस्ताक्षर और नकली मोहर लगाकर जाली सत्यापन रिपोर्ट तैयार की। आरोपी ने यह भी कबूल किया कि पिछले दो वर्षों में उसने कोतवाली, जाखलौन तथा आसपास के कई थानों और तहसीलों से जुड़े जमानत सत्यापन के फर्जी दस्तावेज तैयार कर लाखों रुपये कमाए। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से प्रभारी निरीक्षक जाखलौन, प्रभारी निरीक्षक कोतवाली, तहसीलदार, थानाए ग्राम प्रधानों सहित विभिन्न विभागों की 12 मोहरें, 21 जमानतदारों के आधार कार्ड की छायाप्रतियां एवं खतौनी की प्रतियां, तथा सैमसंग कंपनी का एक मोबाइल फोन बरामद किया है। पूरी कार्रवाई जाखलौन थानाध्यक्ष अर्जुन सिंह के नेतृत्व में पुलिस टीम ने की। पुलिस अब यह भी जांच कर रही है कि आरोपी द्वारा तैयार किए गए फर्जी दस्तावेजों का इस्तेमाल किन-किन मामलों में किया गया और इस पूरे फर्जीवाड़े में कोई अन्य व्यक्ति भी शामिल था या नहीं।

न्यूज ब्रीफ

श्रीवास-रजक समाज की चुनावी बैठक में एकजुटता पर दिया जोर

ललितपुर। बैठक में आये रजक बंधु।

ललितपुर। रजक श्रीवास समाज की जिला कार्यकारिणी भंग होने के बाद नई कार्यकारिणी के गठन को लेकर समाज में गतिविधियां तेज हो गई हैं। रविवार को मुख्यालय स्थित चंद्रशेखर आजाद कम्पनी बाग में समाज की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में आगामी जिला कार्यकारिणी के चुनाव को लेकर विस्तृत चर्चा की गई। उपस्थित स्वजातीय बंधुओं ने संगठन को मजबूत एवं सक्रिय बनाने के उद्देश्य से सुझाव और विचार रखे। सर्वसम्मति एवं पारदर्शिता के साथ चुनाव प्रक्रिया संपन्न कराने पर भी जोर दिया गया। बैठक में कार्यकारी अध्यक्ष धनीराम रजक के साथ रामगुलाम रजक, रामविलास रजक, राहुल रजक, नीलू रजक, कृष्ण कुमार श्रीवास, बालचंद श्रीवास, महेश श्रीवास, विवेक श्रीवास, प्रभु दयाल श्रीवास, मुकेश श्रीवास, जगन्नाथ श्रीवास, हरगोविंद श्रीवास, सुनील श्रीवास, नरेंद्र, राजेश श्रीवास, एड.प्रताप रजक, जुगल किशोर श्रीवास, पूरन, हरीओम श्रीवास व स्वजातीय बंधु उपस्थित रहे। अंत में समाज की एकता, संगठन की मजबूती तथा निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण ढंग से चुनाव संपन्न कराने का संकल्प लिया गया।

ललितपुर। पौधरोपण करतीं नपाध्यक्ष व राज्यमंत्री।

एक पेड़ माँ के नाम : नगर पालिका ने 52,600 पौधे लगाने का लिया संकल्प

राज्यमंत्री और नपाध्यक्ष ने किया पौधारोपण

ललितपुर। एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत नगर पालिका परिषद ने वृहद पौधारोपण अभियान का शुभारंभ किया। शुभारंभ वार्ड-20 स्थित मोहल्ला तालाबपुरा के सुम्मेरा तालाब परिसर में राज्यमंत्री मनोहर लाल के मुख्य आतिथ्य एवं नपाध्यक्ष सोनाली जैन के नेतृत्व में पौधारोपण कर किया गया।

नपाध्यक्ष को शासन द्वारा दिए गए 52,600 पौधारोपण के लक्ष्य को पूरा करने का संकल्प लिया गया। अभियान के अंतर्गत सुम्मेरा तालाब, नेहरूनगर श्मशान घाट, जुगपुरा श्मशान घाट, गोविंद सागर बांध के साइफन के समीप तलहटी, पंचमुखी हनुमान मंदिर, बालखंडी मंदिर सहित नगर के विभिन्न सार्वजनिक स्थलों पर छायादार, फलदार एवं पर्यावरण संरक्षण के लिए उपयोगी पौधों का रोपण किया गया। कार्यक्रम में जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों एवं नागरिकों ने पौधारोपण के साथ पौधों की नियमित देखभाल और संरक्षण का भी संकल्प लिया। मुख्य अतिथि राज्यमंत्री ने कहा कि बढ़ते प्रदूषण और जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों से निपटने के लिए प्रत्येक नागरिक को वृक्षारोपण में सक्रिय भागीदारी निभानी चाहिए। नपाध्यक्ष सोनाली जैन ने कहा कि वृक्ष हमारे जीवन की आधारशिला हैं। इस दौरान मुन्नालाल जैन, बब्बू राजा, पार्षद जगदीश यादव, पार्षद प्रतिनिधि अमरदीप रजक, अधिशासी अधिकारी दिनेश कुमार विश्वकर्मा, अवर अभियंता निधि पाण्डेय, सफाई निरीक्षक जितेंद्र स्वरूप तिवारी, प्रभारी सफाई निरीक्षक महेंद्र सिंह यादव, जिला कार्यक्रम प्रबंधक दीपक कुमार, निर्माण लिपिक दीपेंद्र कुमार, नजूल लिपिक सुधीर रावत, हितेंद्र रैकवार, हेड सुपरवाइजर संजय कुमार, गैराज प्रभारी अमित कुमार सहित अधिकारी, कर्मचारी एवं नागरिक उपस्थित रहे।

राष्ट्रीय बजरंग दल ने वृक्षारोपण कर दिया पर्यावरण संरक्षण का संदेश

ललितपुर। पौधरोपण करते बजरंग दल पदाधिकारी।

ललितपुर। राष्ट्रीय बजरंग दल के कार्यकर्ताओं ने नेहरूनगर स्थित बच्चा जेल के आगे ग्रेनाइट परिसर में वृक्षारोपण अभियान चलाया। कार्यक्रम का नेतृत्व संगठन जिला उपाध्यक्ष अंकुश राजवंश ने किया। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने विभिन्न प्रजातियों के पौधे रोपित कर उनके संरक्षण का संकल्प लिया।

कार्यक्रम के दौरान लोगों को अधिक से अधिक पौधे लगाने और उनकी देखभाल करने के लिए प्रेरित किया गया। कार्यक्रम में रोहित कुशवाहा (नगर गौ रक्षा प्रमुख), करण रैकवार (वार्ड महामंत्री, नेहरू नगर), लकी अहिरवार (वार्ड उपाध्यक्ष, नेहरू नगर), रोहित पाल, सिलचंद कुशवाहा, नरेंद्र कश्यप, पुष्पेंद्र सहित राष्ट्रीय बजरंग दल के अनेक कार्यकर्ता उपस्थित रहे। सभी ने नियमित वृक्षारोपण करने तथा लोगों को जागरूक करने का संकल्प लिया।

मंत्री नन्दगोपाल नंदी के पुनर्प्राप्त जन्मोत्सव पर किये जनकल्याण कार्यक्रम

- मंदिर में रुद्राभिषेक कर बाँटा 1500 श्रद्धालुओं को हलुआ प्रसाद
- मदर टेरेसा व अन्नपूर्णा में कराया भोजन, गौशाला में गौ-भोज

ललितपुर। दौरान भोजन वितरण करते मंत्री समर्थक।

ललितपुर। उत्तर प्रदेश सरकार के औद्योगिक विकास, निर्यात प्रोत्साहन, एनआरआई एवं निवेश प्रोत्साहन मंत्री नंद गोपाल गुप्ता नंदी के पुनर्प्राप्त जन्मोत्सव पर वैश्य समाज के तत्वावधान में रविवार को नगर में धार्मिक, सामाजिक एवं सेवा कार्य आयोजित किये गये।

कार्यक्रमों के दौरान मंत्री नंदी के उत्तम स्वास्थ्य, दीर्घायु एवं यशस्वी जीवन की कामना करते हुए समाजसेवा का संदेश दिया गया। 11 जुलाई को ग्राम पनारी स्थित मदर टेरेसा चैरिटेबल ट्रस्ट में असहाय बच्चों को भोजन कराया गया। रविवार सुबह घंटाघर स्थित श्रीथानेश्वर महादेव मंदिर में भगवान भोलेनाथ का विधिविधान से रुद्राभिषेक, शिवार्चन कर विशेष पूजा-अर्चना की गई। मंदिर परिसर में करीब 1500 लोगों को वृहद स्तर पर हलुआ प्रसाद का वितरण किया गया। दोपहर स्वशासी राज्य चिकित्सा महाविद्यालय परिसर स्थित श्रीअन्नपूर्णा भोजनशाला में सैकड़ों जरूरतमंदों को भोजन कराया गया। सायं गौपुत्र सेना के सहयोग से श्रीवर्णी जैन इंटर कॉलेज के सामने संचालित गौशाला में गौ-भोज कराया गया। कार्यक्रम में वैश्य समाज अध्यक्ष अज्जू बाबा, महामंत्री दीपक अग्रवाल, उपाध्यक्ष भीम चौरसिया, वरिष्ठ भाजपा नेता प्रदीप चौबे, डा.राजकुमार, हेमंत रोंडा, सुरेन्द्र लारिया, दीपक सिंघई, मनीष जैन मंगू, संजीव जैन सीए, डा.राजीव निरंजन, हनी सराफ, कैट जिलाध्यक्ष अंशुल बड़कुल, मनीष जैन राजू, चंद्रेश जैन सेतु, गौरव जैन टोनू, राजू डोडवानी, अजय पहलवान, स्वदेश अग्रवाल डब्बू, रजत खण्डेलवाल, शुभम गुप्ता, आकाश गुप्ता, दीपक गारमेंट, आशीष ओशो, दिलीप सोनी (नाराहट), प्रवीण गुप्ता, संजय रसिया, आर्यन जैन रोंडा सहित वैश्य समाज एवं नगर के अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

16 वर्ष पहले मौत को दी थी मात

12 जुलाई 2010 को सावन माह में जलाभिषेक के लिए जा रहे उत्तर प्रदेश सरकार के मंत्री नंद गोपाल गुप्ता नंदी पर प्रयागराज में आरडीएक्स विस्फोट से जानलेवा हमला हुआ था। इस हमले में एक वरिष्ठ पत्रकार और एक नागरिक की मृत्यु हो गई थी, जबकि नंदी गंभीर रूप से घायल हुए थे। कई महीनों तक चले उपचार के बाद वह स्वस्थ होकर सार्वजनिक जीवन में लौटे। इसी घटना को नई जिंदगी मिलने का प्रतीक मानते हुए प्रत्येक वर्ष 12 जुलाई को उनका पुनर्प्राप्त जन्मोत्सव मनाया जाता है।

सभीजन वृक्षारोपण कर पर्यावरण बचायें : प्रदीप चौबे

नेमवि में एक पेड़ माँ के नाम अभियान के तहत किया गया वृक्षारोपण

ललितपुर। पौधरोपण करता महाविद्यालय परिवार।

ललितपुर। उच्च शिक्षा विभाग उत्तर प्रदेश शासन के निर्देश पर नेहरू महाविद्यालय परिसर में एक पेड़ मां के नाम अभियान के अन्तर्गत महाविद्यालय की भूमि में वृहद वृक्षारोपण किया गया।

वृक्षारोपण अभियान का शुभारम्भ महाविद्यालय प्रबंधक प्रदीप चौबे एवं प्राचार्य प्रो.ओमप्रकाश शास्त्री ने स्वयं एक पेड़ मां के नाम लगाकर किया। प्रदीप चौबे ने कहा कि इस धरा पर यदि वृक्ष रहेंगे तभी मानव जीवन सुरक्षित रहेगा। उन्होंने प्राध्यापकों, कर्मचारियों और आमजन को प्रेरित करते हुए कहा कि वृक्षारोपण कर कर राष्ट्रीय कार्यक्रम में सहभागिता कर पर्यावरण बचाने में सहयोग करें। प्राचार्य प्रो.ओमप्रकाश शास्त्री ने कहा कि यदि हमें अपने जीवन को सुरक्षित रखना है तो हमें पीपल, बरगद, बेल, आंवला, आम, अशोक जैसे प्राणवायु प्रदायक वृक्षों को लगाना चाहिए। इस अवसर पर प्रो.अनिल सूर्यवंशी, हिमांशधर द्विवेदी, जितेन्द्र कुमार, डा.सुधाकर उपाध्याय, डा.ओ.पी. चौधरी, डा.राजेश तिवारी, डा.अमित सोनी, प्रदीप कुमार, डा.हरीशचंद्र दीक्षित, डा.अरिमर्दन सिंह, डा.अवनीश त्रिपाठी, डा.लक्ष्मीकांत मिश्रा,डा.जगत कौशिक, डा.बलराम द्विवेदी, मनीष वर्मा, डा.संतोष सिंह, डा.गीरेन्द्र सिंह, इं.विपिन शुक्ला. इं.सौरभ श्रीवास्तव, डा.रोहित वर्मा, सुकपाल, अतुल मिश्रा, डा.सत्यदेव, डा.अनूप दीक्षित, डा.वर्षा साहू, डा.पराग कुमार, संदीप श्रीवास्तव,डा.रामकुमार रिछारिया, कविता पैजवार, डा.रिचाराज सक्सेना, विवेक पाराशर, फहीम बख्श, हरीप्रसाद, राजीव गोस्वामी, अंकित चौबे, रमेशपाल, सुरेशपाल, राकेश कुमार, मिलन सेन, कमलेश कुमार, दीपक सेन, हरिकेश सोलंकी आदि ने एक पेड़ मां के नाम लगाया। डा.लक्ष्मीकांत मिश्रा ने आभार जताया।

प्रोजेक्ट नई किरण : फिर मिला दिया एक बिछुड़ता परिवार

ललितपुर। पारिवारिक समस्याओं को सुनते एएसपी व सदस्यगण।

ललितपुर। उत्तर प्रदेश पुलिस की महत्वाकांक्षी पहल प्रोजेक्ट नई किरण के तहत ललितपुर पुलिस ने एक बार फिर एक बिखरते रिश्ते को बचाकर नई जिंदगी दी।

रविवार को रिजर्व पुलिस लाइन में आयोजित काउंसलिंग एवं परामर्श सत्र के दौरान आपसी मतभेदों से जूझ रहे एक परिवार का सफलतापूर्वक पुनर्मिलन कराया गया। दोनों पक्षों ने सभी विवाद भुलाकर पुनरू साथ रहने की सहमति जताईए जबकि चार अन्य मामलों में सुनवाई के लिए अगली तिथि निर्धारित की गई। पुलिस अधीक्षक मो.मुस्ताक के निर्देशन में आयोजित इस काउंसलिंग कार्यक्रम में विभिन्न थानों से प्राप्त पति-पत्नी संबंधी विवादों की सुनवाई की गई। विशेषज्ञों और टीम के सदस्यों ने दोनों पक्षों की बातें गंभीरता से सुनीं तथा आपसी संवाद, समझाइश और सकारात्मक परामर्श के माध्यम से रिश्तों में आई दूरियों को समाप्त करने का प्रयास किया। काउंसलिंग के दौरान एक परिवार ने आपसी सहमति से सभी मतभेद समाप्त कर पुनरू साथ रहने का निर्णय लिया। समझौते के बाद पति-पत्नी एवं परिजनों ने एक-दूसरे को मिठाई खिलाकर रिश्तों में लौटे विश्वास और प्रेम का प्रतीकात्मक संदेश दिया। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि प्रोजेक्ट नई किरण का उद्देश्य पारिवारिक एवं वैवाहिक विवादों का न्यायालय से पहले आपसी संवाद और काउंसलिंग के माध्यम से सौहार्दपूर्ण समाधान कराना है, ताकि टूटते परिवारों को बचाया जा सके तथा परिवारों में विश्वास, सामंजस्य और खुशहाली का वातावरण स्थापित हो। इस दौरान एएसपी कालू सिंह, अजय बरया, डा.एसपी पाठक, डा.जनक किशोरी शर्मा, डा.दीपक चौबे, संजीव कुमार शर्मा, सुभाष जैन, एडवोकेट अरमान कुरैशी, महिला आरक्षी सिमरन तथा महिला आरक्षी माधवी शर्मा उपस्थित रहे।

वृक्षारोपण महायज्ञ मे वृक्ष बचाने की जनप्रतिनिधियो ने ली शपथ

चित्रकूट। कैबिनेट मंत्री बेबीरानी मौर्य के साथ शपथ लेते जनप्रतिनिधि ।

चित्रकूट। वृक्षारोपण महायज्ञ के अंतर्गत चित्रकूट वन प्रभाग एवं रानीपुर टाइगर रिजर्व द्वारा सुमेरगिरि वन ब्लॉक ग्राम पंचायत हनुवा में कैबिनेट मंत्री महिला कल्याण बाल विकास एवं पुष्टाहार विभाग बेबीरानी मौर्य एवं सदस्य गौ सेवा आयोग राजेश सिंह सेंगर द्वारा हरिशंकरी एवं नवग्रह वाटिका में पौधरोपण कर अभियान का शुभारंभ किया गया। इसके उपरांत अतिथियों ने सेल्फी प्वाइंट पर छायाचित्र खिंचवाए तथा जैव विविधता, जड़ी-बूटी, फोटो गैलरी, ओडीओपी एवं पौध भंडारा स्टॉल का अवलोकन किया।

कार्यक्रम मे शोभन सरकार के विद्यार्थियों द्वारा वैदिक मंत्रोच्चार एवं लोकनायक दयाराम द्वारा स्वागत गीत प्रस्तुत किया गया। प्रभागीय वनाधिकारी प्रत्युष कुमार कटियार ने बताया कि वर्ष 2026 में जनपद को 86 लाख पौधरोपण का लक्ष्य प्राप्त हुआ, जिसे 24 विभागों के सहयोग से पूर्ण किया गया। प्रातः 7 बजे से सायं 6 बजे तक जनपद के विद्यालयों, पीएचसी, सीएचसी, ग्राम पंचायतों, अतिथि गृहों एवं अन्य संस्थानों में जनसहभागिता वातावरण में पौधरोपण किया गया। कार्यक्रम में नुक्कड़ नाटक, पर्यावरण गीत अतिथियों द्वारा किया बच्चों को पौधों का वितरण भी किया गया।

मंत्री बेबी रानी मौर्य ने कहा कि वृक्ष शुद्ध वायु, स्वस्थ जीवन एवं दीर्घायु का आधार हैं तथा प्रत्येक व्यक्ति को वृक्षारोपण एवं संरक्षण का संकल्प लेना चाहिए। राजेश सिंह सेंगर ने एक पेड़ माँ के नाम अभियान को जनआंदोलन बनाने एवं आने वाली पीढ़ियों के लिए हरित पर्यावरण सुनिश्चित करने का आह्वान किया।

इस अवसर पर अशोक जाटव जिला पंचायत अध्यक्ष, पंकज अग्रवाल सहकारी अध्यक्ष, अरुण कुमार सिंह पुलिस अधीक्षक, प्रत्युष कुमार कटियार प्रभागीय वनाधिकारी, उपस्थित रहे।

हर शिक्षक लगाए एक पौधा :रंजना शुक्ला

पीएम श्री कंपोजिट विद्यालय कछार पुरवा से वृक्षारोपण महायज्ञ की शुरुआत

चित्रकूट। पीएमश्री कंपोजिट विद्यालय कछार पूर्व में रंजना शुक्ला जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी बादाम एवं आम का वृक्ष लगाकर वृक्षारोपण की शुरूआत किया। रंजना शुक्ला ने कहा कि विद्यालय में लक्ष्य के सापेक्ष सभी वृक्ष लगाए जाएं तथा ईको क्लब सदस्य एवं शिक्षक मिलजुल कर उन वृक्षों की देखरेख कर तथा तैयार करें जिससे हमारा पर्यावरण स्वच्छ एवं हरित रहे सभी शिक्षक बच्चों को हरीतिमा हरियाली के बारे में बताएं तथा प्रत्येक विद्यालय में किचन गार्डन हर्बल गार्डन हरा-भरा वातावरण बनाए जिससे विद्यालय का वातावरण सुंदर एवं सुसज्जित लगे तथा पर्यावरण शुद्ध रहे जिससे बच्चे भविष्य में भी पर्यावरण के प्रति सचेत रहें टारगेट के अतिरिक्त भी सभी शिक्षक एक-एक पौधा विद्यालय या बाहर रोपित करें जिससे पर्यावरण स्वच्छ हो श्रीमती शुक्ला विद्यालय में स्थित हर्बल गार्डन, किचन गार्डन को देखा तथा जनपदके शिक्षकों को संदेश देते हुए कहा कि सहजन कढ़ी पत्ता तथा अन्य आयुर्वेद पौधे एवं शाक भाजी के अन्य पौधे तैयार करें तथा बच्चों को उनकी उपयोगिता के बारे में बताएं उन्होंने इस विद्यालय द्वारा किए गए प्रयास की सराहना की उन्होंने पुस्तकालय ,कंप्यूटर लैब, आईसीटी लैब का भी निरीक्षण किया इस मौके पर विद्यालय की प्रधानाध्यापिका रचना यादव ने भी बच्चों एवं शिक्षकों से एक-एक पेड़ लगाने तथा उनको जिम्मेदारी पूर्वक तैयार करने को कहा।

चित्रकूट। वृक्षारोपण करती बीएसए व विद्यालय शिक्षक।

इस मौके पर सुशीला पांडे विद्यासागर सिंह सरला देवी रंजन चंदेल ममता देवी सोनू गौतम सियाराम सिंह प्रियंका द्विवेदी संजू यादव नीलम देवी सविता देवी मुन्नी बाई उषा देवी रुकमणी सहित तमाम बच्चे उपस्थित रहे।

मंडलायुक्त ने वृक्षारोपण महायज्ञ का किया शुभारंभ

चित्रकूट। वृक्षारोपण करते मंडलायुक्त अजीत कुमार व पद्मश्री उमाशंकर पाण्डेय। पर्यावरणविद् जुगनू खांन को प्रशस्ति पत्र देते कमिश्नर

चित्रकूट। पर्यावरण संरक्षण, हरित विकास और जनभागीदारी को समर्पित एक पेड़ मां के नाम वृक्षारोपण महायज्ञ का जनपद में शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि मंडलायुक्त अजीत कुमार तथा पद्मश्री सम्मानित उमाशंकर पांडेय रहे। उन्होंने पौधरोपण कर अभियान का शुभारंभ किया तथा उपस्थित सभी लोगों से अधिक से अधिक वृक्ष लगाने और उनकी नियमित देखभाल करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि वृक्ष केवल पर्यावरण की रक्षा ही नहीं करते, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के सुरक्षित और स्वस्थ भविष्य की आधारशिला भी हैं। एक पेड़ मां के नाम अभियान प्रत्येक नागरिक को अपनी मां के प्रति सम्मान व्यक्त करने के साथ-साथ प्रकृति के प्रति अपने दायित्व का निर्वहन करने की प्रेरणा देता है। सदर मुख्यालय अंतर्गत एसडीएम कॉलोनी स्थित पार्क में आयोजित मुख्य कार्यक्रम का भव्य और प्रेरणादायी स्वरूप देखने को मिला। बड़ी संख्या में स्कूली बच्चों ने पूरे उत्साह के साथ पौधरोपण किया तथा पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। कार्यक्रम में समाजसेवियों, विभिन्न विभागों के अधिकारियों, भारतीय जनता पार्टी के जिलाध्यक्ष सहित अनेक गणमान्य नागरिकों ने अपनी माताओं के नाम पौधे रोपित कर अभियान को जनआंदोलन का स्वरूप प्रदान किया। मुख्य अतिथि द्वारा जल एवं जंगल संरक्षण के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य कर रहे वरिष्ठ पत्रकार जुगनू खान, राज्यपाल पुरस्कार से सम्मानित शिक्षक लालमन को प्रशस्ति-पत्र देकर सम्मानित किया गया।

वक्ताओं ने कहा कि जल संरक्षण और वृक्षारोपण आज समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है तथा समाज के प्रत्येक व्यक्ति को इस दिशा में सक्रिय भागीदारी निभानी चाहिए। सम्मानित समाजसेवियों ने भी पर्यावरण संरक्षण के लिए निरंतर कार्य करने और अधिक से अधिक लोगों को इस अभियान से जोड़ने का संकल्प व्यक्त किया। वृक्षारोपण महायज्ञ में कल्याण भारती इंटर कॉलेज, राजपूत शिक्षा मंदिर जूनियर हाई स्कूल,डॉक्टर भाभा कान्वेंट स्कूल के शिक्षकों और बच्चों की सहभागिता रही।

कार्यक्रम में भाजपा जिलाध्यक्ष महेंद्र कोटार्य, अपर जिलाधिकारी चंद्रशेखर एसडीएम सदर अजय कुमार यादव तहसीलदार चंद्रकांत तिवारी, नायब तहसीलदार मंगल सिंह यादव, क्षेत्राधिकारी सदर सत्येंद्र पटेल, समाजसेवी बृजेश त्रिपाठी, गिरीश अग्रवाल, गुलाब गुप्ता, भानु प्रताप वर्मा, सुरेंद्र सिंह यादव, जुगल किशोर तिवारी, वैदेही खरे, ममता त्रिपाठी, अनीता सिंह, बीबी सिंह, रमेश कुमार पटेल उपस्थित रहे।

अपनादल नेताओ ने विद्यालय मे किया पौधरोपण

चित्रकूट। विद्यालय परिसर मे वृक्षारोपण करते अपना दल एस जिलाध्यक्ष सहित अन्य ।

चित्रकूट। प्रदेश सरकार के वृहद वृक्षारोपण अभियान के अंतर्गत कंपोजिट विद्यालय वियावल मऊ में पौधारोपण कार्यक्रम का आयोजन उत्साहपूर्वक किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि अपना दल (एस) जिलाध्यक्ष हेमराज सिंह रहे, जिन्होंने अपनी टीम, विद्यालय परिवार एवं विद्यार्थियों के साथ मिलकर पौधे लगाकर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। इस अवसर पर फौजी रामसिया पटेल, रेखा पटेल, फूल सिंह, संजय खंगार, ग्राम प्रधान गायत्री देवी, विद्यालय के प्रधानाचार्य हनुमान सिंह, शिक्षक कुलदीप सिंह, अजय कुमार सिंह, अंकित सिंह, शिवसेवक सिंह, अमरदीप सिंह, रेखा सिंह उपस्थित रहे।

जलवायु परिवर्तन एवं पर्यावरण संतुलन के लिए पौधरोपण नितांत आवश्यक : प्रो. अशोक यादव

गुरसराय (झांसी) । डॉ. राम मनोहर लोहिया पीजी महिला महाविद्यालय में वृक्षारोपण महायज्ञ 2026 की सफलता के लिए महाविद्यालय में मुख्य अतिथि के रूप में प्रबंध समिति के अध्यक्ष प्रो. अशोक यादव उपस्थित रहे। मुख्य अतिथि ने अपने उद्बोधन में कहा कि वृक्ष हमारे लिए कई प्रकार से लाभदायक होते हैं। जीवों द्वारा छोड़े गए कार्बन डाइऑक्साइड को ये जीवनदायिनी ऑक्सीजन में बदल देते हैं। जहां वृक्ष पर्याप्त मात्रा में होते हैं, वहां वर्षा की मात्रा भी सही होती है। महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. पिंकी सिंह ने कहा कि हम सबके जीवन में वृक्षों का महत्वपूर्ण स्थान है। वृक्षों से पर्यावरण की खूबसूरती में निखार आता है। हमारे देश में पेड़ पौधों को ईश्वर का स्वरूप मानकर पूजा अर्चना की जाती है। वृक्षों की देखभाल करना हम सभी का नैतिक कर्तव्य है। एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत मुख्य अतिथि महोदय एवं प्राचार्य डॉ. पिंकी सिंह ने अपने कर कमलों से कॉलेज को हरा भरा रखने के लिए कॉलेज परिसर में पौध रोपण किया। इस मौके पर संपूर्ण महाविद्यालय स्टाफ ने वृक्षारोपण कार्यक्रम में अपनी सहभागिता दी एवं पेड़ों की देखभाल करने का संकल्प लिया। इस मौके पर समस्त स्टाफ एवं अध्ययनरत छात्राएं उपस्थित रहीं। संचालन गुलाब राय शर्मा ने किया एवं उप प्राचार्य डॉ. धीरज दीक्षित ने सभी के प्रति आभार व्यक्त किया।

श्रीराम सेवा समिति व गायत्री परिवार द्वारा किया वृक्षारोपण

गुरसराय(झाँसी) एक पेड़ माँ के नाम अभियान के अंतर्गत श्रीराम सेवा समिति रजिस्टर्ड उत्तर प्रदेश एवं अखिल विश्व गायत्री परिवार के तत्वाधान में माँ के नाम एक पौधा अभियान के अंतर्गत सिंह वाहिनी पैट्रोल पंप ऐरच रोड एवं मऊरानीपुर रोड सरस्वती वाग पर वृक्षारोपण किया गया इस मौक़े पर श्रीराम सेवा समिति के अध्यक्ष एवं गायत्री परिवार के संयोजक सतीश चौरसिया एडवोकेट ने कहा वृक्ष ही हमारा जीवन है वृक्ष न होते तो हमारा साँस लेना एवं जीना मुश्किल हो जाता वृक्षो द्वारा हमें जीवन जीने के लिए सब कुछ प्राप्त होता है वृक्ष ही धरा का सौंदर्य हैं वृक्षों से पर्यावरण शुद्ध होता है इस मौक़े पर अनार आँवला नींबू तुलसी के वृक्षों का रोपण किया गया वृक्षारोपण में प्रबंधक रामनारायन पसतौर उपाध्यक्ष रामदीन पटेल डॉक्टर अशोक मिश्रा चरण सिंह बाबूजी राजेश मिश्रा संतराम द्विवेदी जितेंद्र कुमार सतेंद्र पटेल कृष्णकांत राम चरण प्रमोद यादव सुनील विश्वकर्मा दीपक शैलेंद्र शशिकांत सहित तमाम लोग उपस्थित रहे अंत में सभी का आभार व्यक्त डॉक्टर अशोक मिश्रा ने किया ने किया

नगरपालिका में किया वृक्षारोपण

गुरसराय। नगरपालिका अधिकारी अधिकारी अजय कुमार यादव एवं वरिष्ठ लिपि सोनू यादव (बक्शी) द्वारा नगरपालिका में वृक्षारोपण किया गया। वृक्षारोपण अभियान में नगर के तमाम जागरूक पार्षदों ने हिस्सा लिया, जिनमें मुख्य रूप से सर्वश्री नीरज घोष, दीपकरण कुशवाहा, सुनील कुमार, रमेश चंद्र उर्फ टिंकू पार्षद, अखिलेश कुमार यादव, विनोद कुमार यादव, राजीव कुमार, कुंदन सिंह (पार्षद प्रतिनिधि), अजय कुमार मौर्य, भरत राठौर, ऋषभ वशिष्ठ, भुवनेश्वर अरजरिया, बृजेंद्र कुमार यादव, नीतीश मोदी एवं आशिक खान उपस्थित रहे। नगरपालिका कर्मचारियों का सराहनीय सहयोगः कार्यक्रम को सफल बनाने में नगरपालिका स्टाफ के सर्वेश कुमार खरे, प्रकाश नारायण दीक्षित, जय नारायण सिंह, राजेश (सफाई नायक), रिंकू (सफाई नायक) एवं राजेश माली आदि कर्मचारियों ने सक्रिय रूप से योगदान देकर मंदिर परिसर में विभिन्न प्रकार के पौधे रोपे।

शोकसभा

मऊरानीपुर (झाँसी) नगर के मुहल्ला गाँधीगंज स्थित भार्गव निवास पर एक शोकसभा डॉ. जी. डी. भार्गव की अध्यक्षता में सम्पन्न हुयी। जिसमें चाचा के नाम से विख्यात लखन लाल सेन निवासी मुहल्ला गाँधीगंज के आकस्मिक निधन हो जाने पर गहरा शोक व्यक्त किया गया। उनकी आत्मा को शान्ति प्रदान करने के लिये दो मिनट का मौन रखा गया। इस मौके पर योगेन्द्र सिंह परिहार एड., मनोज अग्रवाल, नीरज ताम्रकार, अतुल सेठ, राघवेन्द्र राजपूत, रामनारायण राजपूत, रामगोपाल गुप्ता, सुधीर ताम्रकार, लल्लू कुशवाहा, लकी सिंह परिहार एड., सौरभ भार्गव आदि लोग उपस्थित रहे।

काँवर यात्रा से श्रावण मास में देखा जाता है धार्मिक माहौल : श्वेता साहू

मऊरानीपुर (झाँसी) आगामी श्रावण मास में काँवर यात्रा के लिये उपजिलाधिकारी श्वेता साहू, पुलिस क्षेत्राधिकारी रत्नेश्वर सिंह एवं कोतवाली प्रभारी मुकेश कुमार सोलंकी के द्वारा तैयारियों को अन्तिम रुप दिया जा रहा है। जिसमें प्रसिद्व प्राचीन मन्दिर श्री केदारेश्वर मन्दिर ग्राम रौनी में पहाड पर विराजमान श्री केदारेश्वर मन्दिर सहित समस्त भोले शंकर के मन्दिरों की व्यवस्थाओं एवं काँवरियों के जल चढाने के स्थानों का जायजा लिया जा रहा है। साथ ही तमाम व्यवस्थाओं का जायजा लेते हुये काँवरियों के लिये पूर्ण व्यवस्था के पुख्ता इंतजाम के लिये स्थानीय अफसरों को आदेशित किया जा रहा है। जिससे काँवरियों को काँवर यात्रा में किसी भी समस्या का सामना न करना पडे। काँवरियों के लिये खान पान करनी वाली कमेटी को सख्त निर्देश देने के लिये स्थानीय प्रशासन को आदेशित किया गया। वही डी. जे. वालों को भी बैठक के माध्यम से काँवर यात्रा के लिये डी. जे. सही ढंग से बजाने के लिये विचार बनाया गया। काँवर यात्रा निकलने से श्रावण मास में देखा जाता है धार्मिक माहौल। वही काँवरियों के लिये श्री केदारेश्वर यात्रा पर सीसीटीवी कैमरा, विधुत विभाग के द्वारा लाईट की व्यवस्था पूरे श्रावण मास तक करने के लिये कहा । काँवरियों के लिये नगर मऊरानीपुर से श्री केदारेश्वर मन्दिर रौनी मौजा तक पुलिस सुरक्षा व्यवस्था की चप्पे चप्पे पर रहने के लिये निर्देश दिये। वही काँवर यात्रा का रुट परिवर्तन नही किया जायेगा पूर्व की भाँति काँवर यात्रा निकालने के निर्देश दिये। वही 112 नं. गाडी चप्पे- चप्पे पर रहेगी। जिसके चलते काँवरियों को किसी भी समस्या का कतई सामना न करना पडे। और काँवरियाँ पूर्व वर्ष की भाँति इस वर्ष भी निकाली जायेगी। जिसके लिये काँवरियाँ संघ के अध्यक्ष शरद चन्द्र द्विवेदी ने पूरे श्रावण मास का काँवरियों का रुट भी प्रशासन को अवगत करा दिया गया है। जिससे व्यवस्थाओं में कोई कमी कतई न हो।

युवक की ट्रेन से गिरने से हुयी मौत

मऊरानीपुर (झाँसी) तहसील मऊरानीपुर में रास पहारिया के पास ट्रेन से गिरकर एक युवक की मौत हो गयी। जिसकी सूचना रेलवे प्रशासन एवं पुलिस प्रशसन को होने पर तत्काल प्रशासन ने मौके पर पहुँचकर शव को कब्जे में लेकर शिनाख्त शुरु कर दी। जिसमें मनीष पुत्र छत्रराज अहिरवार उम्र 20 वर्ष निवासी ग्राम खिलार हाल निवासी नहर के पास मऊरानीपुर शिनाख्त हुयी। जानकारी में मनीष झाँसी से मऊरानीपुर आ रहा था। वह कैसे गिरा, घटना कैसी हुयी। इन सब बिन्दुओं पर प्रशासन गम्भीरता से जाँच में जुट चुका था।

न्यूज ब्रीफ

प्रदेश स्तरीय समन्वय जूनियर बालक बॉक्सिंग प्रतियोगिता का तीसरे दिन जारी रहा आयोंजन

चित्रकूट। स्पोर्ट्स स्टेडियम मे कुल 18 मण्डल की टीमों ने प्रतिभाग किया। अरविन्द कुमार सोनकर, क्रीडाधिकारी के नेतृत्व में प्रतियोगिता के तीसरे दिन की शुरूआत की गयी। प्रतियोगिता का पहला मैच भार 46 कि0ग्रा0 में अवनिश कुमार कानपुर व निहाल राठी सहारनपुर के बीच हुआ जिसमें अवनिश कुमार विजयी रहें, भार 48 किग्रा0 में कृष्णा रावत लखनऊ व दिव्याशु आर्या आगरा के मध्य हुआ जिसमें दिव्याशु आर्या विजय हुये, भार 50 किग्रा0 में हर्श यादव आगरा व अर्श यादव स्पोर्ट्स हास्टल के मध्य हुआ जिसमें अर्श यादव स्पोर्ट्स हास्टल झासी विजय रहे, भार 52 किग्रा0 अर्श स्पोर्ट्स हास्टल मेरठ व आर्यन मेरठ के मध्य हुआ जिसमें अर्श स्पोर्ट्स हास्टल मेंरठ विजय रहे। 54 किग्रा0 अमन कुमार अलीगढ व रूद्र प्रताप स्पोर्ट्स मेरठ के मध्य हुआ जिसमें रूद्र प्रताप स्पोर्ट्स मेरठ विजय रहे। 60 किग्रा0 में संगम यादव स्पोर्ट्स हास्टल मेरठ, एव अर्श यादव मेरठ के मध्य हुआ जिसमें संगम यादव हास्टल मेरठ विजय रहे। 80 किग्रा0 के ऊपर में यशदेव सहारनपुर व सोमेश द्विवेदी चित्रकूट के मध्य हुआ जिसमें सोमेश द्विवेदी विजय रहे।

प्रतियोगिता में निर्णायको की भूमिका में रॉबिल सिंह, अभय कुमार प्रयागराज सोमप्रकाश शर्मा अलीगढ गोविन्द सिंह मेरठ संजीव दीक्षित कानपुर विपिन कुमार आगरा, संदीप गुप्ता, शिकायत निदानकर्ता अधिकारी/क्रीडाधिकारी महोबा सुनील कुमार उप क्रीडाधिकारी झासी, अगंद सिंह यादव, फिरोज अंसारी, हितेन्द्र सिंह, अभिषेक कुमार, प्रियम त्रिपाठी, शैलेन्द्र कुमार, श्याम सुन्दर यादव, श्रीकेशन, अक्तर हुसैन व वैभव राज सिंह उपस्थित रहे।

कांग्रेस अनुसूचित विभाग के राष्ट्रीय अध्यक्ष का दौरा आज

चित्रकूट। कांग्रेस अनुसूचित विभाग राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं उत्तर प्रदेश के नवनियुक्त प्रभारी राजेंद्र पाल गौतम सोमवार को चित्रकूट के महत्वपूर्ण संगठनात्मक दौरे पर रहेंगे। उनके आगमन को लेकर जिले के कांग्रेस कार्यकर्ताओं में उत्साह का माहौल है।

जिला कांग्रेस कमेटी ने उनके स्वागत एवं कार्यक्रम की सभी तैयारियां पूरी कर ली हैं। पार्टी के वरिष्ठ नेताओं का मानना है कि राष्ट्रीय नेतृत्व का यह दौरा जिले में संगठन को नई ऊर्जा और मजबूती प्रदान करेगा। जिला कांग्रेस अध्यक्ष कुशल सिंह पटेल ने बताया कि राजेंद्र पाल गौतम पार्टी पदाधिकारियों, वरिष्ठ नेताओं एवं कार्यकर्ताओं के साथ विस्तृत संगठनात्मक बैठक करेंगे। बैठक में बूथ स्तर तक संगठन को सशक्त बनाने, अनुसूचित समाज के बीच पार्टी की पहुंच बढ़ाने, जनसरोकारों से जुड़े मुद्दों को प्रभावी ढंग से उठाने तथा आगामी राजनीतिक कार्यक्रमों और चुनावी तैयारियों पर विस्तार से चर्चा होगी। कांग्रेस नेतृत्व का उद्देश्य संगठन को गांव-गांव और बूथ स्तर तक सक्रिय करना है, ताकि आमजन की समस्याओं को मजबूती से उठाया जा सके। राष्ट्रीय अध्यक्ष राजेंद्र पाल गौतम संगठन के विभिन्न प्रकोष्ठों के पदाधिकारियों के साथ अलग-अलग बैठक कर आगामी कार्ययोजना पर भी चर्चा करेंगे और कार्यकर्ताओं को संगठन विस्तार के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश देंगे। कुशल सिंह पटेल ने बताया कि कार्यक्रम में मऊ-मानिकपुर विधानसभा की पूर्व कांग्रेस प्रत्याशी रंजना बारातीलाल पांडे, जिले के वरिष्ठ कांग्रेस नेता बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता शामिल होंगे।

बोले राजापुर थाना प्रभारी पीडितो को त्वरित मिलेगा न्याय

चित्रकूट। राजापुर थाने को नया नेतृत्व मिल गया है। पुलिस विभाग द्वारा नरेश कुमार प्रजापति को राजापुर थाने का नया थाना प्रभारी नियुक्त किया गया है।

कार्यभार ग्रहण करते ही उन्होंने स्पष्ट संदेश दिया कि उनकी प्राथमिकता जनता को बेहतर पुलिसिंग, त्वरित न्याय और अपराधमुक्त वातावरण उपलब्ध कराना होगी। उन्होंने कहा कि कानून व्यवस्था से किसी भी प्रकार का समझौता नहीं किया जाएगा और अपराधियों के खिलाफ सख्त एवं प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।नवागत थाना प्रभारी नरेश कुमार प्रजापति ने कहा कि थाना आम जनता के लिए न्याय का पहला द्वार है, इसलिए यहां आने वाले प्रत्येक फरियादी की शिकायत को पूरी गंभीरता, संवेदनशीलता और निष्पक्षता के साथ सुना जाएगा। शिकायतों का समयबद्ध एवं पारदर्शी निस्तारण उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता होगी। उन्होंने कहा कि पुलिस का उद्देश्य केवल अपराधियों पर कार्रवाई करना ही नहीं, बल्कि जनता का विश्वास जीतना और पुलिस-जनता के बीच मजबूत संवाद स्थापित करना भी है।उन्होंने साफ शब्दों में कहा कि क्षेत्र में अवैध गतिविधियों, गुंडागर्दी, माफियागिरी, अराजकता और कानून हाथ में लेने वालों के लिए कोई जगह नहीं होगी। अपराध करने वालों के खिलाफ कठोर वैधानिक कार्रवाई की जाएगी और असामाजिक तत्वों पर लगातार निगरानी रखी जाएगी, ताकि राजापुर क्षेत्र में शांति, सुरक्षा और कानून का राज कायम रहे। थाना प्रभारी ने क्षेत्रवासियों से अपील करते हुए कहा कि पुलिस और जनता की साझेदारी से ही अपराध पर प्रभावी नियंत्रण संभव है। राजापुर थाने में नए थाना प्रभारी के कार्यभार ग्रहण करने पर स्थानीय नागरिकों, जनप्रतिनिधियों ने उनका स्वागत करते हुए शुभकामनाएं दीं।

एक पेड़ माँ के नाम लगाकर बुन्देलखण्ड को बनाऐं हरा भरा: उप मुख्यमंत्री

- आइए मिलकर कदम बढ़ाऐं माँ केनाम एक पेड़ लगाऐं
- विभिन्न योजनाओं के लाभार्थियों को किया लाभान्वित, एक पेड़ माँ के नाम सहजन लगाने का किया अनुरोध

झाँसी जयूसं। नगरागमन पर उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने रानी लक्ष्मीबाई मेडिकल कॉलेज प्रांगण में हरित प्रदेश उत्तर प्रदेश च्च्एक पेड़ माँ के नामज्ज अभियान का समस्त जन प्रतिनिधियों एवं अधिकारियों संग विधिवत पूजा अर्चना करते हुए शुभारंभ किया। वृहत वृक्षारोपण अभियान का शुभारंभ करते हुए उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने उपस्थित समस्त जनप्रतिनिधियों सहित स्वयं सहायता समूह की 100 दीदियों सहित वृक्षारोपण किया और उन्होंने आवाहन करते हुए कहा कि जो पेड़ लगाया गया है वह जीवित रहे, इसे अवश्य सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने जनपद में आज 01 करोड़ 03 लाख पौधों का रोपण किए जाने पर शुभकामनाएँ दीं और सभी पौधों की सुरक्षा करने के भी निर्देश दिए।

वृक्षारोपण कार्यक्रम के पश्चात रानी लक्ष्मीबाई मेडिकल कॉलेज, झांसी मेंप्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी केएक पेड़ माँ के नाम महाभियान से प्रेरित वृक्षारोपण महायज्ञ- 2026 के अन्तर्गत आयोजित कार्यक्रम में उपस्थित विभिन्न योजनाओं के लाभार्थियों, स्वयं सहायता समूह की दीदियों एवं उपस्थित जनमानस व अधिकारियों को संबोधित करते हुए कहा कि माननीय प्रधानमंत्री एवंमुख्यमंत्री के निर्देशन में आज प्रदेश में 35 करोड़ पौधों का रोपण कर एक इतिहास रचा जा रहा है, इसमें हम सभी भागीदार बने। उन्होंने बताया कि उक्त कार्यक्रम में दोपहर 12 बजे तक संपूर्ण प्रदेश में 17 करोड़ पौधों का रोपण किया जा चुका है। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि ग्लोबल वार्मिंग की चर्चा अभी नगर विधायक रवि शर्मा द्वारा की गई, यह एक दुनिया के सामने बड़ा संकट है। भारत हर संकट का बहुत ही दृढ़ता के साथ सामना करते हुए बाहर निकलने का प्रयास कर रहा है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने सम्पूर्ण भारतवासियों का आह्वान किया कि एक पेड़ माँ के नाम लगाने और उसको बचाने का आह्वान किया जो एक अच्छा प्रयास है। उन्होंने कहा कि वर्ष 2017 से 2026 अब तक जितने भी वृक्षों का रोपण किया गया है, उन्हें बचाने के प्रयासों में कोई कमी नहीं आई, इसे अवश्य सुनिश्चित किया जाए। ग्लोबल वार्मिंग की एक वजह यह भी है कि हमारे लोगों ने समय पर ध्यान नहीं दिया और ऐसे वृक्षों की कटान का काम शुरू कर दिया जिन्हें हमें नहीं काटना चाहिए था, उन्होंने कहा लकड़ियों के सामान बनाने में इनकी जरूरत है, हमने फलदार वृक्षों को काट डाला। हमें जो नहीं काटना चाहिए था उनको ही काट डाला इसलिए इस प्रकार की समस्या आ रही है। उन्होंने कहा कि आज यह अभियान बहुत सही समय पर प्रारंभ हुआ है क्योंकि अभी अभी वर्षा हो गई है, जो वृक्ष लगाने हैं। आप उन्हें संतान की तरह उसकी परवरिश करें। उन्होंने कहा, यदि कोई माँ अपने बच्चे का सही लालन पालन न करें। उसकी सेवा न करें तो क्या वह सुरक्षित रह सकता है? बच्चे की जीवन यात्रा को आगे बढ़ा सकता है, नहीं। उन्होंने बताया कि आज हमारे गाँव और शहर में लाखोंपरिवार प्रधानमंत्री एवं मुख्यमंत्री आवास के लाभार्थी हैं। सभी आवास के लाभार्थियों एक पेड़ सहजन को माँ के नाम अवश्य लगाएं और उसका लालन पालन करें। उन्होंने अपने उद्बोधन में कहा कि हमारे प्रदेश का पहले विकास नहीं हुआ। वर्तमान में बहुत तीव्र गति से विकास हो रहा है और विकास जहां होता है वहां बड़े पैमाने पर खनन सामग्री की आवश्यकता पड़ती है, वन क्षेत्र घट जाता है, जहां विकास होता है वहां वन क्षेत्र घट जाता है लेकिन उत्तर प्रदेश में ऐसा नहीं हुआ हमारा वन क्षेत्र भी बड़ा और हमारे प्रदेश का विकास भी हो रहा है और विरासत को भी संरक्षित करने का काम किया जा रहा है। पर्यावरण और जल संरक्षण करने का भी काम किया जा रहा। उन्होंने कहा, वृक्षारोपण कार्यक्रम में मेरा सौभाग्य है कि इस बार मेरी ड्यूटी झांसी के लिए लगाई गई। मुझे व्यक्तिगत तौर से बहुत खुशी हुई और जब आगे कभी कोई कार्यक्रम बनेगा तो झांसी में आकर जो पेड़ मैने लगाया है उसे अवश्य देखूँगा।

आज जो वृक्षारोपण किया जा रहा है, अगर हम समय पर पानी और खाद् ठीक प्रकार से उपलब्ध करा दें, तो हर वृक्ष आगे बढ़ सकता है। जीवित रह सकता है उसका जो लाभ है वह समाज को प्राप्त हो सकता है।उन्होंने आह्वान किया कि आज जो पौध लगेगी, उसका लाभ हमें नहीं, हमारी आने वाली पीढ़ी को मिलेगा। उन्होंने खेत को सुरक्षित रखने के लिए बाढ़ पौधारोपण करते हुए लगाए जाने का सुझाव दिया, ताकि पर्यावरण के साथ साथ खेत की सुरक्षा और आमदनी दोनों में बढ़ोतरी हो।

उन्होंने बुन्देलखण्ड में नए एक्सप्रेस वे की स्वीकृति पर जनपदवासियों को बधाई देते हुए कहा कि आने वाले समय में डबल इंजन की जो सरकार है उसका सर्वाधिक फोकस बुंदेलखंड को हर प्रकार से विकास के पथ पर आगे ले जाने का है। इस दौरान 110 स्वयं सहायता समूहों को 01.50 लाख रुपए की धनराशि से कुल 01 करोड़ 65 लाख का चेक एवं 277 स्वयं सहायता समूहों को 30000 रूपए की धनराशि से कुल 83.10 लाख की धनराशि का रिवॉल्विंग फंड का चेक वितरित किया। इसके अतिरिक्त 05 लाभार्थियों को प्रधानमंत्री मुख्यमंत्री आवास की चाबी सौंपी गई,09 सखियों को उत्कृष्ट कार्य करने पर सम्मानित किया गया। इसके साथ ही तीन ग्राम प्रधान, जिन्होंने क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य किया, उन्हें प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया।

इस दौरान वृक्षारोपण महायज्ञ में उत्कृष्ट कार्य करने पर हेल्पिंग हैंड सेवा संस्थान के अध्यक्ष सत्येंद्र श्रीवास्तव, मानवता की ओर एक कदम एवं गौरैया बचाव अभियान अध्यक्ष जन जगमोहन बड़ौनिया, लार्ड महाकालेश्वर इंटर कॉलेज बाहर खण्डे बड़ा गेट झाँसी प्रबंधक विशाल गुप्ता सहित पेंटिंग प्रतियोगिता में सफल प्रतिभागियों। निबंध प्रतियोगिता में सफल प्रतिभागियों सहित तीन वन विभाग के अधिकारियों को भी प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। एक पेड़ माँ के नाम पौधारोपण अभियान के अंतर्गत एक पौधा रोपित किया तथा इस पौधरोपण महायज्ञ के संदेश को झांसीवासियों तक पहुंचाने हेतु वाहन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। आइए, माँ के प्रति सम्मान और प्रकृति के प्रति अपने दायित्व का निर्वहन करते हुए एक पेड़ माँ के नाम अवश्य लगाएँ तथा 35 करोड़ पौधरोपण के इस हरित महा अभियान में अपनी सहभागिता सुनिश्चित करें। इस अवसर पर भाजपा महानगर अध्यक्ष सुधीर सिंह , भाजपा जिलाध्यक्ष प्रदीप पटेल , उत्तर प्रदेश उपभोक्ता सहकारी संघ लिमिटेड के. सभापति जमुना प्रसाद कुशवाहा , महापौर बिहारी लाल आर्य, जिला पंचायत अध्यक्ष पवन गौतम, विधान परिषद केसदस्यगण डॉ. बाबू लाल तिवारी ,राम तीर्थ सिंघल,विधायकगण राजीव सिंह - पारीछा,जवाहर लाल राजपूत, डॉ. रश्मि आर्य, मा.जनप्रतिनिधिगण एवं अन्य प्रतिष्ठित जनों की उपस्थिति रही।

एक पेड़ माँ के नामज्ज बृहद वृक्षारोपण कार्यक्रम में जिलाधिकारी गौरांग राठी, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक श्री बीबीजीटीएस मूर्ति, मुख्य विकास अधिकारी रामेश्वर सुधाकर सब्बनवाड, मुख्य वन संरक्षक एच वी गिरीश, बुन्देलखण्ड जोन, वन संरक्षक महावीर कौलजगी, प्रभागीय वनाधिकारी श्री विकास यादव, सीएमओ डॉ. शिशिर पुरी, उप प्रभागीय वनाधिकारी संतोष कुमार, उप प्रभागीय वनाधिकारी ए के जैन, राज नारायण यादव, क्षेत्रीय वन अधिकारी विमलेश कुमार, राजकुमार सहित वन विभाग के समस्त अधिकारी/कर्मचारीगण, एन.जी.ओ., स्थानीय वन्यजीव/पर्यावरण प्रेमीयो आदि उपस्थित रह ।

स्वयं सहायता समूहों द्वारा निर्मित पशु आहार को खरीदें, बलिनी समूह अपने केंद्रों पर बढ़ावा दें: उप मुख्यमंत्री

झांसी जयूसं। उप मुख्यमंत्री, उ.प्र. केशव प्रसाद मौर्य की अध्यक्षता में जनपद के विभागीय अधिकारियों के साथ सर्किट हाउस सभागार में बैठक आयोजित की गयी। उन्होंने कहा कि स्वयं सहायता समूहों द्वारा निर्मित पशु आहार को बलिनी समूह प्राथमिकता प्रदान करे, और अमृत वाटिका एवं अमृत सरोवरों पर सघन वृक्षारोपण कराएं,

उन्होंने कहा कि समूह में बड़ी ताक़त है विशेष रूप से महिला समूह की ताकत को और बढ़ाना है, उन्होंने सुझाव दिया की ऐसे महिला समूह जो खाद्यपदार्थ बनाने अथवा फूड प्रोसेसिंग का कार्य कर रहे हैं उन्हें सोलर पैनल लगाये जाने हेतु प्रेरित करें ताकि विद्युत खर्च को कम किया जा सके। उन्होंने बताया कि सोलर पैनल लगाने से सरकार द्वारा छूट दी जा रही है। जिसका लाभ अधिक से अधिक महिलाओं को मिलना चाहिए।

समीक्षा बैठक में ग्रामीण अभियंत्रण विभाग के कार्यों की समीक्षा करते हुए उप मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि सड़कों का निर्माण कार्य गुणवत्तायुक्त कराएं। उप मुख्यमंत्री ने सर्किट हाउस सभागार में समीक्षा करते हुए कहा प्रधानमंत्री आवास योजना/ मुख्यमंत्री आवास योजना का अधिकाधिक लाभ दिया जाये उन्होंने दिव्यांगजनों को प्राथमिकता के आधार पर योजना अंतर्गत लाभान्वित किए जाने के निर्देश दिए।

बैठक में एमएलसी रामतीर्थ सिंघल, जिलाध्यक्ष महानगर सुधीर सिंह, जिलाध्यक्ष प्रदीप पटेल, संयुक्त विकास आयुक्त सुरेश चन्द्र केशरवानी, परियोजना निदेशक राजेश कुमार उपायुक्त मनरेगा शिखर श्रीवास्तव, उपायुक्त स्वतः रोजगार सुनील सिंह अधिशाषी अभियंता ग्रामीण अभियंत्रण सहित अन्य सम्बन्धित अधिकारीगण उपस्थित रहे।

एक पेड़ माँ के नाम अभियान से गूंजा जिला न्यायालय परिसर जनपद न्यायाधीश ने किया वृक्षारोपण

झांसी जयूसं। पर्यावरण संरक्षण एवं हरित भविष्य के संकल्प को साकार करने के उद्देश्य से रविवार, 12 जुलाई 2026 को जिला न्यायालय परिसर में वृक्षारोपण महायज्ञ-2026 के अंतर्गत 'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ माननीय जनपद न्यायाधीश श्रीमती कमलेश कच्छल ने पौधारोपण कर किया। इस अवसर पर उन्होंने पर्यावरण संरक्षण के लिए अधिक से अधिक वृक्ष लगाने का संदेश देते हुए सभी से पौधों की नियमित देखभाल करने का आह्वान किया।

कार्यक्रम में न्यायिक अधिकारियों एवं न्यायालय के कर्मचारियों ने भी उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए पौधारोपण किया और पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लिया। न्यायालय परिसर को हराभरा बनाने की दिशा में यह अभियान एक महत्वपूर्ण पहल साबित हुआ।

श्रीमती विद्यावती ग्रुप ऑफ इन्स्टीट्यूशन्स में हुआ वृक्षारोपण महोत्सव

वृक्षारोपण अभियान को जन आंदोलन बनाने का लिया संकल्प

झाँसी जयूसं। भारत सरकार द्वारा चलाये जा रहे राष्ट्रीय वृक्षारोपण महाअभियान के अंतर्गत एक पेड़ माँ के नाम के तहत श्रीमती विद्यावती ग्रुप ऑफ इन्स्टीट्यूशन्स, झांसी द्वारा संस्थान परिसर में प्रथम चरण का वृहद वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण के प्रति जन-जागरूकता बढ़ाना, हरित परिसर का निर्माण करना तथा प्रकृति के संरक्षण के प्रति सामूहिक उत्तरदायित्व को सुदृढ़ करना था। इस अवसर पर संस्थान की प्रबंध समिति के समस्त पदाधिकारी फार्मेसी, नर्सिंग, एजुकेशन एवं आई.टी.आई. के प्राचार्यों सहित सभी विभागों के अधिकारी, शिक्षक, कर्मचारी एवं विद्यार्थियों नेसहभागिता करते हुए संस्थान परिसर में अशोक, आम, पाखर, अमरूद, बेल, नींबू, नीम, कदम, बोगनवेलिया, गुड़हल सहित विभिन्न फलदार, छायादार एवं औषधीय

पौधों का रोपण किया। इस अवसर पर कोषाध्यक्ष रविंद्र कुमार चतुर्वेदी ने समस्त अधिकारियों, कर्मचारियों एवं विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए ने कहा कि पौधा लगाना जितना महत्वपूर्ण है, उससे कहीं अधिक आवश्यक उसका संरक्षण और संवर्धन करना है। उन्होंने कहा कि प्रत्येक नागरिक को केवल वृक्षारोपण तक सीमित न रहकर लगाए गए पौधों को जीवित रखने की जिम्मेदारी भी निभानी चाहिए। यही प्रयास भविष्य की पीढ़ियों को स्वच्छ, सुरक्षित एवं हरित वातावरण प्रदान करेगा। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में बढ़ता प्रदूषण, घटते वन क्षेत्र एवं जलवायु परिवर्तन संपूर्ण विश्व के लिए गंभीर चुनौती बन चुके हैं। पेड़ों की अंधाधुंध कटाई के कारण वर्षा चक्र प्रभावित हो रहा है तथा वैश्विक तापमान में निरंतर वृद्धि हो रही है। वृक्ष न केवल शुद्ध ऑक्सीजन प्रदान करते हैं, बल्कि वायु प्रदूषण को कम करने, भूमिगत जलस्तर को बनाए रखने, जैव विविधता के संरक्षण तथा प्राकृतिक संतुलन को कायम रखने मेंभी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। क र्यक्रम में उपस्थित सभी पदाधिकारियों, प्राचार्यों, शिक्षकों, कर्मचारियों एवं विद्यार्थियों ने पर्यावरण संरक्षण की शपथ लेते हुए वृक्षारोपण अभियान को जन-आंदोलन बनाने का संकल्प लिया। संस्थान परिसर को अधिक हरित एवं पर्यावरण-अनुकूल बनाने के उद्देश्य से लगाए गए पौधों की नियमित देखभाल एवं संरक्षण की जिम्मेदारी भी निर्धारित की गई। कार्यक्रम का सफल आयोजन एवं समन्वय श्रीमती विद्यावती ग्रुप ऑफ इन्स्टीट्यूशन्स की गार्डन समिति द्वारा किया गया। कार्यक्रम के अंत में सभी उपस्थित सदस्यों ने पर्यावरण संरक्षण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त करते हुए अधिकाधिक वृक्षारोपण एवं उनके संरक्षण का संदेश दिया।

महानिदेशक स्कूल शिक्षा मोनिका रानी ने एक पेड़ माँ के नाम अभियान तहत किया वृक्षारोपण

झांसी जयूसं। शासन की महत्वाकांक्षी एक पेड़ माँ के नाम जन-अभियान के अंतर्गत महानिदेशक स्कूल शिक्षा श्रीमती मोनिका रानी के झांसी आगमन पर कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय, टपरियन (विकासखंड बबीना) में भ वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में रामेश्वर सुधाकर सब्बनबाड मुख्य विकास अधिकारी, जिला विद्यालय निरीक्षक रति वर्मा, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी जितेंद्र कुमार गौंड, वन विभाग के अधिकारी, समस्त खंड शिक्षा अधिकारी, जिला समन्वयक एवं अन्य जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे। महानिदेशक ने विद्यालय परिसर में छात्राओं के साथ भोजन कर उसकी गुणवत्ता का अवलोकन किया तथा छात्राओं से संवाद कर उन्हें पर्यावरण संरक्षण एवं पौधों की नियमित देखभाल का संदेश दिया।

इसके उपरांत महानिदेशक ने राजकीय इंटर कॉलेज, झांसी में आयोजित कार्यक्रम में प्रतिभाग किया। इस अवसर पर उन्होंने शिक्षा विभाग द्वारा संचालित विभिन्न गतिविधियों एवं च्च्एक पेड़ माँ के नामज्ज अभियान की प्रगति की समीक्षा भी की। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी जितेंद्र कुमार गौंड ने कहा कि जनपद के सभी परिषदीय विद्यालयों में अभियान को जन-आंदोलन का स्वरूप दिया जा रहा है। उन्होंने सभी खंड शिक्षा अधिकारियों, प्रधानाध्यापकों, शिक्षकों, शिक्षामित्रों, अनुदेशकों एवं कर्मचारियों से अधिकाधिक पौधारोपण करने तथा लगाए गए प्रत्येक पौधे के संरक्षण एवं संवर्धन को अपनी नैतिक जिम्मेदारी के रूप में निभाने का आह्वान किया।

कार्यालय जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी झांसी में प्रधान सहायक के नेतृत्व में आज वृक्षारोपण का भी कार्यक्रम किया गया था जिसमें कन्हैया मिश्रा प्रधान सहायक अब्दुल रहीस सिद्दीकी,अजय राय, रमेश चक्रवर्ती,नरेंद्र सुखलाल आदि के द्वारा कार्यालय में वृक्षारोपण किया गया।

क र्यक्रम में मुख्य विकास अधिकारी, जिला विद्यालय निरीक्षक झांसी खंड शिक्षा अधिकारी, , बी.एन. श्रीवास्तव, खंड शिक्षा अधिकारी उपेंद्र सिंह, खंड शिक्षा अधिकारी दीपक श्रीवास्तव, खंड शिक्षा अधिकारी मनोज लक्ष्यकर, खंड शिक्षा अधिकारी वेद प्रकाश, खंड शिक्षा अधिकारी उपेंद्र प्रताप सिंह, खंड शिक्षा अधिकारी अंतिमा , खंड शिक्षा अधिकारी श्याम प्रताप, जिला समन्वयक सुश्री वैशाली बिरला, रत्नेश त्रिपाठी, रमेश पहाड़िया, राघवेंद्र यादव, श्रीमती प्रीति सिंह, राजबहादुर तथा सोम प्रकाश राजवेंद्र सिंह, सौरभ श्रीवास्तव,सहित अनेक कर्मचारी, शिक्षक एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

वृक्षारोपण कार्यक्रम सम्पन्न

झाँसी जयूसं। उत्तर प्रदेश शासन एवं उच्च शिक्षा निदेशालय, प्रयागराज के निर्देशों के अनुपालन में वर्ष 2026-27 में उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा 35 करोड़ पौधे लगाने के महाअभियान के अंतर्गत उच्च शिक्षा विभाग को 20 लाख पौधारोपण का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। इसी क्रम में आर्य कन्या महाविद्यालय, झाँसी में प्राचार्या प्रोफेसर स्वाति भदौरिया की अध्यक्षता में वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ प्राचार्याद्वारा पौधारोपण कर किया गया। अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में पर्यावरण प्रदूषण, जलवायु परिवर्तन, बढ़ता तापमान, वनों की अंधाधुंध कटाई तथा प्राकृतिक संसाधनों का लगातार दोहन मानव जीवन के लिए गंभीर चुनौती बन चुके हैं। इन समस्याओं से निजात पाने का सबसे प्रभावी उपाय अधिक से अधिक पौधारोपण करना तथा लगाए गए पौधों का संरक्षण सुनिश्चित करना है। उन्होंने छात्राओं से पर्यावरण संरक्षण को जन-आंदोलन बनाने का आह्वान किया।

राष्ट्रीय सेवा योजना की कार्यक्रम अधिकारी डॉ. किरण सिंह ने छात्राओं को वृक्षों के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि वृक्ष हमें शुद्ध वायु, ऑक्सीजन, वर्षा संतुलन, जैव विविधता का संरक्षण तथा स्वच्छ एवं स्वस्थ वातावरण प्रदान करते हैं।इस अवसर पर महाविद्यालय परिसर में विभिन्न प्रजातियों के पौधों का रोपण किया गया। कार्यक्रम में महाविद्यालय के समस्त प्राध्यापकगण, कर्मचारी एवं राष्ट्रीय सेवा योजना की स्वयंसेविकाओं ने उत्साहपूर्वक सहभागिता करते हुए पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया।

महारानी लक्ष्मीबाई मेडिकल कॉलेज में एक पेड़ माँ के नाम अभियान के तहत 5000 पौधों का रोपण

झांसी जयूसं। वन प्रभाग द्वारा वृक्षारोपण महाअभियान-2026 के अंतर्गत एक पेड़ माँ के नाम थीम पर रविवार को महारानी लक्ष्मीबाई मेडिकल कॉलेज परिसर में वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य रहे, जिन्होंने पूजा-अर्चना के साथ हरिशंकरी का पौधा रोपकर अभियान का शुभारंभ किया। कार्यक्रम में स्कूली छात्र-छात्राओं, स्वयंसेवी संस्थाओं, चिकित्सकों एवं आमजन की सहभागिता से लगभग 5000 पौधों का रोपण किया गया। उपमुख्यमंत्री ने वृक्षारोपण स्थल से जनजागरूकता हेतु हरित रथ को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। उपस्थित जनप्रतिनिधियों एवं अतिथियों ने भी एक पेड़ माँ के नाम के अंतर्गत पौधारोपण किया। इस अवसर पर वन एवं पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले उप क्षेत्रीय वनाधिकारीसंदीप रविकुल, वन दरोगा मनोज श्रीवास्तव सहित अन्य कर्मियों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया । इसके अतिरिक्त पर्यावरण संरक्षण एवं वन महोत्सव से जुड़ी विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं तथा सामाजिक संस्थाओं के प्रतिनिधियों को भी सम्मानित किया गया। विभिन्न सरकारी योजनाओं के लाभार्थियों को अनुदान राशि, आयुष्मान कार्ड तथा प्रधानमंत्री एवं मुख्यमंत्री आवास योजनाओं की स्वीकृति पत्र भी वितरित किए गए। जनसभा को संबोधित करते हुए उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने वृक्षारोपण के महत्व पर प्रकाश डालते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की प्रेरणा एवं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देशन में अधिक से अधिक पौधे लगाने तथा लगाए गए पौधों के संरक्षण का संकल्प लेने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि पर्यावरण संरक्षण जनभागीदारी से ही संभव है और प्रत्येक नागरिक को इस अभियान से जुड़ना चाहिए।

कार्यक्रम में सदर विधायक रवि शर्मा ने भी अधिकाधिक वृक्षारोपण कर ग्लोबल वार्मिंग की चुनौती से निपटने का आह्वान किया।

इस अवसर पर महापौर बिहारीलाल आर्य, जिला पंचायत अध्यक्ष पवन गौतम, विधायक राजीव सिंह पारीछा, विधायक डॉ. रश्मि आर्य, विधायक जवाहर लाल राजपूत, शिक्षक विधायक डॉ. बाबूलाल तिवारी, विधान परिषद सदस्य श्री रामतीर्थ सिंघल सहित अनेक जनप्रतिनिधि एवं अधिकारी उपस्थित रहे। विभागीय अधिकारियों में मुख्य वन संरक्षक बुंदेलखंड जोन, जिलाधिकारी, प्रभागीय वनाधिकारी, मुख्य विकास अधिकारी सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी मौजूद रहे।

महापौर ने गढिया गाँव में किया वृक्षारोपण

झाँसी जयूसं। एक पौधा माँ के नाम पर रोपे जाने वाले कार्यक्रम के तहत आज रविवार कोमहापौर बिहारी लाल आर्य वार्ड नं. 15 गढियागाँव में रिक्तभूमि कुल 07 किता रकवा 1.095 हे0 भूमि पर वृक्षारोपरण किया गया है।

उक्त कार्यक्रम में अपर नगर आयुक्त राहुल यादव, अधिशासी अभियंता श्रीमती नीना सिंह सहायक अभियंता विपिन कुमार, पर्यवारण अभियन्ता सिद्धार्थ गुप्ता, अवर अभियंता देवीलाल शर्मा, सफाई एवं खाद्य निरीक्षक मनोज कुमार श्रीवास्ताव एवंपार्षद हरिओम मिश्रा, आशीष तिवारी, आशीष चौकसे, भरत सेन,तरूण कुमार, ,विष्णू यादव द्वारा वृक्षारोपण किया गया साथ ही साथ अन्य नागरिक उपस्थित रहें।

स्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक नाथूराम कुशवाहा द्वारा जनता यूनियन प्रेस, शिव परिवार कालोनी, उन्नाव गेट बाहर झाँसी से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक - नाथूराम कुशवाहा*
फोन नं. 0510-2331158 आरएनआई नं. यूपीएचआईएन/2007/22191 समस्त विवादों का निपटारा झाँसी न्यायालय के अधीन होगा। *पी.आर.बी. एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए उत्तरदायी